



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्ष से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 21, 1986/ज्याइस्था 31, 1908

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 21, 1986/JYAISTHA 31, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखी जा सके

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the  
Ministry of Defence)

(कामिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग)

में तथास्वात् कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की निम्न-  
लिखित अधिसूचनाओं द्वारा संगोपन किए गए हैं :—

नई दिल्ली, 4 जून, 1986

का. आ. 2325—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5)  
के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग  
कहते हुए, और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा कर  
रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक-महा लेखापरीक्षक से परामर्श करने  
के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में और संगोपन  
करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (दूसरा  
संगोपन) नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 54 के  
उप-नियम (6) के खंड (iii) में "बीबीस" शब्द के स्थान  
पर "तीस" शब्द रखा जाएगा।

[संख्या 1/2/86-पी.एण्डपी. डब्ल्यू.]  
एस. बी. सिंह, उप सचिव

टिप्पण :—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के रूप में प्रका-  
शित किए गए थे। उसका तीसरा संस्करण (दिसम्बर, 1981  
तक संगोपित) 1982 में मूद्रित किया गया था। इन नियमों

क्र. सं.	अधिसूचना संख्या	तारीख
1.	का. आ. 3477	10-2-1983
2.	का. आ. 4041	1-12-1984
3.	का. आ. 4218	8-12-1984
4.	का. आ. 3324	20-7-1985
5.	का. आ. 5192	16-11-1985
6.	का. आ. 5304	30-11-1985
7.	का. आ. 702	1-3-1986
8.	का. आ. 1246	29-3-1986

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES  
PENSIONS

(Department of Pension & Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2325.—In exercise of the powers conferred by proviso  
to article 309, read with clause (5) of the article 148 of the  
Constitution and after consultation with the Comptroller and  
Auditor-General in relation to persons serving in the Indian  
Audit and Accounts Department, the President hereby makes  
the following rules further to amend the Central Civil Ser-  
vices (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in clause (iii) of Sub-rule (6) of rule 54, for the words "twenty four", the word "thirty" shall be substituted.

[No 1[2]86-P&PW]

S. V. SINGH, Dy. Secy.

Foot Note :—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. 934 dated 1-4-72. The Third Edition (corrected upto December, 1981) of the rules was printed in 1982. The rules were subsequently amended vide DP&AR Notifications given below :—

S. No.	Notification No.	Date
1.	S.O. 3477	10-9-1983
2.	S.O. 4041	1-12-1984
3.	S.O. 4288	8-12-1984
4.	S.O. 3324	20-7-1985
5.	S.O. 5192	16-11-1985
6.	S.O. 5304	30-11-1985
7.	S.O. 762	1-3-1986
8.	S.O. 1246	29-3-1986

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1986

(आयकर)

का. प्रा. 2326:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23A) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "अरुलमिगु मीनाक्षी सुन्दरेश्वर निरुकोइल, मदुरै" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत अपने बानी गवर्नर के लिए अधिपूचित करती है।

[मं. 6719/का. सं. 197ए/238/82-आ. क. (नि. 1)]  
पी. सक्सेना, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Department of Revenue)

(INCOME-TAX)

S.O. 2326:—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Meenakshi Sundareswarar Thirukoil, Madurai" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6719/F. No. 197A/238/82-IT(AI)]

P. SAXENA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 16 जून, 1986

का. प्रा. 2327 :—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समाकृत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/168/85-सी. शु.-8, तारीख 23-12-1985 यह निदेश देती है कि श्री सुलेमान अहमद लाकड़वाला पुत्र स्व. श्री

अहमद अब्दुल करीम लाकड़वाला, भारतीय पासपोर्ट नं. यू-428300, निवासी 96, मोहम्मद अली, तीसरी मंजिल, कमरा नं. 18, अम्बर-3 को प्रेसिडेंसी जेल, अलिपुर, में निरुद्ध कर लिया और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/168/85-सी. शु. VIII]

ORDERS

New Delhi, the 16th June, 1986

S.O. 2327.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conversation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued order F. No. 673/168/85-Cus. VIII dated 23rd Dec., 1985 under the said sub-section directing that Shri Suleman Ahmed Lakdawala s/o late Shri Ahmed Abdul Karim Lakdawala, India Passport No. U-428300 R/o. 95, Mohammed Ali Road, 3rd Floor Room No. 18, Bombay-3 be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore with a view to preventing him from smuggling goods,

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (v) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/168/85-Cus. VIII]

का. प्रा. 2328:—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समाकृत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/32/86-सी. शु.-VIII, तारीख 21-2-86 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री बी. जे. आबदीन उर्फ बी. जैनुल्लाह, नं. 6 ए. लाया नैकन स्ट्रीट, पुदुचे, मद्रास को केन्द्रीय कारागार, मद्रास में निरुद्ध कर लिया जाए और अभिरक्षा में रखा जाए कि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से निवारित किया जा सके जो विदेशी मुद्रा संवर्धन के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिरीक्षक, मद्रास के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/32/86-सी. शु.-VIII]

S.O. 2328.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/32/86-Cus. VIII dated 21-2-86 under the said sub-section directing that Shri B. J. Abdeen @ B. Jannulabdeen, No. 6, Ellapa Naicken Street, Pudupet, Madras be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Madras within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/32/86-Cus VIII]

का. धा. 2328.—भारत सरकार के अपर सचिव, ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/33/86-सी. शु.-8, तारीख 19-3-1986 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री मोहम्मद मुस्तफा, पुत्र सैयद निजाम अली, डी-72, दुजाना हाउस, जामा मस्जिद, दिल्ली को केन्द्रीय जेल, तिहाड़, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाए और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से निवारित किया जा सके जो विदेशी मुद्रा, संवर्धन के लिए हानिकारक हो;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[का. सं. 673/33/86-सी. शु.-VIII]

S.O. 2329.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued Order F. No. 673/33/86-Cus. VIII dated 19th March, 1986 under the said sub-section directing that Shri Mohd. Mustufa S/o Syed Nizam Ali, D-72, Dujan House, Jama Masjid, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/33/86-Cus.VIII]

का. धा. 2330.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त

किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/53/86-सी. शु.-VIII, तारीख 19-3-86 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि राजपाल मनचन्दा, निवासी 36, शास्त्री पार्क, चण्द नगर, दिल्ली को केन्द्रीय जेल, तिहाड़, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाए और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[का. सं. 673/53/86-सी. शु.-VIII]

S.O. 2330.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued Order F. No. 673/53/86-Cus. VIII dated 19th March, 1986 under the said sub-section directing that Shri Rajpal Manchanda, residing at 36, Shastri Park, Chander Nagar, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/53/86-Cus.VIII]

का. धा. 2331.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/54/86-सी. शु.-VIII, तारीख 19-3-86 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री सतपाल मनचन्दा, निवासी 36, शास्त्री पार्क, चण्द नगर, दिल्ली को केन्द्रीय जेल, तिहाड़, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाये और अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[का. सं. 673/54/86-सी. शु.-VIII]

धार. के. तिहारी, अपर सचिव

S.O. 2331.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued Order F. No. 673/54/86-Cus. VIII dated 19-3-86 under the said section directing that Shri Satpal Manchanda, resid-

ing at 36, Shastri Park, Chander Nagar, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/54/86-Cus.VIII]  
R. K. TEWARI, Dy. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 8 मई, 1986

का.घा. 2312.—प्रदेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा 2 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस. पी. कारन को, जिनकी धारा 11 की उपधारा (1) के तहत समस्तीपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, समस्तीपुर (बिहार) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की तीन वर्ष की पहली अवधि 11-8-1983 को समाप्त हो गई है, 12-8-1983 से प्रारंभ होकर 14-10-1984 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये उक्त बैंक का पुनः अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं. एक. 2-66/82 आर. आर. बी.]  
ज. वा. मीरचन्दानी, निदेशक

(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)

New Delhi, the 8th May, 1986

S.O. 2332.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby reappoints Shri S. P. Karan, as the Chairman of Samastipur Kshetriya Gramin Bank, Samastipur (Bihar), whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of section 11 had expired on 11-8-1983 for a period commencing from 12-8-1983 and ending with 14-10-1984.

[No. F. 2-66/82-RRB]  
C. W. MIRCHANDANI, Director

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 21 जून, 1986

का.घा. 2333.—निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि कतीरा (गम कराया) का निर्यात से पूर्व स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए ;

और, केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे ब्रिनिष्ट प्रस्तापनाएँ तैयार की हैं और उन्हें निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अधिनियम द्वारा निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम (2) के अनुसरण में, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय, नागरिक आपूर्ति तथा सहकारिता विभाग की अधिसूचना सं. का.घा. 3319 तारीख 29 सितम्बर, 1979 को अधिनियम करते हुए, उक्त प्रस्तापनाओं को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

3. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव सेजने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्तापनाएँ

(1) यह अधिसूचित करना कि कतीरा (गम कराया) निर्यात से पूर्व स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) इस आदेश के उपाबंध-2 में दिए गए कतीरा (गम कराया) निर्यात (निरीक्षण), नियम, 1986 के प्राकृतिक के अनुसार स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में ब्रिनिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे कतीरा (गम कराया) को लागू होगा ;

(3) 35 श्रेणियों को मान्यता देना जो इस आदेश के उपाबंध-2 के अनुसार है।

(4) निम्नलिखित को मान्यता देना :—

(क) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों और निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य निकायों के मानक ;

(ख) इस आदेश के उपाबंध-1 में ब्रिनिष्ट न्यूनतम सक्षमों के अधीन उत्पाद के संविदा अन्य ब्रिनिष्ट।

(5) अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में कतीरा (गम कराया) के निर्यात को तब तक प्रतिबिध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (स्वालिटी-नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अधिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आदेश का प्रमाण-पत्र न हो कि ऐसा कतीरा (गम कराया) स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों का समाधान करता है और निर्यात-योग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भाषी क्रेताओं को भूमि, समुद्री या वायु मार्ग द्वारा कतीरा (गम कराया) के नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जब कि ऐसे नमूने भारत में दो किशोमाम से अधिक नहीं होंगे।

4. इस आदेश में "कतीरा (गम कराया)" से स्टैरकुलिया यूरेस पीछे से प्राप्त गम अधिप्रेत है जो भोजन संबंधी औद्योगिक प्रयोग के लिए है।

उपाबंध-1

क. कतीरा (गम कराया) के लिए ब्रिनिष्ट।

1. गम स्टैरकुलिया यूरेस पीछे से प्राप्त किया जाएगा और निम्न-लिखित श्रेणी मानकों के अनुरूप होगा :—

श्रेणी	छाल और बाह्य कार्बनिक पदार्थ (छा.बा.का.प. बेला/बोकर)
(1) सं./हाथ से चुना हुआ तथा चुनी हुई श्रेणी (एच.पी.एस.) श्रेणी।	अधिकतम 1.0%
(2) सं. 2	अधिकतम 1.5%
(3) सं. 3	अधिकतम 3.0%
(4) सं. 4	अधिकतम 5.0%
(5) सं. 5	अधिकतम 8.0%
(6) सं. 6	अधिकतम 10.0%

3. गम का आकार निर्यात संविदा में यथा अधिकतम जेता तथा विक्रेता के मध्य तय हुए करार के अनुसार होगा।

4. गम कृत्तक उत्सर्ग, कृत्तक मूल और कृत्तक बालों से मुक्त होगा।

ख. कटीला, कराया या कलसू के रूप में व्यापारिक रूप से ज्ञात कटीरा (गम कराया) (किन्टूल) की प्रत्येक श्रेणी के श्रेणी नाम तथा लक्षण

श्रेणी	रंग लक्षण	भार के अनुसार	साधारण लक्षण
गर्मों की कसल	सर्वो/मानसून की कसल	बाह्य पदार्थ की प्रतियोगिता (अधिकतम)	
सं. 1	भंडारकरण की अवधि के अनुसार सफेद से लेकर हल्का कालाई तक	भंडारकरण की अवधि के अनुसार हल्का भूरा	1.0 कटीरा (गम कराया) किन्टूल - (1) गम के निश्चित रंग की धरा में प्राप्त और भण्डारित किए जाएंगे।
सं. 2	हल्का सलेटी तथा पीलेपन के साथ सफेद	फीका सफेद	1.5 (2) स्टेरकुलिया यूरेस पीधे के रस से प्राप्त किया जाएगा।
सं. 3	हल्का पीला से लेकर हल्के कालाई और भूरे तक	हल्का सफेद से लेकर भूरे तक और पीले तक	3.0 (3) आकार तथा परिमाण में एक रूप होगा उपयुक्त रूप से सुझाई जाएगी।
सं. 4	हल्के काले रंग के साथ भूरा तथा गाढ़ा भूरा	हल्के पीले से गाढ़ा भूरा	5.0 (4) कृत्तक उत्सर्ग, कृत्तक मूल तथा बालों, फफूँटी, फॉट उत्पीडन से मुक्त होगा।
सं. 5	गाढ़े भूरे से काला	हल्के भूरे से काला	8.0 (5) घुलनशीलता की विशेषता का होगा।
सं. 6	काला तथा मिश्रित	काला तथा मिश्रित	10.0

परिभाषा : 'बाह्य पदार्थ' के अंतर्गत कटीरा (गम कराया) से किन्तु छाल, पत्ते, धूल गंधनो, पत्थर कण या अन्य कोई तार्किक तथा अकार्यक्षम पदार्थ आता है।

#### उपबोध—2

निर्यात ( क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण ) अधिनियम, 1963 की धारा 17 के अधीन कटीरा ( गम कराया ) निर्यात ( निरीक्षण ) नियम, 1979 को प्रतिष्ठित करते हुए बनाए गए प्रस्तावित नियमों का प्रारूप )

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम कटीरा ( गम कराया ) निर्यात ( निरीक्षण ) नियम, 1986 है।

2. परिभाषा :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से निर्यात ( क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण ) अधिनियम, 1963 ( 1963 का 22 ) अभिप्रेत है;

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, विल्ली और मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) "कटीरा ( गम कराया )" से स्टेरकुलिया यूरेस पीधे से प्राप्त गम अभिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधारे :—कटीरा ( गम कराया ) का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि यह अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और इस आदेश से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) कटीरा ( गम कराया ) का निर्यात करने का हस्तक कोई भी निर्यातकर्ता, ऐसा करने के अपने आदेश की सूचना लिखित रूप में अभिकरण को देगा और ऐसी सूचना

के साथ यह घोषणा करेगा कि कटीरा ( गम कराया ) का परेषण नियम 3 के अनुसार तैयार किया गया है तथा परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

2. अहाँ निर्यातकर्ता की यह इच्छा है कि निर्यात किए जाने वाले कटीरा ( गम कराया ) के परेषण का निरीक्षण —

(क) बम्बई में अभिकरण द्वारा किया जाए, वहाँ यह उपनियम (1) के अधीन सूचना, पोत-खदान से कम से कम तीन दिन पहले देगा।

(ख) कलकत्ता, कोचीन, विल्ली या मद्रास में अभिकरण द्वारा किया जाए, वहाँ यह उपनियम (1) के अधीन सूचना पोत-खदान से कम से कम छत दिन पहले देगा।

(3) (1) उपनियम (2) में निर्दिष्ट सूचना प्राप्त होने पर अभिकरण कटीरा ( गम कराया ) के परेषण का निरीक्षण निर्यात निरीक्षण परिपक्व द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार अपना यह समाधान करने के विचार से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीबद्ध तथा पैक किया गया है;

(2) निर्यातकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सूचनाएं देगा ताकि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) निरीक्षण के पश्चात् यदि अभिकरण का समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले कटीरा ( गम कराया ) का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं को पूरा करता है तो अभिकरण यह घोषणा करते हुए एक प्रमाण-पत्र कि परेषण निर्यात योग्य है, —

(1) बम्बई में अभिकरण द्वारा निरीक्षण किए जाने की दशा में, सूचना प्राप्ति से तीन दिन के भीतर जारी करेगा, और

- (2) कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली या मद्रास में अभिकरण द्वारा निरीक्षण किए जाने की दशा में, सूचना प्राप्ति के सात दिन के भीतर जारी करेगा;

परन्तु जहाँ अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है वहाँ वह उक्त तीन या सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना निर्यातकर्ता को, उसके कारणों सहित देगा।

(5) प्रमाणन के पश्चात् अभिकरण को, वास्तविक पोत परिवहन से पूर्व भी, भंडारकरण या परिवहन के स्थान पर या पत्तों पर, परेवण की क्वालिटी का पुनः निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(6) परेवण के इन प्रक्रमों में से किसी भी प्रक्रम पर मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने पर मूल रूप से जारी किया गया निरीक्षण प्रमाण-पत्र वापिस ले लिया जाएगा।

(7) पैकिंग तथा चिन्हन :—

7. (1) पैकिंग :—कनोरा (गम कराया) बोहरे बोरो में पैक किया जाएगा जिनमें से अन्दर वाला बोरा साफ तथा मजबूत होगा और बाहरी बोरा पूर्णतः नया होगा।

7. (2) चिन्हन :—बाहरी बोरे पर निम्नलिखित सूचनाएं अंकित की जाएगी, अर्थात् :—

- (1) छाया तथा औपवीय प्रयोग के लिए कतीरा (गम कराया);
- (2) कतीरा (गम कराया) की श्रेणी; तथा
- (3) पोत परिवहन चिह्न;

(8) निरीक्षण का स्थान :—“(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ता के उन परिसरों पर किया जाएगा जहाँ निरीक्षण के लिए साल प्रस्तुत किया गया है बशर्ते कि वहाँ निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

(2) निर्यातकर्ता के परिसरों पर निरीक्षण करने के अतिरिक्त, अभिकरण परेवण का निरीक्षण पोत-सदाम के समय गोदाम में या घाट पर भी कर सकता है।

(9) निरीक्षण फीस :—इन नियमों के अधीन प्रति परेवण न्यूनतम 50 रु. के अधीन रहने हुए पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.50 प्रतिशत की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में दी जाएगी।

(10) अपील :—(1) नियम 4 के उपनियम (4) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किए गए विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकता है।

(2) विशेषज्ञों के पैनल में पैनल की कुल संख्या के दो तिहाई संख्य गैर-सरकारी संख्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुसूची

क. कतीरा (गम कराया) के लिए विनिर्देश

1. गम स्टेरकुलिया यूरैस पीछे से प्राप्त किया जाएगा।
2. गम निम्नलिखित श्रेणी मानकों के अनुरूप होगा :—

श्रेणी	छाया और बाह्य कार्बनिक पदार्थ (छा. बा. का. प.) वैला/बोकर
--------	--

(1) सं./हाथ से चुना हुआ अधिकतम	1.0 प्रतिशत
तथा चुनी हुई श्रेणी	
(एच. पी. एल. श्रेणी)	
(2) सं. 2	1.5 प्रतिशत अधिकतम
(3) सं. 3	3.0 प्रतिशत अधिकतम
(4) सं. 4	5.0 प्रतिशत अधिकतम
(5) सं. 5	8.0 प्रतिशत अधिकतम
(6) सं. 6	10.0 प्रतिशत अधिकतम

3. गम का आकार निर्यात संविदा में यथा अधिकृत जेता तथा विक्रेता के मध्य तय हुए करार के अनुसार होगा।

4. गम कुत्तक उत्सर्ग, कुत्तक मेल और कुत्तक बालों से मुक्त होगा।

(ख) कटींगा, कराया या कुल्लू जैसे जाने वाली व्यापारिक कतीरा गम कराया (किस्टल) की प्रत्येक श्रेणी के श्रेणी पत्र नाम तथा विशेषताएं

श्रेणी या पदनाम	रंग विशेषताएं			
गमी की फसल	सदी/मानसून की फसल	भार द्वारा बाह्य पदार्थ (प्रतिशत-अधिकतम)	सामान्य विशेषताएं	
1	2	3	4	5
सं. 1 हाथ चुनिन्दा भण्डारकरण की अवधि पर निर्भर हल्का/तथा चुनी हुई श्रेणी कल्पार् से सफेद (हा. चु. च. श्रेणी)	भण्डारकरण की अवधि पर निर्भर हल्का भूरा	1.0	कतीरा (गम कराया) किस्टल (1) गम का विविष्ट रंग लिए हुए प्राप्त और भण्डारित किया जाएगा।	
सं. 2 हल्का सलेटी तथा पीले रंग के साथ सफेद	हल्का सफेद	1.5	(2) स्टेरकुलिया यूरैस पीछे के रस से प्राप्त किया जाएगा।	
सं. 3 हल्के कल्पार् और भूरें से हल्का पीला	हल्का सफेद से भूरा से केसरी	3.0	(3) भली प्रकार सुखाया हुआ होगा, आकार तथा परिमाण में एक रूप होगा।	
सं. 4 हल्के कासे रंग के साथ भूरा तथा गाढ़ा भूरा हल्के पीले से गाढ़ा भूरा		5.0	(4) कुत्तक उत्सर्ग, कुत्तक मेल तथा बालों, फकूरी, कीट उत्पीडन से मुक्त होगा।	

1	2	3	4	5
सं. 5	गाढ़े भूरे से काला	हल्के भूरे से काला	8.0	(5) घुननशीलता को विशयता से युक्त होना।
सं. 6	काला तथा मिश्रित	काला तथा मिश्रित	10.0	

परिभाषाएं: बाहरी पदार्थ में: कर्तारा (गम कराया) से भिन्न कोई छाल, पत्ते, बूल गंदगी, पत्थर के टुकड़े तथा अन्य कोई कार्बनिक तथा अकार्बनिक पदार्थ सम्मिलित होंगे।

[फाईल सं. 6(9)/77 - ई आई एंड ईपी]

एन. एस. इन्सिडरन, निवेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

### ORDER

New Delhi, the 21st June, 1986

S.O. 2333.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Gum Karaya shall be subject to Quality Control and Inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule (2), the Central Government, in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation No. S.O. 3319, dated the 29th September, 1979, publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Order to the Export Inspection Council Pragati Tower, (11th Floor), 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

### PROPOSALS

(2) To specify the type of quality control and inspection control and inspection prior to export;

(2) To specify type of quality control and inspection in accordance with the draft export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1986 set out in Annexure-II to this Order as the type of inspection which would be applied to such gum karaya prior to export;

(3) To recognise the grades which are as per the Annexure-I to this Order;

### (4) To recognise —

(a) National and International Standards and Standards of other bodies recognised by the Export Inspection Council;

(b) Contractual specifications subject to the products, specifying the minimum of the characteristics specified in Annexure-I to this Order;

(5) To prohibit the export in the course of international trade of any such gum karaya unless the same is accompanied by a certificate issued by one of the agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that such gum karaya satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

3. Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of samples of gum karaya to prospective buyers, provided that no such sample is in excess of two kilograms in weight.

4. In this Order "Gum Karaya" shall mean the gum obtained from the plant *Sterculia Urens* and meant for Food and Pharmaceutical use.

### ANNEXURE-I

#### A. SPECIFICATIONS FOR GUM KARAYA

1. The gum shall be obtained from the plant *Sterculia Urens* and it shall conform to the following grade standards:

#### Grade

Bark and foreign organic matter (BFOM)  
Lump/Siftings

(i) No. 1 Hand picked and selected grade (HPS-Grade)	1.0% Max.
(ii) No. 2	1.5% Max.
(iii) No. 3	3.0% Max.
(iv) No. 4	5.0% Max.
(v) No. 5	8.0% Max.
(vi) No. 6	10.0% Max.

2. The size of the gum shall be as agreed to between the buyer and the seller as laid down in the export contract.

3. The gum shall be free from rodent excreta, rodent filth and rodent hair.

#### B. GRADE DESIGNATION AND CHARACTERISTICS OF EACH GRADE OF GUM KARAYA (CRYSTALS) COMMERCIALY KNOWN AS KATILA, KARAYA OR KULLO

Grade	Colour Characteristics		Foreign matter per cent by wt. (Max.)	General characteristics
	Summer Crop	Winter/Monsoon Crop		
No. 1 (Hand picked and selected grade (HPS Grade))	White to slight tan depending on the period of storage	Slight tan depending on the period of storage	1.0	Gum Karaya Crystals shall— (1) be obtained and stored having the characteristic colour of gum;
No. 2	White with slight grey and yellow cast	Dull white	1.5	(2) be derived from the exudes of the plant <i>Sterculia urens</i> ;
No. 3	Pale yellow to light tan and brown	Dull white to greyish to amber	3.0	(3) be reasonably dried, uniform in shape and size;

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
No. 4	Brown and dark brown with slight black cast	Dull yellow to brown dark	5.0	(4) be free from rodent excreta, rodent filth and hair, fungal attack, insect infestation;
No. 5	Dark brown to black	Dull brown to black	8.0	(5) have characteristic solubility
No. 6	Black and mixed	Black and mixed	10.0	

Definition : Foreign matter — Shall include bark, leaves, dust, dirt, stone pieces or any other organic and inorganic matter other than gum karaya.

## ANNEXURE-II

(Draft rules proposed to be made, in supersession of the Export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1979 under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963).

1. Short title and commencement :—These rules may be called the Export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1986 ;

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires —

- "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- "Agency" means any one of the agencies, established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;
- "Gum Karaya" means the gum obtained from the Plant *Sterculia Urens*.

3. Basis of Inspection :—The quality control and inspection of gum karaya shall be carried out with a view to seeing that the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act and specified in the Schedule annexed to this order.

4. Procedure of inspection :— (1) An exporter intending to export gum karaya shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and alongwith such intimation a declaration that the consignment of gum karaya has been prepared in accordance with rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) Where the exporter desires that the inspection of the consignment of gum karaya to be exported may be conducted —

- by the agency at Bombay, he shall submit the intimation under sub-rule (1) not less than three days prior to shipment ;
- by the agency at Calcutta, Cochin, Delhi or Madras, he shall submit the intimation under sub-rule (1) not less than seven days prior to shipment.

(3) (i) On receipt of the intimation referred to in sub-rule (2) the agency shall inspect the consignment of gum karaya as per instructions issued by the Export Inspection Council, in this behalf, from time to time with a view to satisfying itself that the consignment has been graded and packed in accordance with rule 3.

(ii) The exporter shall provide all necessary facilities to the agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If after inspection, the agency is satisfied that the consignment of gum karaya to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, the agency shall issue a certificate declaring the consignment as exportworthy—

- within three days of the receipt of intimation in case of inspection conducted by the agency at Bombay, and
- within seven days of the receipt of intimation in case of inspection conducted by the agency at Calcutta, Cochin, Delhi or Madras ;

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of three days or seven days, as the

case may be, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons thereof.

(5) Subsequent to certification, the agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place of storage, in transit, or at the ports before its actual shipment.

(6) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

### 5. Packing and Making :

5.1 Packing :—The gum karaya shall be packed in double gunny bags. Whilst the inner bag shall be clean and sound, the outer bag shall be completely new.

5.2 Marking :—The outer bags shall be marked with the following informations :—

- gum karaya meant for food and pharmaceutical use;
- grade of the gum karaya; and
- shipping marks.

6. Place of inspection :—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided adequate facilities exist therein for inspection.

(2) In addition to the inspection at the exporter's premises, the agency may also inspect the consignments at the time of shipment in godown or at the wharf.

7. Inspection fee :—Subject to a minimum of Rs. 50/- for each consignment, a fee at the rate of 0.5 per cent of FOB value shall be paid as inspection fee under these rules.

8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The Panel shall consist of at least two-third of non-officials of the total membership of the Panel of Experts.

(3) The quorum for the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

## THE SCHEDULE

### A. SPECIFICATION FOR GUM KARAYA

1. The gum shall be obtained from the plant *Sterculia urens* and it shall conform to the following grade standards :—

Bank and foreign organic matter (B/FOM)  
Lump/Siftings

(i)	No.1	1.0% Max
	Hand picked and selected grade (HPS-Grade)	
(ii)	No.2	1.5% Max
(iii)	No.3	3.0% Max
(iv)	No.4	5.0% Max
(v)	No.5	8.0% Max
(vi)	No.6	10.0% Max



2. The size of the gum shall be as agreed to between the buyer and the seller as laid down in the export contract.

4. The gum shall be free from rodent excreta, rodent filth and rodent hair.

B. Grade designation and characteristics of each grade of gum karaya (Crystals) Commercially known as Katila, Karaya or Kullo				
Grade Designation	Colour characteristics		Foreign matter present by wt. (Max.)	General characteristics
	Summer crop	Winter/Monsoon crop		
No. 1	White to slight tan depending on the period of storage	Slight tan depending on the period of storage	1.0	Gum Karaya crystals shall— (1) be obtained and stored having the characteristic colour of gum;
No. 2	White with slight grey and yellow cast	Dull white	1.5	(2) be derived from the exudes of the plant <i>Sterculia urens</i> ;
No. 3	Pale yellow to light tan and brown	Dull white to greyish to amber	3.0	(3) be reasonably dried, uniform in shape and size;
No. 4	Brown and dark brown with slight black cast	Dull yellow to brown dark	5.0	(4) be free from rodent excreta, rodent filth and hair, fungal attack, insect infestation;
No. 5	Dark brown to black	Dull brown to black	8.0	(5) have characteristic solubility.
No. 6	Black and mixed	Black and mixed	10.0	
Definition: Foreign matter— Shall include dark, leaves, dust, dirt, stone pieces of any other organic and inorganic matter other than gum karaya.				

[F. No. 6(9) (77)—EI&EP]  
N.S. HARIHARAN, Director

(मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 6 जून, 1986

आदेश

का.जा. 2334:— श्री अलोक जोहरी, 6 फुंग खुओ खूओ हो की मिन सिटी, वियतनाम को एक टोयोटा कोरोना सीडन 1300 सी सी मॉडल के ई-70-4 डीजल टाइप बरबाजे, वातानुकूलित कैब्रेट चैसिस सं. के ई-70-6042112 इंजिन सं. 4 के-1200584 सहित मॉडल 1981 के आयात के लिए 34,600/-रु का सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3054050 दिनांक 21-5-86 दिया गया था। आवेदक ने उपर्युक्त सीमा शुल्क निकासी परमिट की अनुमिति प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है। धार्मिक मूल भी बताया गया है कि मूल परमिट किसी भी सीमा शुल्क अधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था और जिसके कारण सीमा शुल्क निकासी परमिट के मूल्य को बिल्टुल भी उपयोग में नहीं लाया गया था।

2. तदनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि 34,600/-रु. का सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3054050, दिनांक 21-5-86 आवेदक से खो गया है। यथासंशोधित आयात (निर्यात) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उप-खंड 9(सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए श्री अलोक जोहरी को जारी किया गया मूल मूल्य 34,600/-रु. के उस सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3054050 दिनांक 21-5-86 को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. खोए हुए सीमा शुल्क निकासी परमिट के स्थान पर पार्टी का लाइसेंस की एक अनुमिति प्रति भ्रम से जारी की जा रही है।

[का. सं. जी ए-20/86-87/वी एल एस/615]

एन. एस. कृष्णमूर्ति, उप मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात  
द्वारे मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 6th June, 1986

ORDER

S.O. 2334.—Mr. Alok Johri, 6, Phung Khao Khoo Ho Chi Minh City, Vietnam was granted a CCP No. P/J/3054050 dated 21-5-86 for Rs. 34,600 for import of one Toyota Corolla Sedan 1300 cc Model KE70 4 doors Deluxe Type with Air-conditioner Cassette Chassis No. KP70-6042112 Engine No. 4K-1200584 Model 1981. The applicant has applied for issue of duplicate copy of the above mentioned Customs Clearance Permit on the ground that the original CCP has not been received by him. It has further been stated that the original was not registered with any Custom Authority and as such the value of the CCP has not been utilised at all.

2. I am accordingly satisfied that the CCP No. P/J/3054050 dt. 21-5-86 for Rs. 34,600 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said CCP No. P/J/3054050 dated 21-5-86 for Rs. 34,600 only issued to Mr. Alok Johri is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the licence in lieu of the lost CCP is being issued to the party separately.

[F. No. GA-20/86-87/BLS/615]  
N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller  
of Imports & Exports

संयुक्त मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1986

निर्यात आदेश

का.जा. 2335. —सर्व श्री राष्ट्रीय इंटरप्राइजिज, 1084 कृष्णा नदबान चौदनी बोक रेहली को अधिम लाइसेंस पी/जे/3025453 दिनांक 24-4-84 को (1) पी वी सी नंबर 54"20222 मीटर 4.20,000/-रु. (2)

सिल्क 44" 12027 मीटर 1,00,800/-रु. (3) जिप 15", 14", 13" के 4,00,000 टुकड़ों (4) जिप 18" (5) रिंग्स (6) बटनस (8) स्टॉप बटनस सब सं. 3 से 7 तक 53, 300/-रु. के लिये जारी किया गया था।

आवेदक फॉर्म के इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत्र, आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका। 85—88 के पैरा 85 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दिनांक 24-4-84 बास्ते रु. 5,74,100/-रु. का अप्रैल-माज 85 की अवधि के लिये जारी किया हुआ लाइसेंस की कस्टम कापी वेहूली कस्टम प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराने एवं 381140/-रु. तक 8846 मीटर पी बी सी लैवर क्लॉथ उपयोग आयात करने के पश्चात् कहीं खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है।

डुप्लीकेट कस्टम कापी बकाया राशि 192960/-रु. को पूरा करने के लिए अर्पणित है।

मैं सन्तुष्ट हूँ कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल कस्टम कापी खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 वि. 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा में प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दि. 24-4-84 को 5,74,100/-रु. की मूल कस्टम प्रयोजन कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूँ।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य विधि-पुस्तिका 1985-88 के पैरा 85-88 के अनुसार उक्त लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दि. 24-4-84 की कस्टम प्रयोजन कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[फा. सं. एडीसी/लाइसेंस/यूडीईएम/486/एएम 84/एएलएम I/सीएलए/3686]

डा. आर. के. धवन,  
उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS  
(Central Licensing Area)

New Delhi, the 24th March, 1986

### CANCELLATION ORDER

S.O. 2335.—M/s. Ashish Enterprises, 1064 Kucha Natwan Chandni Chowk Delhi were granted advance licence No. P/K/302545 3dt. 24-4-84 for import of (1) PVC Leather 54"11 20222 Metres Rs. 4,20,000/- (2) Silk 44" 12027 Metres Rs. 1,00,800/- (3) Zip 15", 14", 13", 4,00,000 pcs. (4) Zip 18" (5) Rings (6) Buttons (8) Stop Buttons. Item Nos. 3 to 7 upto Rs. 53,300/-.

The applicant has filed an affidavit as required under para 85 of Hand Book of Import Export Procedure 1985-88 where-in they have stated that the Custom copy of the licence No. P/K/3025453 dt. 24-4-84 for Rs. 5,74,100/- issued for the period AM. 85 has been lost/misplaced having been Regd. with Delhi Custom authority and having been utilised upto Rs. 3,81,140/- for import of 8846 metres PVC leather cloth.

The duplicate Custom copy is required to cover the balance value of Rs. 1,92,960/-.

I am satisfied that Customs copy has been lost/misplaced.

In exercise of the Powers conferred on me under subject clause 9(cc) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-55 as amended upto date, the said Custom Control copy of licence No. P/K/3025453 dt. 24-4-84 for Rs. 5,74,100/- is hereby cancelled.

The applicant case will now be considered for issue of duplicate Custom copy of advance licence No. P/K/3025453 dated 24-4-84 for Rs. 1,92,960/- in accordance with 85-88 of Hand Book of Import & Export & Export Procedure, 1985-88.

[No. Adv./Lie/UDS/486/AM.84/ALST/CLA-3686]

For Chief Controller of Imports & Exports.  
DR. R. K. DHAWAN, Dy Chief Controller of Imports & Exports

### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जून 1986

क्र.मा. 2336—यह: केन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि: लोकहित में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरबराह के लिये नामरूप, जिला डिब्रूगढ़, असम में हिन्दुस्तान बरक निगम के नामरूप III एक्सपैन्शन योजना के लिये आयल इन्डिया एल. पि. जि. प्लाट दुलियाजान से आसाम गैस कंपनी लिमिटेड दुलियाजान तक पाईप लाईन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यह: यही प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा के अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज माईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा 1 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग को अधिकार अर्जित करने का अपना अग्रय एतद्वारा घोषित किया है।

यहाँ कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के मोचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप रखता अधिकारी, उपायुक्त डिब्रूगढ़ आसाम की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विशिष्ट व्यवसायी की मार्फत।

## प्रमुख सूचना

आयल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान एल. पि. जि. प्लाट से असम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान कम्प्रेसर स्टेशन तक गैस पाईप लाइन बिछाना।

राज्य—अ.साम		जिला—डिब्रुगढ़		तालिका खरेदीया		
क्रम सं.	गांव	पट्टा नं.	भाग नं.	एरिया बि. के. लॉ.	मन्तव्य	
1. सरूपथार बंगाली		1 नं. चाय मियादी	30	—	—	11
		" " "	31	—	—	6
		" " "	32	2	2	13
		" " "	39	—	—	7
		" " "	44	1	2	18
कुल क्षेत्रफल—			4	1	15	
2. 2 नं. चलाकतकी		सरकार	98	—	—	15
		"	29	—	—	8
		"	105	3	3	3
कुल क्षेत्रफल			3	4	16	

[प्रो 12012/97/86 प्रो एन जी डी-4]  
के सी कटोच, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2336. Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the Public interest that for supply of natural gas for expansion Project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Limited, Namrup, District Dibrugarh, Assam, pipeline should be laid from Oil India Limited L.P.G. Plant Duliajan to Assam Gas Company Limited, Duliajan, by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the competent Authority Viz. Deputy Commissioner, Dibrugarh District, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Laying of Gas Pipe line from LPG Plant Oil India Ltd. Duliajan to Compressor Station of M/s Assam Gas Company Ltd. Duliajan.

State : Assam

District : Dibrugarh

Mouza : Kheromia

Sl. No.	Gaon	Patta No.	Dag No.	Area			Remarks
				B	K	L	
1. Saru-Pother Bangali		Tea-Periodical No. 1	30	0	0	11	
		Tea-Periodical No. 1	31	0	0	6	
		—do—	32	2	2	13	
		—do—	39	0	0	7	
		—do—	44	1	2	18	
Total Area			—	4	1	15	
2. 2 No. Chola-kotaky		Wasteland	98	0	0	15	
		Wasteland	29	0	0	18	
		Wasteland	105	3	3	3	
Total Area			—	3	4	16	

[No. O-12012/97/86-ONG. D-4]  
K.C. KATOCH, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 जून, 1986

का. धा. 2337.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी सार्वजनिक भूमि के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित, 45 सुभाष नगर सांभर रोड, उज्जैन. (म.प्र.) 456-001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट,

ग्राम हुसैनपुर तहसील—राधोगढ़ जिला—गुना राज्य म. प्र.

#### अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर्स में)
1	2	3
1.	71	0.519
2.	75	0.259
3.	76	0.151
4.	77	0.290
5.	73	0.225
6.	74	0.013
कुल क्षेत्रफल का योग		1.457

[सं. ओ.-14016/554/86-जी. पी.]

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2337.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Husainpur tehsil : Roghogarh  
Distt. : Guna (M.P.)

#### SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	71	0.519
2.	75	0.259
3.	76	0.151
4.	77	0.290
5.	73	0.225
6.	74	0.013
Total Area		1.457

[No. O-14016/554/86-GP]

का. धा. 2338.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी सार्वजनिक भूमि के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित, 45 सुभाष नगर सांभर रोड, उज्जैन (म. प्र. 456001) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट,

ग्राम हुसैनपुर तहसील राधोगढ़ जिला—गुना राज्य म. प्र.

#### अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्रफल (हेक्टेर्स में)
1.	25	0.227
2.	26	0.010
3.	27	0.467
कुल क्षेत्रफल का योग		0.704

[सं. ओ.-14016/553/86-जी. पी.]

S. O. 2338.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBI Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### HBI GAS PIPELINE PROJECT

Village : Ahmedapur Tehsil : Raghogarh

Distt : Guna

#### SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	25	0.227
2.	26	0.010
3.	27	0.467
Total		0.704

[No. O-14016/553/86-GP]

का. भा. 2339:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी ज़रूरतों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् पाइप लाइन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित लि. 45 सुभाषनगर सांवर रोड, उज्जैन (म. प्र.) (456001) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम—गोपालपुर तहसील—राधोगढ़ जिला—गुना राज्य—म. प्र.

#### अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्रफल (हेक् टर में)
1.	22/1 क	0.888
2.	22/6	0.281
3.	24/1	0.010
क्षेत्रफल का योग —		1.179

[सं. ओ.-14 016/556/86-जी. पी.]

S. O. 2339.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBI Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### HBI GAS PIPELINE PROJECT

Village : Gopalpur Tehsil : Raghogarh

Distt. Guna (M.P.)

#### SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	22/1K	0.888
2.	22/6	0.281
3.	24/1	0.010
Total Area		1.179

[No. O-14016/556/86-GP]

का. भा. 2340:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. भा. सं. 226 तारीख 17-1-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग के अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

जंक्शन प्वाइंट (पी. 221) से एन. टी. पी. सी. अंता तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य—राजस्थान जिला—कोटा तहसील—मांगरोल सब-तहसील—अंता

गांव	खसरा नं.	हेक्टर	घर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
थामली	400	0	02	88
	401	0	03	12
	402	0	30	16
	403	0	31	36
	444	0	24	96
	445	0	26	24
	447	0	03	60
	453	0	21	76
	456	0	08	32
	457	0	07	36
	481	0	21	76
	480	0	07	68
	479	0	13	44
	478	0	12	48
	470	0	23	36
	471	0	25	44
	473	0	16	16
	407	0	01	20
	548	0	24	72
	549	0	07	20
	550	0	01	44
	552	0	02	72
	580	0	04	48
	551	0	27	52
	582	0	06	08
	626	0	14	16
	629	0	28	00
	627	0	02	88
	628	0	44	32
	651	0	37	76
	650	0	82	56

[स. जी.-14018/531/86 जी पी.]

एम. एस. श्रीनिवासन, निदेशक (एनजी)

S.O. 2340.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 226 dated 17-1-1986 under sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Junction Point (P221) to NTPC, Anta

State : Rajasthan District : Kota

Tehsil : Mongrol

Sub-Tehsil : Anta

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Thamli	400	0	02	88
	401	0	03	12
	402	0	30	16
	403	0	31	36
	444	0	24	96
	445	0	26	24
	447	0	03	60
	453	0	21	76
	456	0	08	32
	457	0	07	36
	481	0	21	76
	480	0	07	68
	479	0	13	44
	478	0	12	48
	470	0	23	36
	471	0	25	44
	473	0	16	16
	407	0	01	20
	548	0	24	72
	549	0	07	20
	550	0	01	44
	552	0	02	72
	580	0	04	48
	581	0	27	52
	582	0	06	08

1	2	3	4	5
Thamli	6'6	0	14	16
	6'9	0	78	00
	6'7	0	07	88
	6'8	0	44	3
	651	0	37	76
	650	0	8	56

[N. O-14016/531/86-GP]

M. S. SRINIVASAN, Director (NG)

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून, 1986

का.प्र. 2341.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (धर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के भूतत्त्व इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.प्र. 1675 तारीख 20 अप्रैल, 1985 द्वारा, उस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 1650.00 एकड़ (लगभग) या 667.72 हेक्टर (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 1650.00 एकड़ (लगभग) या 667.72 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का धर्जन करने के आशय की सूचना देती है;

टिप्पण 1: इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व/3/86 तारीख 7-1-1986 का निरीक्षण आयुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 के कार्यालय में ग्रथवा सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची, (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2: कोयला धारक क्षेत्र (धर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबन्ध हैं:—

“8. (1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितव्य कोई भी व्यक्ति अधिसूचना के जारी किए जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का धर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकता है।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अधीनगत किसी व्यक्ति की ओर से यह कहना आशय नहीं माना जायगा कि उस भूमि में कोयला उत्पादन के लिए वह स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं की जानी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आक्षेप सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में किया जायगा और सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को स्वयं मुने जाने का या बिधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसे सभी आक्षेपों को सुनने के पश्चात् और ऐसी प्रतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझे, या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आक्षेपों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्रवाई के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टों केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितव्य समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों को इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिया जाता है।”

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

धनुसूची

गिर्दी “क” उत्तरी विस्तार ब्लॉक दक्षिणी कण्ठपुरा कोयला क्षेत्र अर्जित की जाने वाली भूमि

सभी अधिकार

क्र. सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	रेलीगारा मांडू	34	हजारीबाग		310.00	(भाग)
2.	मिसरैन मोरहा	33	”	”	244.00	(भाग)
3.	कुरकुटा	35	”	”	690.00	(भाग)
4.	गिडी	36	”	”	50.00	(भाग)
5.	दारी	43	”	”	190.00	(भाग)
6.	गरसुला बड़कक गांव	157	”	”	166.00	(भाग)
कुल क्षेत्र:					1650.00 एकड़ (लगभग)	
					या 667.72 हेक्टर (लगभग)	

रेलीगारा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

1 से 154, 155 (भाग), 156 से 184, 185 (भाग), 186 (भाग), 193 (भाग), 194 से 197, 198 (भाग), 199 (भाग), 211 (भाग), 212 से 217, 218 (भाग), 219 (भाग), 220 (भाग), 232 (भाग), 233 से 236, 237 (भाग), 257 (भाग), 258, 259 (भाग), 260, 261 (भाग), 264 (भाग), 268 (भाग), 269 (भाग), 270 से 273, 274 (भाग), 275 से 279, 280 (भाग), 281 से 318, 319 (भाग), 321 (भाग), 323 (भाग), 324 (भाग), 325 (भाग), 326 (भाग), 327 (भाग), 328, 329 (भाग), 330, 331, 332 (भाग), 333, 334, 335, 336 (भाग), 337, 338 (भाग), 341 (भाग), 347 (भाग), 348 (भाग), 356 (भाग), 358 (भाग), 376 (भाग), 400 (भाग), 401, 402 (भाग), 403 से 406, 407 (भाग), 408 (भाग), 409 से 417, 418 (भाग), 419 (भाग), 432 (भाग), 433 (भाग), 434 (भाग), 435, 439 (भाग), 437 (भाग), 438 (भाग), 439 (भाग), 440 (भाग), 442 (भाग), 467 (भाग), 468 (भाग), 469, 470, 471 (भाग), 479 (भाग), 481 (भाग), 482 (भाग), 483, 484 (भाग), 485 से 489, 490 (भाग), 516, 517, 519 और 520।

मिसरैन मोरहा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

41 (भाग), 51 (भाग), 52 (भाग), 910 (भाग), 914 (भाग), 915 (भाग), 918 (भाग), 919 (भाग), 920 (भाग), 954 (भाग), 960 (भाग), 961, 962 (भाग), 963 से 975, 976 (भाग), 977 (भाग), 978 (भाग), 979, 980, 981, 982, 983 (भाग), 984 (भाग), 985 से 1032, 1033 (भाग), 1034 से 1038, 1040, 1042, 1043 से 1052, 1056 (भाग), 1057 (भाग), 1058 से 1065, 1066 (भाग), 1069 (भाग), 1075 (भाग), 1078 (भाग), 1079, 1080, 1081 (भाग), 1082 (भाग), 1086 (भाग), 1087 (भाग), 1088

से 1120, 1121 (भाग), 1122 से 1186, 1187 (भाग), 1188 (भाग), 1189 से 1196, 1197 (भाग), 1198 (भाग), 1199 से 1209, 1210 (भाग), 1211 से 1217, 1218 (भाग), 1219 (भाग), 1220, 1222 (भाग), 1223 (भाग), 1224 (भाग), 1226 (भाग), 1229 (भाग), 1233 (भाग) और 1234 (भाग)।

कुरकुटा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. :—

43 (भाग), 45 (भाग), 46 (भाग), 47, 48 (भाग), 49 (भाग), 50 से 53, 54 (भाग), 55 से 68, 69 (भाग), 71 (भाग), 73 (भाग), 74 से 100, 101 (भाग), 106 (भाग), 107 (भाग), 108 (भाग), 109 (भाग), 110 (भाग), 111 (भाग), 112 से 566, 567 (भाग), 568, 569 (भाग), 570 (भाग), 571 (भाग), 573 (भाग), 576 (भाग), 577 से 595, 596 (भाग), 600 (भाग), 601, 602, 603 (भाग), 604, 605, 606 (भाग), 613 (भाग), 618 (भाग), 619, 622 (भाग), 630 (भाग), 631, 646 (भाग), 647 (भाग), 648 से 652, 653 (भाग), 654, 655 (भाग), 657 (भाग), 658 (भाग), 660 (भाग), 662 (भाग), 663 (भाग), 670 (भाग), 708 (भाग), 709 (भाग), 710 (भाग), 715 (भाग), 716 (भाग), 717 (भाग), 718 (भाग), 719 (भाग), 720 (भाग), 721, 722 (भाग), 728 (भाग), 729 (भाग), 730, 731 (भाग), 732 से 749, 753, 754, 755, 756 और 758।

गिडी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. :—

1 से 11, 13 से 50, 51 (भाग), 52 से 59, 651 (भाग), 652 (भाग), 653, 654, 655, 656 (भाग), 657 (भाग), 666 (भाग), 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 823 और 824।

दारी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. :—

145 (भाग), 956 (भाग), 962 (भाग), 963 (भाग), 964 से 970, 980 (भाग), 981 (भाग), 982 (भाग), 1000 (भाग), 1001 से 1010, 1011 (भाग), 1025, 1026, 1027 (भाग), 1028 से 1030, 1031 (भाग), 1032, 1033 (भाग), 1034 से 1049, 1050 (भाग), 1051 से 1060, 1061 (भाग), 1062 (भाग), 1063 (भाग), 1100 (भाग), 1101 (भाग), 1102 (भाग), 1103 (भाग), 1104 (भाग), 1122 (भाग), 1123 (भाग), 1124, 1125, 1126, 1127 (भाग), 1129 (भाग), 1130 से 1186, 1187 (भाग), 1190 (भाग), 1191 से 1343, 1344 (भाग), 1345, 1346, 1347, 1348 (भाग), और 1350 (भाग)।

गरसूला ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. :—

195 (भाग), 229 (भाग), 1346 (भाग), 1347 (भाग), 1391, 1392 (भाग), 1393 (भाग), 1394 (भाग), 1396 से 1412, 1413 (भाग), 1415 (भाग), 1416 (भाग), 1417, 1418 (भाग), 1419 (भाग), 1422 (भाग), 1423 (भाग), 1466 (भाग), 1467 (भाग), 1468, 1469 (भाग), 1470 (भाग), 1475 (भाग), 1476 (भाग), 1527 (भाग), 1541, 1542 (भाग), 1543 से 1710, 1711 (भाग), 1712 (भाग), 1713 (भाग), 1714 से 1724, 1726 (भाग), 1727, 1728 (भाग), 1729 (भाग), 1733 (भाग), 1734 से 1740, 1741 (भाग), 1742 (भाग), 1791 (भाग), 1894 (भाग), 1897, 1898 (भाग), 1902 (भाग), 1903, 1904 (भाग), 1908 (भाग), 1909 (भाग), 1910 (भाग), 1911 (भाग), 1913 (भाग), 1914, 1915 (भाग), 1916 से 1968, 1970 (भाग), 1972 (भाग), 1973 (भाग), 1974 (भाग), 1975 (भाग), 1983 (भाग), 1984 (भाग), 1985 (भाग), 1986 (भाग), 1987 (भाग), 1988 से 2002, 2003 (भाग), 2004, 2005 (भाग), 2006 (भाग), 2007 (भाग), 2008 (भाग), 2010 (भाग), 2011 (भाग), 2013 (भाग), 2014, 2015, 2016 (भाग), 2017 से 2346, 2347 (भाग), 2348 (भाग), 2349 (भाग), 2350 (भाग), 2351 (भाग), 2352 (भाग), 2353 (भाग), 2727, 2730, और 2734।

सीमा वर्णन :—

क—ख रेखा, गरसूला ग्राम में प्लॉट सं. 1346, 1347, 2351, 1394, 1393, 1392, 2351, 2352, 2353, 1894, 2350, 2349, 2348, और 2347 से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग रेखा, कुरकुटा ग्राम में प्लॉट सं. 622, 618, 613, 596, 600, 603, 606, 578, 573, 571, 570, 569, 567, 709, 708, 670, 710, 716, 717, 715, 718, 663, 662, 660, 658, 657, 653, 655, 646, 647 और 646 से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—घ रेखा, कुरकुटा ग्राम से रामोवर नदी के बाएं किनारे के भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ—ङ रेखा, कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित गिडी रेल साइडिंग सीमा के साथ साथ कुरकुटा ग्राम में प्लॉट सं. 630, 719, 720, 722, 731, 729, और 728 से होकर जाती है फिर प्लॉट सं. 658, 522, 523, 524 और 634 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लॉट सं. 51 से होकर जाती है जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित गिडी "क" की सम्मिलित सीमा बनाती है फिर प्लॉट सं. 673, 987, 619, 686, 684, 685 की उत्तरी सीमा से, फिर गिडी ग्राम में प्लॉट सं. 52, 651, 652, 656, 657 और 666 से होकर जाती है (जो रेल साइडिंग के लिए भूमि धर्जन अधिनियम के अधीन अर्जित क्षेत्र के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ—च रेखा, रेलीगारा ग्राम में प्लॉट सं. 324, 329, 324, 419, 418, 432, 433, 434, 436, 442, 437, 438, 439, 440, 376, 467, 468, 471, 484, 479, 481, 482 और 490 से होकर जाती है, फिर दारी ग्राम में प्लॉट सं. 1350, 1348, और 1350 से होकर जाती है (जो दारी "च" के लिए और गिडी "ग" कोलियरी की पूर्ति के लिए अर्जित रेल साइडिंग के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र से मिलकर सम्मिलित सीमा बनाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च—ज रेखा, दारी ग्राम में प्लॉट सं. 1350, 1344 और 956 से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित नडियाटोली ब्लॉक की सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—झ रेखा, दारी ग्राम में प्लॉट सं. 956, 963, 962, 980, 981, 982, 1000 से होकर, प्लॉट सं. 1001, 1009, 1010 की पूर्वी सीमा से जाती है, फिर प्लॉट सं. 1011, 1033, 1031, 1027, 1063, 1062, 1061 और 1050 से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ—ट रेखा, सड़क की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर दारी ग्राम में प्लॉट सं. 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1129 से होकर, प्लॉट सं. 128 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं. 1127, 1122, 1123, 1187, 1190 और 145 से होकर जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

ट रेखा, दारी और मिसरेनमोरहा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ और रेलीगारा और मिसरेनमोरहा की सीमा के भाग से जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।



ड-5-इ रेखा, रेलीगारा ग्राम में प्लॉट सं. 490, 375, 402, 400, 407, 408, 358, 356, 336, 338, 341, 332, 323, 327, 324, 325, 324, 325, 324, 321, 319, 347, 269, 348, 268, 264, 274, 259, 261, 218, 211, 198, 199, 198, 183, 186 और 185 में होकर जाती है, मिसरेनमोरहा ग्राम में प्लॉट सं. 1187, 1188, 1198, 1222, 1223, 1210, 1223, 1229, 1233, 1234, 1210, 910, 915, 914, 918, 919, 920, 984, 983, 978, 977, 976, से होकर, प्लॉट सं. 955, 1010, 1006 की पूर्वी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "इ" पर मिलती है।

ड-क रेखा, मिसरेनमोरहा ग्राम में प्लॉट सं. 954, 962, 960, 1033, 1057, से होकर प्लॉट सं. 1040 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं. 1041 की दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 1042 से होकर, प्लॉट सं. 1050, 1051, 1052 की उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लॉट सं. 1066, 1069, 1121, 1078, 1075, 1082, 1081, 1086 1066 और 1087 से होकर जाती है, फिर कुरकुटा ग्राम में प्लॉट सं. 73, 69, 71, 54, 49, 48, 46, 45, 43, 101, 111, 106, 107, 108, 109 और 110 से होकर, फिर गरसूला ग्राम में प्लॉट सं. 229, 1913, 1911, 1910, 1909, 1908 1915, 240, 1904, 1902, 1898, 1894, 1970, 1972, 1975, 1974, 1973, 1987, 1986, 1985, 1984 1983, 1791, 2003, 2005, 2006, 2007, 2008, 2016, 2010, 2011, 2013, 1742, 1741, 1713, 1712, 1542, 1476, 1475, 1470, 1469, 1467, 1466, 1413, 1415, 1419, 1418, 1422, 1423, 1422 और 1347 से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43019 /31 /84 सी ए.]  
समय सिंह, धवर सचिव,

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O.2341.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal) No. S.O. 1675 dated the 20th April, 1985, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1650.00 acres (approximately) or 667.72 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1650.00 acres (approximately) or 667.72 hectares (approximately) described in the scheduled appended hereto; 351GI/86—3

Note 1 :—The plan No. Rev/3/86 dated 7-1-86 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 or in the Office of the Central Coalfields Ltd. (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2:—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:—

"8.(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation:—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operation in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different report in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note 3 :—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE E  
GIDI 'A' NORTH EXTN. BLOCK  
SOUTH KARANPURA COALFIELDS

Lands to be acquired

All Rights

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1. Religara		Madhu	34	Hazaribagh	310.00	(Part)
2. Misrain Morha		"	33	"	244.00	(Part)
3. Kurkutta		"	35	"	690.00	(Part)
4. Gidi		"	36	"	50.00	(Part)
5. Dari		"	43	"	190.00	(Part)
6. Garsula		Barkagaon	157	"	166.00	(Part)

Total Area :—1650.00 acres (approx.)  
or 667.72 hectares (.,)

Plot numbers to be acquired in village Religara:—

1 to 154, 155 (Part), 156 to 184, 185 (Part), 186 (Part), 193 (Part), 194 to 197, 198 (Part), 199 (Part), 211 (Part), 212 to 217, 218 (Part), 219 (Part), 220 (Part), 232 (Part), 233 to 236, 237 (Part), 257 (Part), 258, 259 (Part), 260, 261 (Part), 264 (Part), 268 (Part), 269 (Part), 270 to 273, 274 (Part), 275 to 279, 280 (Part), 281 to 318, 319 (Part), 321 (Part), 323 (P), 324 (Part), 325 (Part), 326 (Part), 327 (Part), 328, 329 (Part), 330, 331, 332 (Part), 333, 334, 335, 336 (Part), 337, 338 (Part), 341 (Part), 347 (Part), 348 (Part), 356 (Part), 358 (Part), 376 (Part), 400 (Part), 401, 402 (Part), 403 to 406, 407 (Part), 408 (Part), 409 to 417, 418 (Part), 417 (Part), 432 (Part), 433 (Part), 434 (Part), 435, 436 (Part), 437 (Part), 438 (Part), 439 (Part), 440 (Part), 442 (Part), 467 (Part), 468 (Part), 469, 470, 471 (Part), 479 (Part), 481 (Part), 482 (Part), 483, 484 (Part), 485 to 489, 490 (Part), 516, 517, 519 and 520.

Plot numbers to be acquired in village Misrain Morha:

44 (Part), 51 (Part), 52 (Part), 910 (Part), 914 (Part), 915 (P), 918 (Part), 919 (Part), 920 (Part), 954 (Part), 960 (Part), 961, 962 (Part), 963 to 975, 976 (Part), 977 (Part), 978 (Part), 979, 980, 981, 982, 983 (Part), 984 (Part), 985 to 1032, 1033 (Part), 1034 to 1038, 1040, 1042, 1043 to 1052, 1056 (Part), 1057 (P), 1058 to 1065, 1066 (Part), 1069 (Part), 1075 (Part), 1078 (Part), 1079, 1080, 1081 (Part), 1082 (Part), 1086 (Part), 1087 (Part), 1088 to 1120, 1121 (Part), 1122 to 1186, 1187 (Part), 1188 (P), 1189 to 1196, 1197 (Part), 1198 (Part), 1199 to 1209, 1210 (P), 1211 to 1217, 1218 (Part), 1219 (Part), 1220, 1222 (Part), 1223 (Part), 1224 (Part), 1226 (Part), 1229 (Part), 1233 (Part) and 1234 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Kurkutta :—

43 (Parts), 45 (Part), 46 (Part), 47, 48 (Part), 49 (Part), 50 to 53, 54 (Part), 55 to 68, 69 (Part), 71 (Part), 73 (Part), 74 to 100, 101 (Part), 106 (Part), 107 (Part), 108 (Part), 109 (Part), 110 (Part), 111 (Part), 112 to 566, 567 (Part), 568, 569 (Part), 570 (Part), 571 (Part), 573 (Part), 576 (Part), 577 to 595, 596 (Part), 600 (Part), 601, 602, 603 (Part), 604, 605, 606 (Part), 613 (Part), 618 (Part), 619, 622 (Part), 630 (Part), 631, 646 (P), 647 (Part), 648 to 652, 653 (Part), 654, 655 (Part), 657 (Part), 658 (Part), 661 (Part), 662 (Part), 663 (Part), 679 (Part), 708 (P), 709 (Part), 710 (Part), 715 (Part), 716 (Part), 717 (Part), 718 (P), 719 (Part), 720 (Part), 721, 722 (Part), 728 (Part), 729 (Part), 730, 731 (Part), 732 to 749, 753, 754, 755, 756 and 758.

Plot numbers to be acquired in village Gidi:—

1 to 11, 13 to 50, 51 (Part), 52 to 59, 651 (Part), 652 (Part), 653, 654, 655, 656, (Part), 657 (Part), 666 (Part), 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 823 and 824.

Plot numbers to be acquired in village Dari :—

145 (Part), 956 (Part), 952 (Part), 963 (Part), 964 to 979, 980 (Part), 981 (Part), 982 (Part), 1000 (Part), 1001 to 1010, 1011 (Part), 1025, 1026, 1027 (Part), 1028 to 1030, 1031 (Part), 1032, 1033 (Part), 1034 to 1049, 1050 (Part), 1051 to 1060, 1061 (Part), 1062 (Part), 1063 (Part), 1100 (Part), 1101 (Part), 1102 (Part), 1103 (Part), 1104 (Part), 1122 (Part), 1123 (Part), 1124, 1125, 1126, 1127 (Part), 1129 (Part), 1130 to 1186, 1187 (Part), 1190 (Part), 1191 to 1343, 1344 (Part), 1345, 1346, 1347, 1348 (Part), and 1350 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Garsula:—

195 (Part), 229 (Part), 1346 (Part), 1347 (Part)

1391, 1392 (Part), 1393 (Part), 1394 (Part), 1396 to 1412, 1413 (Part), 1415 (Part), 1416, 1417, 1418 (Part), 1419 (Part), 1422 (Part), 1423 (Part), 1466 (Part), 1467 (Part), 1468, 1469 (Part), 1470 (Part), 1475 (Part), 1476 (Part), 1527 (Part), 1541, 1542 (Part), 1543 to 1710, 1711 (Part), 1712 (Part), 1713 (Part), 1714 to 1724, 1726 (Part), 1727, 1728 (Part), 1729 (Part), 1733 (Part), 1734 to 1740, 1741 (Part), 1742 (Part), 1791 (Part), 1894 (Part), 1897, 1898 (Part), 1902 (Part), 1903, 1904 (Part), 1908 (Part), 1909 (Part), 1910 (Part), 1911 (Part), 1913 (Part), 1914, 1915 (P), 1916 to 1968, 1970 (Part), 1972 (Part), 1973 (Part), 1974 (Part), 1975 (Part), 1983 (Part), 1984 (Part), 1985 (Part), 1986 (Part), 1987 (Part), 1988 to 2002, 2003 (Part), 2004, 2005 (Part), 2006 (Part), 2007 (Part), 2008 (Part), 2010 (Part), 2011 (Part), 2013 (Part), 2014, 2015, 2016 (Part), 2017 to 2346, 2347 (Part), 2348 (Part), 2349 (Part), 2350 (Part), 2351 (Part), 2352 (Part), 2358 (Part), 2727, 2730 and 2734.

**Boundary description :—**

- A-B** line passes through plot numbers :—1346, 1347, 2351, 1394, 1393, 1392, 2351, 2352, 2353, 1894, 2350, 2349, 2348 and 2347 in village Garsula and meet at point 'B'.
- B-B'C** lines pass through plot numbers :— 622, 618, 613, 596, 600, 603, 606, 576, 573, 571, 570, 569, 567, 709, 708, 670, 710, 716, 717, 715, 718, 663, 662, 660, 658, 657, 653, 655, 646, 647 and 646 in village Kurkutta and meets at point 'C'.
- C-D** line passes along part left bank of River Damodar in village Kurkutta and meets at point 'D'.
- D-E** line passes through plot numbers :— 630, 719, 720, 727, 731, 729, and 728 in village Kurkutta along Gidi Railway Siding boundary acquired U/s 9(1) of Coal Act then passes along the Northern boundary of plot numbers 658, 522, 523, 524 and 634 then through plot numbers 51 which form common boundary of Gidi 'A' acquired U/s 9(1) of Coal Act then northern boundary of plot numbers 673, 987, 619, 686, 684, 685, through plot numbers 52, 651, 652, 656, 657 and 666 in village Gidi (which forms common boundary with the area acquired under L.A. Act for Rly. Siding) and meets at point 'E'.
- E-F-G** lines pass through plot numbers:— 324, 329, 324, 419, 418, 432, 433, 434, 436, 442, 437, 439, 440, 376, 467, 468, 471, 484, 479, 481, 482 and 490 in village Religara,

then through plot numbers 1350, 1348 and 1350 in village Dari (which forms common boundary with the area acquired for Dari 'C' and for Railway siding to serve Gidi 'C' Colliery U/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'G'.

**G-H** line passes through plot numbers:—1350, 1344 and 956 in village Dari (which forms common boundary of Nandiatoli Block acquired U/s 7(1) of the Coal Act) and meets at point 'H'.

**H-I** line passes through plot numbers:—956, 963, 962, 980, 981, 982, 1000, eastern boundary of plot numbers 1001, 1009, 1010, through plot numbers 1011, 1033, 1031, 1027, 1063, 1062, 1061, and 1050 in village Dari and meets at point 'I'.

**I-J** line passes along northern boundary of Road then through plot numbers 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1129, along Southern boundary of plot number 1128, through plot numbers 1127, 1122, 1123, 1187, 1190 and 145 in village Dari and meets at point 'J'.

**J-K** line passes along part common boundary of villages Dari and Misrain Morha and part boundary of Religara and Misrain Morha and meets at point 'K'.

**K-L-M** lines pass through plot numbers:—490, 376, 402, 400, 407, 408, 358, 356, 338, 341, 332, 323, 327, 324, 326, 324, 325, 324, 321, 319, 347, 269, 348, 268, 264, 275, 259, 261, 257, 280, 237, 232, 155, 220, 219, 218, 211, 198, 199, 198, 193, 186 and 185 in village Religara, through plot numbers 1187, 1188, 1198, 1222, 1223, 1210, 1223, 1229, 1233, 1234, 1210, 910, 915, 914, 918, 919, 920, 984, 983, 978, 977, 976 along the eastern boundary of plot numbers 955, 1010, 1006, in village Misrain Morha and meets at point 'M'.

**M-A** line passes through plot numbers 954, 962, 960, 1033, 1057, along northern boundary of plot number 1040, Southern boundary of plot number 1041, Northern plot number 1042, along northern boundary of plot numbers 1050, 1051, 1052, through plot numbers 1066, 1069, 1121, 1078, 1075, 1082, 1081, 1086, 1066 and 1087 in village Misrain Morha, then through plot numbers— 73, 69, 71, 54, 49, 48, 46, 45, 43, 101, 111, 106, 107, 108, 109 and 110 in village Kurkutta, then through plot numbers 229, 1913, 1911, 1910, 1909

1908, 1915, 240, 1904, 1902, 1898, 1894,  
1970, 1972, 1975, 1974, 1973, 1987, 1986,  
1985, 1984, 1983, 1791, 2003, 2005, 2006,  
2007, 2008, 2016, 2010, 2011, 2013, 1742,  
1741, 1733, 1729, 1728, 1726, 1527, 1711,  
1713, 1712, 1542, 1476, 1475, 1470, 1469,

1467, 1466, 1413, 1415, 1419, 1418, 1422,  
1423, 1422 and 1347 in village Garsula and  
meets at starting point 'A'.

[No. 43019/31/84CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

### राष्ट्र और नागरिक प्रति मंत्रालय

(नागरिक प्रति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 20 मई, 1986

क्र० प्र० 2342.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) नियम एवं विनियम 1955 के नियम 14 के अधिनियम 4 के अंतर्गत अधिसूचित किया जाता है कि समय समय पर संशोधित की गई अनुसूची में जो लाईसेंसधारी हैं उनके लाईसेंस रद्द हो गये हैं प्रथम कायम 6 के अनुसार उनका नवीकरण स्थिति किया गया है।

#### अनुसूची

क्रम संख्या	लाईसेंस संख्या	लाईसेंसधारी का नाम और पता	आई एस संख्या	राजपत्रित अधिसूचना को एस प्रो. संख्या और तिथि, जिसमें लाईसेंस की मंजूरी छपी थी	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
<b>गतावधि लाईसेंस</b>					
1.	सीएम/एल-0005010 1958-01-20	ईस्ट इंडिया प्लाईवुड कं लिमिटेड, कोष बिहार झाकपर एवं जिला कुलु बिहार (पं बंगाल)	IS:10(भाग2)-1976	एस प्रो 13 दिनांक 1958-02-15	नवीकरण 1980-01-31 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
2.	सीएम/एल-0010003 1958-09-18	व सेंट्रल ट्रेडिंग कं प्रा० लि० कलकत्ता-700028	IS:10(भाग2) 1976	एस प्रो 2005 दिनांक 1958-10-04	1980-12-31 के बाद गतावधि है।
3.	सीएम/एल-0150019 1976-08-25	सेंट्रल इलेक्ट्रिसाईड्स एंड फिटिंग्स इंदौर (म. प्र.)	IS:1303-1974	एस प्रो 3338 दिनांक 1976-09-23	1981-08-31 के बाद गतावधि है।
4.	सीएम/एल-09190536 1969-01-29	कांसुल मशीनरी हावड़ा	IS:3565-1975	एस प्रो 720 दिनांक 1969-02-22	नवीकरण 1980-08-31 के बाद बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
5.]	सीएम/एल-0199352 1969-06-24	जम्मू रोजिन एंड टूरमेंटार्ज फैक्टरी झाकपर मोरमसाहिब जम्मूतबी (ज. और क)	IS:553-1969	एस प्रो 3018 दिनांक 1969-07-26	नवीकरण 1978-04-30 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
6.	सीएम/एल-0205321 1969-08-20	"	IS:533-1973	एस प्रो 3930 दिनांक 1969-09-27	नवीकरण 1978-04-30 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
7.	सीएम/एल-0259849 1971-03-17	उड्डोसा प्लास्टिक्स, झाकपर बालासोर उड्डोसा)	IS:3076-1968	एस प्रो 2405 दिनांक 1971-06-19	1981-07-31 को गतावधि
8.	सीएम/एल-0262535 1971-03-29	जे एण्ड बी सा मिल्स कोट्टायाम- 686016 (केरल)	IS:10(भाग3) 1974	एस प्रो 2405 दिनांक 1971-06-19	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
9.	सीएम/एल-0272740 1971-08-04	वेबोवयाल (सेल्स प्रा लिमिटेड बम्बई 400010	IS:562-1978	एस प्रो 5031 दिनांक 1971-11-06	नवीकरण 1981-06-15 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
10.	सीएम/एल-0276344 1971-09-13	जोयो स्टील इंडस्ट्रीज प्रा. लि. पूना प्रा लि. पूना	IS:1977-1975	एस प्रो 2404 दिनांक 1972-09-02	नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
11.	सीएम/एल-0277548 1971-02-17	रोनाल्ड इंजीनियर्स कलकत्ता	IS:3564-1975	एस प्रो 2405 दिनांक 1972-09-02	नवीकरण 1980-09-30 के बाद स्थिति हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।

1	2	3	4	5	6
12. सीएम/एल-0278954 1971-10-26	सेवपुर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स, कलकत्ता - 700001	IS:10(भाग 4) 1976	एस ओ 1625 दिनांक 1972-07-08	नवीकरण 1981-04-16 को स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाईसेंस गतावधि है।	
13. सीएम/एल-0299356 1972-03-28	विक्टरी मेटल वर्क्स कालीकट- 673004(केरल)	IS:10(भाग 4) 1976	एस ओ 887 दिनांक 1973-03-24	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि गतावधि है।	
14. सीएम/एल-0307026 1972-05-31	देवीदयाल (सेल्स) प्रा. लि. बम्बई- 400010	IS:561-1978	एस ओ 3308 दिनांक 1972-10-21	1981-06-15 के बाद गतावधि	
15. सीएम/एल-0319740 1972-10-27	मदारीहाट बीनियर इंडस्ट्रीज, काकबर मदारीहाट, जिला जलपाईगढ़ी (असम)	IS:10(भाग 2)-1976	एस ओ 846 दिनांक 1974-03-30	नवीकरण 1979-11-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
16. सीएम/एल-0331528 1973-03-31	एओ केमिकल्स (इंडिया) गटियाला- 147001(पंजाब)	IS:2576-1978	एस ओ 1798 दिनांक 1974-07-20	1981-07-15 के बाद गतावधि है	
17. सीएम/एल-0349951 1973-07-31	एसओ जनरलप्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि. कलकत्ता-700002	IS:2548-1967	एस ओ 1233 दिनांक 1975-04-19	1981-07-31 के बाद गतावधि है	
18. सीएम/एल-0352334 1973-08-23	इम्पीरियल स्टोर्स एंड एजेंसी कं. 24-परगना (पो.बी.)	IS:10(भाग 2)-1976	एस ओ 1388 दिनांक 1975-05-03	नवीकरण 1980-08-31 के बाद स्थगित हो गया और उसी तिथि से लाईसेंस गतावधि है।	
19. सीएम/एल-0352435 1973-08-23	देवीदयाल (सेल्स) प्रा. लि. बम्बई- 400010	IS:565-1975	एस ओ 1388 दिनांक 1975-05-03	1981-06-15 के बाद गतावधि	
20. सीएम/एल-0388153 1974-07-15	कर्नाटक केमिकल्स इंडस्ट्रीज कर्णो. बंगलोर-562140	IS:261-1966	एस ओ 459 दिनांक 1976-01-24	1981-07-15 के बाद गतावधि	
21. सीएम/एल-0412629 1975-01-10	देवीदयाल (सेल्स) प्रा. लि. बम्बई-400010	IS:7121-1973	एस ओ 2465 दिनांक 1976-07-10	1981-06-15 के बाद गतावधि	
22. सीएम/एल-0422430 1975-02-21	इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स बिस्नितूर, चिंगेलपुर जिला	IS:432 (भाग 2) 1966	एस ओ 2473 दिनांक 1976-07-10	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
23. सीएम/एल-0433233 1975-04-21	जेम सीमन्स एण्ड एलार्ड इंडस्ट्रीज प्रा. लि. कानपुर-202010 (उ.प्र.)	IS:2596-1964	एस ओ 3350 दिनांक 1976-10-09	1978-09-01 के गतावधि।	
24. सीएम/एल-0442436 1975-06-13	स्टील (इंडिया) प्रा. लि. औरंगाबाद-431001	IS:1785 (भाग 2) 1967	एस ओ 3073 दिनांक 1975-09-13	नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।	
25. सीएम/एल-0469052 1975-09-29	असम टिन मैनु कं. प्रा. लि. गोहाटी (असम)	IS:10(भाग 4)- 1976	एस ओ 832 दिनांक 1977-03-19	नवीकरण 1980-10-15 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाईसेंस गतावधि है।	
26. सीएम/एल-0472849 1975-10-15	महावीर स्टील रोलिंग मिल्स, बिल्ली-110032	IS:7452-1974	एस ओ 1148 दिनांक 1977-04-16	नवीकरण 1981-04-30 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाईसेंस गतावधि है।	
27. सीएम/एल-0477556 1975-10-31	कोसन मेटल प्राइवेट प्रा. लि. बम्बई- 400074	IS:3224-1971	एस ओ 1148 दिनांक 1977-04-16	1981-06-15 के बाद गतावधि	
28. सीएम/एल-0482650 1975-11-14	महगल सेनिटरी फिटिंग (प्रा.) लि. जालंधर-144102	IS:2612 1978	एस ओ 1147 दिनांक 1977-04-16	1981-06-30 को गतावधि	
29. सीएम/एल-0519849 1976-05-10	दीराला शूगर वर्क्स डिस्टिलरी, दीराला जिला मेरठ (उ.प्र.) दीराला	IS:4449-1976	एस ओ 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	
30. सीएम/एल-0519950 1976-05-10	"	IS:4100-1967	एस ओ 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	
31. सीएम/एल-0520026 1976-05-10	"	IS:4450-1967	एस ओ 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	

1	2	3	4	5	6
32	सीएम/एन-0520127 1976-05-10	डीराजल भूगर्भ बक्स लिमिटेड दीराजल जिला मरठ (उ.प्र.)/दीराजल	IS:3811-1976	एसओ 954 दिनांक 1979-03-17	1980-07-13 को गतावधि
33	सीएम/एन-0533439 1976-07-06	एथो प्लास्टिक इंडस्ट्रीज बम्बई- 400063	IS:3906(भाग 1)- 1974	एस ओ 1226 दिनांक 1979-04-14	नवीकरण 1980-07-13 को लाइसेंस स्थगित हो गया था अब उसी तिथि से गतावधि है।
34	सीएम/एन-0540133 1976-08-03	ओरियंट स्टील एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जिला—हुगली (पं. ब.)	IS:1977-1975	एस ओ 3648 दिनांक 1979-10-20	1981-07-31 के बाद गतावधि है
35	सीएम/एन-0567557 1976-11-30	दिल्ली स्टील रोलिंग मिल्स दिल्ली- 110032	IS:226-1975	एस ओ 3761 दिनांक 1978-11-17	नवीकरण 1980-11-30 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से गतावधि है।
36	सीएम/एन-0567658 1976-11-30	"	IS:1977-1975	एस ओ 3761 दिनांक 1979-11-17	नवीकरण 1980-11-30 के बाद स्थगित हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
37	सीएम/एन-0577257 1977-01-07	हिंदू रबर बक्स कलकत्ता-700015 (पश्चिम) बंगाल	IS:2415-1969	एस ओ 420 दिनांक 1982-02-23	नवीकरण 1981-01-15 के बाद लाइसेंस स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से गतावधि है।
38	सीएम/एन-0592960 1977-02-28	एम एम पी प्राइवेट लिमिटेड बम्बई-400060	IS:1307-1973	एस ओ 731 दिनांक 1980-03-22	1980-12-15 को गतावधि
39	सीएम/एन-0598164 1977-03-22	कलकत्ता लेमिनेटर्स बंगाल-711308 (व. पू. रेजर्वे) हाकबर आकासी जिला हावड़ा (पश्चिमी बंगाल)	IS:7406-1974	एस ओ 787 दिनांक 1980-03-29	नवीकरण 1980-04-15 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
40	सीएम/एन-0615643 1977-06-10	दिल्ली ब्रान एंड मेटल बक्स नई दिल्ली 110005	IS:1660(भाग 1) 1967	एस ओ 284 दिनांक 1981-02-24	नवीकरण 1980-12-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
41	सीएम/एन-0617647 1977-06-16	र साइंटिफिक इन्फिनिटिवल्स कं. (बो. द साइंटिफिक फिटिनिंग कं. प्रा. लि. तिरुचिरापल्ली 620007	IS:361-1978	एस ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-06-15 को गतावधि
42	सीएम/एन-0631540 1977-07-30	गोपाल लुण्ठ इंडस्ट्रीज कोयम्बटूर-641009	IS:325-1978	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-15 से गतावधि है
43	सीएम/एन-0637148 1977-08-24	मेटल मोल्डिंग कं. बम्बई-400078	IS:1660(भाग 1) —1967 IS:1660(भाग 2) 1972	एस ओ 755 दिनांक 1981-03-07	नवीकरण 1979-08-15 के बाद स्थगित और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
44	सीएम/एन-0661852 1977-12-30	यूनिवर्सल पैट्रो-केमिकल्स लिमिटेड, यूनिट सं. 2, हावड़ा	IS:1115-1973	एस ओ 1222 1981-04-08	नवीकरण 1978-12-31 के बाद स्थगित और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
45	सीएम/एन-0662147 1977-12-30	एशियन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन कलकत्ता-700 068	IS:507-1970	एस ओ 1222 दिनांक 1981-04-08	नवीकरण 1980-12-31 के बाद स्थगित अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
46	सीएम/एन-0663452 1978-01-05		IS:1115-1975	एसओ 1615 दिनांक 1981-05-30	नवीकरण 1981-01-15 के बाद स्थगित हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
47	सीएम/एन-0664464 1978-01-06	विजयवती रिग ड्राइवर्स मैनु. क. प्रा. लिमिटेड कोयम्बटूर-641081	IS:3523-1974	एसओ 1615 दिनांक दिनांक 1981-05-30	नवीकरण 1981-01-15 के बाद स्थगित हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
48	सीएम/एन-0671552 1978-01-27	एम एम पी प्राइवेट लिमिटेड बम्बई-400 060	IS:632-1978	एसओ 1615 दिनांक 1981-05-30	1980-12-15 को गतावधि
49	सीएम/एन-0676360 1978-02-14	कनाटिक स्टेट को. प्रा. लि. कोयम्बटूर कोयम्बटूर लि. बंगलौर-560022 (कनाटक)	IS:2567-1978	एसओ 1681 दिनांक 1981-06-06	नवीकरण 1981-02-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
50.	सीएम/एल-0687365 1978-03-20	इन्दिरा इंजीनियरिंग इंटरप्रवाइज कोयम्बटूर-641009 (त.मा.)	IS : 325-1978	एस ओ 1864 1981-06-05	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वीकृत हो गया और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।
51	सीएम/एल-0690152 1978-03-27	किला ब्रास, मद्रास-600057	IS : 1786-1979	एस ओ 1664 1981-06-06	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वीकृत हो गया और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।
52.	सीएम/एल-0695970 1978-03-31	एस एम पी प्रा. लि. बम्बई-151001	IS : 5281-1969	एस ओ 1664 1981-06-06	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वीकृत हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
53.	सीएम/एल-0703438 1978-05-31	अणोका टिन वर्क्स, सटिडा-151001	IS : 916-1975	एस ओ 2003 1981-07-06	1981-06-15 को गतावधि है।
54.	सीएम/एल-0711740 1978-07-19	पिरामल धर्मनिक केमिकल (उर्वी इंवेस्टमेंट लि. का विभाग) बाना-400601 (महाराष्ट्र)	IS : 1488-1969	एस ओ 2176 1981-03-15	1981-07-31 को गतावधि है।
55.	सीएम/एल-0712641 1978-07-21	बाल पेंट माटे (रजि.) नई दिल्ली	IS : 419-1967	एस ओ 2176 1981-03-15	1981-04-15 को गतावधि है।
56	सीएम/एल-0721339 1978-09-13	ग्राइज इंस्ट्रुमेंट कार्पो. अमपुर-302001 (राज.)	IS : 220-1972	एस ओ 2215 दिनांक 1981-03-22	नवीकरण 1979-09-15 के बाद लाइसेंस स्वीकृत हो गया और उसी तिथि से गतावधि है।
57.	सीएम/एल-0723343 1978-09-21	सुप्रीम मेटल वर्क्स दिल्ली-110006	IS 1660(भाग 1) 1967 IS : 1660(भाग 2) 1972 IS : 1660(भाग 3) 1972 IS : 1660(भाग 4) 1977	एस ओ 2215 दिनांक 1981-03-22	नवीकरण 1980-09-15 के बाद स्वीकृत हो गया और उसी तिथि से स्वीकृत हो गया और उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
58.	सीएम/एल-0747559 1979-01-12	स्टीन केमिकल इंस्ट्रुमेंट ड्राफ्टर मध्यम ग्राम-743275 जिला 24 परगना (प.ब.)	IS : 565-1975	एस ओ 2277 दिनांक 1981-03-29	नवीकरण 1980-01-15 के बाद लाइसेंस स्वीकृत और अब उसी तिथि से गतावधि है।
59.	सीएम/एल-0753350 1979-02-09	साउदन एम्पेटीब्राइट्स एवं फिटिलाइजर्स, मद्रास-600098	IS : 565-1975	एस ओ 2310 दिनांक 1981-09-05	नवीकरण 1980-02-15 के बाद स्वीकृत हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
60.	सीएम/एल-0754132 1979-02-16	गिरुलाम गौरीशंकर जिला मंबान परगना (बिहार)	IS : 398 (भाग 1) 1976 IS : 398 (भाग 2) 1976	एस ओ 2310 1981-09-05	नवीकरण 1980-02-15 को स्वीकृत और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
61.	सीएम/एल-0755558 1979-02-24	इंटर फार्मस्युटिकल्स (इंडिया) प्रा. लि. पटना (बिहार)	IS : 1061-1975	एस ओ 2310 1981-09-05	नवीकरण 1981-02-28 को स्वीकृत और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
62.	सीएम/एल-0759364 1979-03-05	अज इंस्ट्रुमेंट मंडी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला)	IS : 1977-1975	एस ओ 2585 दिनांक 1981-10-03	नवीकरण 1981-06-15 को स्वीकृत और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
63.	सीएम/एल-0773358 1979-04-30	बंसल ब्रादर्स फरीदाबाद (हरियाणा)	IS : 3745-1975	एस ओ 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-30 को गतावधि है।
64.	सीएम/एल-0784262 1979-07-06	दोभाज स्टील रोलिंग मिल मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	IS : 19677-1975	एस ओ 3443, दिनांक 1981-12-26	1981-07-15 को गतावधि है।
65.	सीएम/एल-0790358 1979-08-03	एम्पेलगापेटेड केमिकल्स (प्रा.) लि. मद्रास-600067	IS : 501-1978	एस ओ 3116, दिनांक 1981-12-26	1981-03-15 के बाद गतावधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
66. सीएम/एल-0792261 1979-08-10	बंगलोर बायरो रोड मिल (ट्रामपोर्ट कार्पोरेशन आफ इंडिया) लि. की इकाई, बंगलोर-560048	IS : 8500-1977	एस ओ 3446, दिनांक 1981-12-26	1981-08-15 के बाद गतावधि	
67. सीएम/एल-0792663 1979-08-16	कर्नाटक एग्री केमिकल्स बंगलोर- 562140	IS 562-1978	एस ओ 3416, दिनांक 1981-12-26	1981-08-15 को गतावधि	
68. सीएम/एल-0794368 1979-08-22		IS : 632-1978	एस ओ 3447 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31 को गतावधि	
69. सीएम/एल-0806145 1979-10-16	कोट्स प्राक इंडिया लि. कलकत्ता-700027 (प. नं.)	IS : 2105-1975	एस ओ 1771 दिनांक 1982-05-15	नवीकरण 1980-10-21 को स्थगित और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।	
70. सीएम/एल-0807147 1979-10-17	शाहू डिन फेक्ट्री जामनगर (गुजरात)	IS : 916-1975	एस ओ 1771 दिनांक 1982-05-15	1980-10-31 को गतावधि है।	
71. सीएम/एल-0815045 1979-11-15	स्टेरियो केमिकल्स मद्रास-600043 (त. ना.)	IS : 8401-1975	एस ओ 1832 दिनांक 1982-05-22	नवीकरण 1980-11-30 को स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
72. सीएम/एल-0830647 1980-01-11	प्लाई फिलिमिज कं. एलिसा (केरल)-688001	IS : 10(भाग 3)-- 1974	एस ओ 3104, दिनांक 1983-09-04	नवीकरण 1981-01-15 को स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
73. सीएम/एल-0839766 1980-02-21	द माउन्ट इंडिया स्टील एण्ड स्टांच इन्स्टीट्यूट मालेश-636002	IS : 1977-1975	एस ओ 3445, दिनांक 1982-10-02	नवीकरण 1981-02-28 को स्थगित और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।	
74. सीएम/एल-084456 1980-02-29	मुंबा होजरी मिक्स लिमिटेड-638602 (त. ना.)	IS : 4964(भाग 2)- 1975	एस ओ 3445 दिनांक 1982-10-02	नवीकरण 1981-03-15 को स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
75. सीएम/एल-0853253 1980-03-31	कृष्णा स्टील इन्स्टीट्यूट लिमिटेड थाना	IS : 6915-1978	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15 के बाद गतावधि	
76. सीएम/एल-0857061 1980-03-31	धर्म उद्योग कं. लिमिटेड असम	IS : 1977-1975	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	नवीकरण 1981-04-15 को स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
77. सीएम/एल-0857465 1980-03-31	विश्वनेटल बकर्स प्रो. ओ. दत्तात्रयपुर भारतपुर (बिहार)	IS : 3211-1966	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15 को गतावधि है।	
78. सीएम/एल-0857566 1980-03-31		IS : 3411-1966	एस ओ 4552 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15 को गतावधि	
79. सीएम/एल-0858770 1980-03-31	होल्सेक इंडस्ट्रीज मद्रास-690097 (त. ना.)	IS : 8069-1976	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	नवीकरण 1981-04-15 को स्थगित और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
80. सीएम/एल-0858871 1980-03-31	द टूटिकोरिल मिक्स लि टूटिकोरिलक-628003 (त. ना.)	IS : 834-1975	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	नवीकरण 1981-04-15 को स्थगित और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
81. सीएम/एल-0870659 1980-06-04	मुरुद गायरन एंड स्टील वर्क्स लिमिटेड थाना जिला अरुणाचल	IS : 1786-1979	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-07-15 को गतावधि	
82. सीएम/एल-0874970 1980-06-12	वायमिन लिमिटेड तिरुपुर	IS : 4964 भाग 2) 3975	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	नवीकरण 1981-06-30 को स्थगित और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
83. सीएम/एल-0879778 1980-07-10	ओमला स्टील इन्स्टीट्यूट जमशेदपुर	IS : 1977-1975	एस ओ 4533, दिनांक 1983-12-17	1981-07-15 को गतावधि	
84. सीएम/एल-0883062 1980-07-21	विदर्भा गायरन एंड स्टील कार्पोरेशन लि. नागपुर	IS : 1786-1979	एस ओ 4453 दिनांक 1981-12-17	1981-07-31 को गतावधि	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
संयुक्त खाससेम				के बाद स्थगित	
85. सीएम/एल-0034118 1981-08-20	मैमूर इमेक्टीसाइड्स कं. (भारत) विजयवाड़ा-3 (आ.प्र.)	IS : 561-1978	एम ओ 3447 दिनांक 1961-10-14	1981-08-31	
86. सीएम/एल-0043723 1962-06-30	ब कलकत्ता केमिकल कं. लि. कलकत्ता-700002	IS : 1675-1971	एम ओ 1146 दिनांक 1962-07-11	1981-08-31	
87. सीएम/एल-0050318 1963-10-24	बी डी खेतान एंड कं. कलकत्ता	IS 10(भाग 4) 1976	एम ओ 484 दिनांक 1963-02-16	1981-08-31	
88. सीएम/एल-0063832 1964-02-26	विश्वेश्वर्या प्रायरेल एवं स्टील लिमिटेड भद्रावती (मैसूर)	IS : 1977-1973	एम ओ 943 दिनांक 1964-03-21	1981-07-15 1981-07-15	
89. सीएम/एल-0077439 1964-08-24	एंगलो ब्रायर्स लिमिटेड कलकत्ता-700002	IS : 16(भाग 1)- 1973 IS : (भाग 2)- 1973	एम ओ 3553 दिनांक 1964-10-10	1981-09-15	
90. सीएम/एल-0228127 1966-06-51	शमल स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज अलंदर गढ़ (पंजाब)	IS : 831-1979	एम ओ 2248 दिनांक 1966-07-30	1981-06-15	
91. सीएम/एल-0151728 1967-09-15	जालंधरी कर्टिलेजर्स प्रायरेल गोदबारा जिला (आ.प्र.)	IS 561-1978	एम ओ 3733 दिनांक 1967-10-21	1981-09-15	
92. सीएम/एल-0178415 1968-02-10	बिलाह रोनिंग मिल्स प्रा. लि. कलकत्ता-7000040	IS : 15278-1978	एम ओ 3958 दिनांक 1968-11-09	1981-09-15	
93. सीएम/एल-0201515 1969-07-09	बी के इंजीनियरिंग वर्क्स बम्बई	IS : 325-1978	एम ओ 3585 दिनांक 1969-09-06	1981-07-15	
94. सीएम/एल-0201616 1969-07-09	इंटरनेशनल इंड. बम्बई	IS : 4310-1978	एम ओ 3585 दिनांक 1969-09-06	1981-0-30	
95. सीएम/एल-0206929 1969-09-09	ए.वी.ओ. ब्रायर्स प्रा. लि. लिमिटेड, कलकत्ता	IS : 280-1978	एम ओ 4310 दिनांक 1969-10-25	1981-09-15	
96. सीएम/एल-0225933 1970-02-20	बैकमवाल एंड कं. कोचीन	IS : 10(भाग 3) 1974	एम ओ 1235 दिनांक 1970-04-04	1981-08-15	
97. सीएम/एल-0278752 1971-10-26	मेरीफूर इंडस्ट्रीज शाहग दिल्ली	IS : 1596-1977	एम ओ 1625 दिनांक 1972-07-08	1981-08-15	
98. सीएम/एल-0297352 1972-03-14	भद्रावाल स्टील इंड. बम्बई-400010	IS : 226-1975	एम ओ 887 दिनांक 1973-03-24	1981-07-15	
99. सी.एम/एल 0346036 1973-06-28	नरोत्तम उद्योग, देवमाली	IS : 10(भाग 2) 1976	एम ओ 1037 दिनांक 1975-04-05	1981-06-30	
100. सी.एम/एल 0363137 1973-12-13	देवीबयाल (नेल्स) प्रा. लि. बम्बई	IS : 2567 1978	एम ओ 1603 दिनांक 1975-05-24	1981-06-15	
101. सी.एम/एल 0365545 1974-01-08	कोबाई पैस्ट्रीमाइड्स शकघर पोलाची-642003 कोयंबटूर जिला (म.प्र.)	IS : 561 1978	एम ओ 2016 दिनांक 1975-06-28	1981-08-15	
102. सी.एम/एल 0368645 1974-01-08	"	IS : 564 1978	एम ओ 2016 दिनांक 1975-06-28	1981-08-15	
103. सी.एम/एल 03872552 1974-07-03	फिटेकम (इंडिया) कलकत्ता	IS : 10(भाग 4) 1976	एम ओ 459 दिनांक 1976-01-24	1981-07-16	
104. सी.एम/एल 0390342 1974-07-26	एयुमिनियम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कुंभार (केरल)	IS : 1785(भाग 1) 1966 IS : 1785(भाग 2) 1987	एम ओ 459 दिनांक 1976-01-24	1981-07-31	
105. सी.एम/एल 0390948 1974-08-05	लेबकान इंडस्ट्रीज प्रा. लि. कलकत्ता-700039	IS : 2148-1968	एम ओ 686 दिनांक 1976-02-14	1981-08-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
106. सी एम/एल 0419744 1975-02-19	विश्वेश्वरैया धायरम एवं स्टील लि. मद्रास	IS : 4398 1972	एस ओ 2473 दिनांक 1976-07-10	1981-08-15	
107. सी एम/एल 0420325 1975-02-10	असम बुक प्राइवेट प्रा लि. तिनसुकिया असम	IS : 10 (भाग 2) 1976	एस ओ 2473 दिनांक 1976-07-10	1981-06-30	
108. सी एम/एल 0445543 1975-06-30	श्री रेनुका काउंटी कोयंबटूर	IS : 325 1978	एस ओ 3073 दिनांक 1975-09-15	1981-06-30	
109. सी एम/एल 0454948 1975-08-11	हिन्दुस्तान काउंटी एंड इंजीनियरी कार्पो. जयपुर-302006	IS : 774 1971	एस ओ 428 दिनांक 1977-02-05	1981-08-15	
110. सी एम/एल 0456346 1975-08-11	जैतिया लोहा शिल्पा प्रतिष्ठान, कलकत्ता-70001	IS : 10 (भाग 4) 1976	एस ओ 428 दिनांक 1977-02-05	1981-08-15	
111. सी एम/एल 0464749 1975-09-17	हर्षनाथ इंडस्ट्रीज, सेनीपत	IS : 3055 (भाग 1) 1977	एस ओ 832 दिनांक 1977-03-19	1981-04-15	
112. सी एम/एल 0482751 1975-11-27	गोवर्धन दास पी एट्यूब विल्डिंग, जलधर-144004	IS : 1703 1977	एस ओ 1147 दिनांक 1977-04-16	1981-03-31	
113. सी एम/एल 0485959 1975-12-04	आयस्टर पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड हावड़ा	IS : 7406 1976	एस ओ 3083 दिनांक 1977-10-08	1981-06-15	
114. सी एम/एल 0535342 1976-07-14	देवान एंटरप्राइजेज कलकत्ता	IS : (भाग 4) 1976	एस ओ 1226 दिनांक 1979-04-14	1981-07-15	
115. सी एम/एल 0536748 1976-07-14	एलाइड कैमिकल इंडस्ट्रीज, गोहाटी-781031 (असम)	IS : 4323 1967	एस ओ 1226 दिनांक 1979-04-14	1981-07-15	
116. सी एम/एल 0539855 1976-08-02	इंडिया इराय एंड मेटल वर्क्स (प्रा. लि.) कलकत्ता-700055 (प. ब.)	IS : 5852 1977	एस ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-07-31	
117. सी एम/एल 0544747 1976-08-25	एग्रो इंसैक्रीसाइड्स एंड एलाइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड अन्तर्पुर (प्रा. प्र.)	IS : 561 1978	एस ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-08-31	
118. सी एम/एल 0545143 1976-08-30	बी डी खेतान एंड कं 24-बरगना (प. ब.)	IS : 2567 1978	एस ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-08-31	
119. सी एम/एल 0561444 1976-11-02	अथ कैमिकल्स, फरीदाबाद	IS : 565 1975	एस ओ 3761 दिनांक 1979-11-17	1981-07-31	
120. सी एम/एल 0569662 1976-12-10	सारापुर कैमिकल्स एंड पेस्टीसाइड्स, बायलर 401501 (महाराष्ट्र)	IS : 633 1975	एस ओ 3762 दिनांक 1979-11-17	1981-07-15	
121. सी एम/एल 0607543 1977-04-29	रामकृष्णन प्रसाद पेस्टीसाइड्स गुंटूर	IS : 562 1978	एस ओ 786 दिनांक 1980-03-29	1981-06-30	
122. सी एम/एल 0609951 1977-05-13	रेखा कैमिकल्स, गोरखपुर-273004	IS : 561 1978	एस ओ 283 दिनांक 1981-01-24	1981-04-30	
123. सी एम/एल 0623942 1977-05-31	एलमेक्स इंजीनियरी कं आनन्द पर्यत, नई दिल्ली	IS : 325 1978	एस ओ 283 दिनांक 1981-01-24	1981-08-15	
124. सी एम/एल 0614944 1977-06-08	मैक, नोज तिरुपुर	IS : 4964 (भाग 2) 1975	एस ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-07-15	
125. सी एम/एल 0618144 1977-06-17	रवीन्द्र इंडस्ट्रीज प्रा. लि. थाणा	IS : 4934 1976	एस ओ 284 दिनांक 1981-01-25	1981-06-30	
126. सी एम/एल 0618750 1977-06-22	त्रिभुवनदास एंड कं. पूना (महाराष्ट्र)	IS : 5346 1975	एस ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-06-30	
127. सी एम/एल 0622034 1977-06-30	सागमाय (इंडिया) अक्रोला-444001 (महाराष्ट्र)	IS : 2567 1978	„	1981-07-31	
128. सी एम/एल 0622842 1977-07-08	आरिजिमल मिटिंग कं तिरुपुर	IS : 4964 (भाग 2) 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-13	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
129. सी एम/एल 0623036 1977-07-08	तुलसी इंडस्ट्रीज, थाना	IS : 1660 (भाग 1) 1967 IS : 1660 (भाग 2) 1972 IS : 1660 (भाग 3) 1972 IS : 1660 (भाग 4) 1977	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30	
130. सी एम/एल 0623137 1977-07-08	देवार्ह एंड कं. बम्बई-400063	IS : 1660 (भाग 1) 1967 IS : 1660 (भाग 2) 1972 IS : 1660 (भाग 3) 1972 IS : 1660 (भाग 4) 1972	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-08-15	
131. सी एम/एल 0623541 1977-07-08	नार्गावत एम्रो एण्ड स्टील प्रापेरिशन पाटीपल्लव जिला गुरूर	IS : 564 1975	एम ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-13	
132. सी एम/एल 0623642 1977-07-08	गमकृष्णन प्रसाव पेस्टासाइड्स कन्नूर जिला गुरूर (भा 0 प्र 0)	IS : 565 1975	एम ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30	
133. सी एम/एल 0625545 1977-07-20		IS : 564 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30	
134. सी एम/एल 0625949 1977-07-20	रोगमेन (इंडिया) प्रपोला-444001 (महाराष्ट्र)	IS : 633 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-07-07	1981-07-31	
135. सी एम/एल 0631035 1977-07-30	जिलुहा स्टील एण्ड वायर कं. लि. जिलुहा, हावड़ा	IS : 1786 1979	एम ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-31	
136. सी एम/एल 0631338 1977-07-30	वेत अर्थमविग प्राइवेट्स प्रा. लि. मद्रास-600058	IS : 6750 1972	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-31	
137. सी एम/एल-0634142 1977-08-12	खंके इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बंगलौर	IS : 4174-1977	एम ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-08-15	
138. सी एम/एल-0635144 1977-08-16	तारापुर केमिकल्स एंड पेस्टीसाइड्स, बायमर-401501, जिला थाना	IS : 561-1978	एम ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-07-15	
139. सी एम/एल-0636550 1977-08-24	लौहा स्टील इंडस्ट्रीज, प्रा. लि. बंगलौर-560049	IS : 1977-1975	एम ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-08-31	
140. सी एम/एल-0666559 1978-01-13	सुवर्णन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, मारवेरिता (असम)	IS : 303-1975	एस ओ 1615 दिनांक 1981-05-30	1981-07-31	
141. सी एम/एल-0681353 1978-02-28	गुप्ता बेकलाईट फैक्टरी, बिल्ली-110007	IS : 371-1966	एम ओ 1661 दिनांक 1981-06-06	1981-08-31	
142. सी एम/एल-0699774 1978-04-28	कन्सुल्टेंट्स एंड मैनेजिंग डूल्स कं. (इंडिया) लि. बम्बई (महाराष्ट्र)	IS : 2148-1968	एस ओ 1725 दिनांक 1981-08-13	1981-04-30	
143. सी एम/एल-0705543 1978-06-19	कर्नाटक एम्रो केमिकल्स बंगलौर (कर्नाटक)	IS : 561-1978	एस ओ 2002 दिनांक 1981-07-25	1981-07-76	
144. सी एम/एल-0708145 1978-06-28	सुन्दर टिन फैक्टरी रोहतास (हरियाणा)	IS : 916-1975	एस ओ 2002 दिनांक 1981-07-25	1981-08-31	
145. सी एम/एल-0709854 1978-07-06	तारापुर केमिकल्स एंड पेस्टीसाइड्स, जिला थाना (महाराष्ट्र)	IS : 2567-1978	एम ओ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-15	
146. सी एम/एल-0710435 1978-07-10	कृष्णा लेमिनेटिंग इंडस्ट्रीज हावड़ा-700006 (पं. बं.)	IS : 7406-1974	एस ओ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-09-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
147. सी एम/एल-0712439 1978-07-21	जादिन इंटरसन लि. कलकत्ता-700035	IS : 7406-1974	एस प्रो 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-31	
148. सी एम/एल-0712742 1978-07-21	हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज लि., नागवोई, नई दिल्ली	IS : 3198-1974	एस प्रो 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-31	
149. सी एम/एल-0714847 1978-08-08	राजगिरी इंडस्ट्रीज, कलकत्ता-700067	IS : 10 (भाग 4)	एस प्रो 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-15	
150. सी एम/एल-0717045 1978-08-17	एन पी वायर इंड. (प्रा.) लि., 24 परगना (पं.बं.)	IS : 19 (भाग 4)- 1976	एस प्रो 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
151. सी एम/एल-0718047 1978-08-24	इलटेक्स इंजीनियरी कार्पो., प्रा.लि. कोयम्बटूर-641006 (तमिलनाडु)	IS : 7538-1975 और एस प्रो 2180 IS : 6595-1972	दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
152. सी एम/एल-0718653 1978-08-31	श्री राम मशीनरी कार्पो., प्रा. लि. मद्रास-300079	IS : 1977-1975	एस प्रो 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
153. सी एम/एल-0721743 1978-09-15	सीलाम मेटल कार्पोरेशन, मद्रास-600081 (तमिलनाडु)	IS : 1660 (भाग 1) 1967	एस प्रो 2215 दिनांक 1981-08-22	1981-09-15	
154. सी एम/एल-0769064 1979-04-02	बी एल इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS : 1308-1974	एस प्रो 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-15	
155. सी एम/एल-0769165 1979-04-02	बी एल इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS : 565-1975	एस प्रो 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-15	
156. सी एम/एल-0778267 1979-05-29	सिडिकेट स्टील रीरोलिंग मिल्स लि. हैदराबाद	IS : 226-1976	एस प्रो 3147 दिनांक 1981-11-21	1981-07-31	
157. सी एम/एल-0783866 1979-07-05	जी आर केमिकल्स, मद्रास	IS : 261-1966	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-15	
158. सी एम/एल-0785062 1979-07-12	याउदन इंस्टीटयूट ऑफ फर्टिलाइजर्स मद्रास	IS : 2567-1978	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-27	1981-07-15	
159. सी एम/एल-0785668 1979-07-12	द रिस्वायन्स जूट एवं इंडस्ट्रीज लि. लि. जिला परगना (पं.बं.)	IS : 3984-1967	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-15	
160. सी एम/एल-0785769 1979-07-13	कृष्णा मेटल एंडी केमिकल कार्पो. जिला गुंटूर	IS : 1786-1966	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-15	
161. सी एम/एल-0788872 1979-07-19	मधु एलायड एंडी केमिकल्स कार्पो. जिला गुंटूर	IS : 633-1975	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
162. सी एम/एल-0787369 1979-07-20	कोबीन टिन फैक्टरी कोबीन-682005	IS : 10 (भाग 4)- 1976	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
163. सी एम/एल-0788270 1979-07-25	सिडिकेट स्टील रीरोलिंग मिल्स लि. हैदराबाद	IS : 1786-1979	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
164. सी एम/एल-0788472 1979-07-25	नागपुर स्टील एवं एलायज प्रा. लि., नागपुर-440016	IS : 26-1975	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
165. सी एम/एल-0788775 1979-07-24	श्री बजरंग इलेक्ट्रिक स्टील कं. प्रा.लि. धुमुरी, हावड़ा (पं.बं.)	IS : 226-1975	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
166. सी एम/एल-0788876 1979-07-25	"	IS : 1977-1975	एस प्रो 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
167. सी एम/एल-0791966 1979-08-09	श्री बेकटेश्वरा केमिकल इंड., केमिकल इंड., प्रशानो जिला कर्नूल	IS : 562-1978	एस प्रो 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-15	
168. सी एम/एल-0792464 1979-08-10	राम फाउण्ड्री कोयम्बटूर-641037 (तमिलनाडु)	IS : 6596-1972	एस प्रो 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-15	
169. सी एम/एल-0792968 1979-08-17	एयर फोम इंडस्ट्रीज प्रा. लि., मद्रास-600058	IS : 4989-1974	एस प्रो 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
170. सी एम/एल-0793485 1979-08-20	श्रृंगार स्टील रोलिंग मिल जिला मधुई	IS: 1977-1976	एस ओ 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31	
171. सी एम/एल-0793768 1979-08-22	शार्व धर्ममोटर इंजिनरीज, नई दिल्ली	IS: 3055 (भाग 1)- 1977	एस ओ 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31	
172. सी एम/एल-079376 1979-09-11	मीनान ब्रदर्स, मद्रास-600020	IS: 1051-1973	एस ओ 1772 दिनांक 1982-05-15	1981-09-15	
173. सी एम/एल-0799477 1979-09-12	रुक्मा डेट स्विच गियर्स एसोसिएट्स प्रा. लि. कोयंबटूर-641009 (म. प्र.)	IS: 1520-1972	एस ओ 1772 दिनांक 1982-05-15	1981-09-15	
174. सी एम/एल-0813041 1979-11-12	भागस पेंट्स इंजिनरीज (इंडिया) दिल्ली-110012	IS: 2932-1974	एस ओ 1832 दिनांक 1982-05-22	1981-08-31	
175. सी एम/एल-0813950 1979-11-12	"	IS: 2933-1975	एस ओ 1832 दिनांक 1982-05-22	1981-08-31	
176. सी एम/एल-0834156 1980-03-31	कमोनिटेटेड स्टील्स एण्ड एनयुज लि, जिला मुरैना (म. प्र.)	IS: 6914-1978	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15	
177. सी एम/एल-0864257 1980-03-31	"	IS: 6915-1978	एस ओ 4452 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15	
178. सी एम/एल-0864260 1980-04-22	जयाश्री बकेट फीटरी, बम्बई—	IS: 2552-1979	एस ओ 4453 दिनांक 1983-12-10	1981-04-30	
179. सी एम/एल-0871156 1980-06-05	राष्ट्रिय मिल प्रा. लि. न्यू बम्बई (महाराष्ट्र)	IS: 633-1975	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-15	
180. सी एम/एल-0871257 1980-06-05	सेंट्रल इलेक्ट्रीसिटीज एण्ड फर्टी- लाइजर्स, बम्बई	IS: 565-1975	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-15	
181. सी एम/एल-0872158 1980-06-05	गोदावरी प्लाईवुड लिमिटेड, ईस्ट गोदावरी जिला (म. प्र.)	IS: 4990-1060	एस ओ 4459 दिनांक 1982-13-10	1981-06-15	
182. सी एम/एल-0875386 1980-05-13	नैफैक्स फायर सर्विसेज, बम्बई	IS: 2171-1976	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-30	
183. सी एम/एल-0876267 1980-06-16	न्यूलाइट इंजिनरीज, मद्रास-600098	IS: 261-1966	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-30	
184. सी एम/एल-0877370 1980-06-30	शाह स्टील्स इंजिनरीज प्रा. लि. जिला थाना	IS: 4224-1972	एस ओ 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-07-15	
185. सी एम/एल-0878877 1980-07-09	मराठवाड़ा एलाय स्टील कं. लि., धोरेगाबाद	IS: 6915-1978	एस ओ 4533 दिनांक 1985-12-17	1981-07-15	
186. सी एम/एल-0879374 1980-07-10	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि., दुर्गापुर (प. ब.)	IS: 4398-1972	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-15	
187. सी एम/एल-0880157 1980-07-14	इंदोरवायर कं. लि., इंदौर-452006 (म. प्र.)	IS: 1785 (भाग 1) 1966	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
188. सी एम/एल-0880258 1980-07-14	इंदोर वायर कं. लि., इंदौर-452006 (म. प्र.)	IS: 6003-1970	एस ओ 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
189. सी एम/एल-0880460 1980-07-14	ब्राइट केबल्स, दिल्ली-110052	IS: 694-1977	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
190. सी एम/एल-0880763 1980-07-16	वरुनी क्लीजर वर्क्स मधुई-625001 (म. प्र.)	IS: 8401-1977	एस ओ 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
191. सी एम/एल-0882161 1980-07-23	वरुना वायु फुड (प्रा) लि. नाशिक-422007 (महाराष्ट्र)	IS: 1011-1968	एस ओ 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
192. सी एम/एल-0882666 1980-07-23	कृष्णा स्टील इंजिनरीज लि., थाना	IS: 1977-1975	एस ओ 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
193. सी एम/एल-0884266 1980-07-29	हिन्दुस्तान पावरहाउजिंग मिल बम्बई-400098	IS: 2560-1978	एस ओ 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-15	
194. सी एम/एल-0884367 1980-07-29	"	IS: 633-1975	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
195. सी एम/एल-0884973 1980-07-30	केनरा कैमिकल इंड., मूम्बई-575010 (कर्नाटक)	IS : 261—1975	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
196. सी एम/एल-0885066 1980-07-30	मोतार्क इंजीनियरी कं., मम्बई-400010	IS : 933—1976	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
197. सी एम/एल-0885157 1980-07-30	"	IS : 933—1976	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
198. सी एम/एल-0885874 1980-07-31	मार्बल कैमिकल्स, मिना शिमोगा (कर्नाटक)	IS : 2568—1978	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
199. सी एम/एल-0886674 1980-07-31	"	IS : 7121—1973	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
200. सी एम/एल-0886775 1980-07-31	मेरठ एप्रो कैमिकल इंडस्ट्रीज मेरठ (उ. प्र.)	IS : 561—1978	एस प्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
201. सी एम/एल-0890059 1980-08-19	प्रतिल रो-रोलिंग मिल्स (प्रा.) लिमिटेड, बंगलूर-560032	IS : 1786—1979	एस प्रो 4531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	
202. सी एम/एल-0892063 1980-08-22	जगदीश रोलिंग वर्क्स, कानपुर (उ. प्र.)	IS : 1977—1975	एस प्रो 4531 दिनांक 1971-12-17	1981-08-31	
203. सी एम/एल-0892265 1980-08-22	कन्नपिरा प्रायट स्टील रो-रोलिंग मिल्स, कोयंबटूर-641029	IS : 226—1975	एस प्रो 1531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	
204. सी एम/एल-0892366 1980-08-22	"	IS : 1977—1975	एस प्रो 4531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	

[सं. सी. एम. सी. 13 : 14]

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 20th May, 1986

S. O. 2314.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in column 6 :

## THE SCHEDULE

Sl. Licence No. No. (CM/L- )	Licence	IS : No.	S.O. No. and Date of the Gazette Notifying Grant of licence	Remarks
<b>LICENCES LAPSED</b>				
1. CM/L-0005010 1958-01-20	East India Plywood Co. Limited, Cooch Behar, P. O. & Distt. Cooch Behar (West Bengal)	IS : 10 (Part II)—1976	S. O. 13 dated 1958-02-15	Renewal was deferred after 1980-01-31; the licence now stands lapsed after that date
2. CM/L-0010003 1958-09-18	The Central Trading Co. Pvt. Limited Calcutta-700028	IS : 10 (Part II)— —1976	S. O. 2005 dated 1958-10-04	Lapsed after 1980-12-31
3. CM/L-0150019 1967-08-25	Central Insecticides & Fertilizers, Indor (MP)	IS : 1308—1974	S. O. 3338 dated 1967-09-23	Lapsed after 1981-08-31
4. CM/L-0190536 1969-01-29	Consul Machinery, Howrah	IS : 3861—1975	S. O. 720 dated 1969-02-22	Renewal was deferred after 1980-08-31; the licence now stands lapsed after that date

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. CM/L-0199352 1969-06-24	Jammu Rosia & Turpentine Factory, P. O. Miransahib, Jammu Tawi (J & K)	IS : 553-1969	S. O. 3018 dated 1969-07-26	Renewal was deferred after 1978-04-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
6. CM/L-0205321 1969-08-20	do	IS : 533—1973	S. O. 3930 dated 1969-09-27	Renewal was deferred after 1978-04-30; the licence now stands lapsed after that date	
7. CM/L-0259349 1971-03-17	Orissa Plastics, P. O. Balasore, (Orissa)	IS : 3076—1968	S. O. 2405 dated 1971-06-19	Lapsed after 1981-07-31	
8. CM/L-0262535 1971-03-29	J & V Saw Mills, Kottayam-686016 (Kerala)	IS : 10 (Part III)—1974	S. O. 2405 dated 1971-06-19	Renewal was deferred after 1981-03-31 ; the licence now stands lapsed after that date	
9. CM/L-0272740 1971-08-04	Devidayal (Sales) Pvt. Limited, Bombay-400010	IS : 562—1978	S. O. 5031 dated 1971-11-06	Lapsed after 1981-06-15	
10. CM/L-0276344 1971-09-13	Jolly Steel Industries Pvt. Limited, Poona	IS : 1977—1975	S. O. 2403 dated 1972-09-02	Renewal was deferred after 1980-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
11. CM/L-0277548 1971-09-17	Ronald Engineers, Calcutta-700046	IS : 3564—1975	S.O. 2403 dated 1972-09-02	Renewal was deferred after 1980-07-30; the licence now stands lapsed after that date	
12. CM/L-0278954 1971-10-28	Scwpur Iron & Steel Works, Calcutta-700001	IS : 10 (Part IV)—1976	S.O. 1625 dated 1972-07-08	Renewal was deferred after 1981-04-16; the licence now stands lapsed after that date	
13. CM/L-0297356 1972-03-28	Victory Metal Works, Calicut-673004 (Kerala)	IS : 10 (Part IV)—1976	S.O. 887 dated 1973-03-24	Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date	
14. CM/L-0307026 1972-05-31	Devidayal (Sales) Pvt Limited, Bombay-400010	IS : 561—1978	S.O. 3308 dated 1972-10-21	Lapsed after 1981-06-15	
15. CM/L-0319740 1972-10-27	Madarihat Veneer Industries, P.O. Madarihat, Distt. Jalpaiguri Assam	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 846 dated 1974-03-30	Renewal was deferred after 1979-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
16. CM/L-0331528 1973-01-31	Agro Chemicals (India) Patiala-147001 (Punjab)	IS : 2567—1978	S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1981-07-15	
17. CM/L-0349951 1973-07-31	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Calcutta-700002	IS : 2548—1967	S.O. 1233 dated 1975-04-19	Lapsed after 1981-07-31	
18. CM/L-0352334 1973-08-23	Imperial Stores & Agency Co., 24 Parganas (W.B.)	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 1388 dated 1975-05-03	Renewal was deferred after 1980-08-3 ; the licence now stands lapsed after that date	
19. CM/L-0352435 1973-08-23	Devidayal (Sales) Pvt Limited, Bombay-400010	IS : 565—1975	S.O. 1388 dated 1975-05-03	Lapsed after 1981-06-15	
20. CM/L-0388153 1974-07-15	Karnataka Chemical Industries Corp., Bangalore-562140	IS : 261—1966	S.O. 459 dated 1976-01-24	Lapsed after 1981-07-15	
21. CM/L-0412659 1975-01-10	Devidayal (Sales) Pvt. Limited, Bombay-400010	IS : 7121—1973	S.O. 2465 dated 1976-07-10	Lapsed after 1981-06-15	
22. CM/L-0422430 1975-02-21	Indian Steel Rolling Mills, Thirunivur, Changluput Distt.	IS : 432 (Part II)—1966	S.O. 2473 dated 1976-07-10	Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date	
23. CM/L-0433233 1975-04-21	Jeein Lamps & Allied Industries Pvt. Limited, Kanpur-208010 (U.P.)	IS : 2596—1964	S.O. 3550 dated 1976-10-09	Lapsed after 1978-09-01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24. CM/L-0442436 1975-06-12	Steel (India) Pvt Limit.d, Aurangabad-431001	IS : 1785 (Part II)—1967	S.O. 3073 dated 1975-09-13	Renewal was deferred after 1980-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
25. CM/L-0469052 1975-09-29	Assam Tin Mfg. Co Pvt. Limited, Gauhati (Assam)	IS : 10 (Part IV)—1976	S.O. 832 dated 1977-03-17	Renewal was deferred after 1980-10-15; the licence now stands lapsed after that date	
26. CM/L-0472849 1975-10-15	Mahabir Steel Rolling Mills, Delhi-110032	IS : 7452—1974	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Renewal was deferred after 1981-04-30; the licence now stands lapsed after that date	
27. CM/L-0477556 1975-10-31	Kosan Metal Products Pv. Limited, Bombay-400074	IS : 3224—1971	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Lapsed after 1981-06-15	
28. CM/L-0482650 1975-11-24	Schgal Sanitary Fittings (P) Ltd., Jullundur-144102	IS : 2692—1978	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Lapsed after 1981-06-30	
29. CM/L-0519349 1976-05-10	Daurala Sugar Works Distillery, Daurala, Distt. Meerut (UP) Daurala	IS : 4449—1976	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
30. CM/L-0519950 1976-05-10	-do-	IS : 4100—1967	S.O. 754 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
31. CM/L-0520026 1976-05-10	-do-	IS : 4450—1967	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
32. CM/L-0520127 1976-05-10	-do-	IS : 3811—1976	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
33. CM/L-0533439 1976-07-06	Agro Plastic Inds. Bombay-400063	IS : 3906 (Part I)—1974	S.O. 1226 dated 1979-04-14	Renewal was deferred after 1980-07-15; the licence now stands lapsed after that date	
34. CM/L-0540133 1976-08-02	Orient Steel & Industries Limited, Distt. Hoogly (W.B.)	IS : 1977—1975	S.O. 3548 dated 1979-10-20	Lapsed after 1981-07-31	
35. CM/L-0567557 1976-11-30	Delhi Steel Rolling Mills, Delhi-110032	IS : 226—1975	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Renewal was deferred after 1980-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
36. CM/L-0567658 1976-11-30	-do-	IS : 1977—1975	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Renewal was deferred after 1980-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
37. CM/L-0577257 1977-01-07	Hind Rubber Works, Calcutta-700015 (West Bengal)	IS : 2415—1967	S.O. 420 dated 1980-02-23	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date	
38. CM/L-0592960 1977-02-28	SMP Private Limited, Bombay-400060	IS : 1307—1973	S.O. 731 dated 1980-03-22	Lapsed after 1980-12-15	
39. CM/L-0598164 1977-03-22	Calcutta Laminators, Changail-711308 (S.E. Rly) P.O. Chakasi, Distt. Howrah (West Bengal)	IS : 7406—1974	S.O. 787 dated 1980-03-29	Renewal was deferred after 1980-04-15; the licence now stands lapsed after that date	
40. CM/L-0615643 1977-06-10	Delhi Brass & Metal Works, New Delhi-110005	IS : 16660 (Part I to IV)—1967	S.O. 284 dated 1981-01-24	Renewal was deferred after 1980-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
41. CM/L-0617647 1977-06-16	The Scientific Insecticides Co. (Prop The Scientific Fertilizer Co. Pvt. Ltd.) Tiruchirappalli-620007	IS : 561—1978	S.O. 284 dated 1981-01-24	Lapsed after 1981-06-15	
42. CM/L-0631540 1977-07-30	Gopalkrishna Industries, Coimbatore-641009	IS : 325—1978	S.O. 754 dated 1981-03-07	Lapsed after 1981-06-15	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. CM/L-0637148 1977-08-24	Metal Moulding Co., Bombay-400078	IS : 1660 (Part I)— 1967 IS : 1660 (Part II)— 1972	S.O. 755 dated 1981-03-07	Renewal was deferred after 1979-08-15; the licence now stands lapsed after that date.	
44. CM/L-0661857 1977-12-30	Universal Petro-chemicals Limited, Unit No. 2 Howrah	IS : 1115—1973	S.O. 1222 dated 1981-04-08	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
45. CM/L-0662147 1977-12-30	Asian Industrial Corporation Calcutta-700068	IS : 507—1970	S.O. 1222 dated 1981-04-08	Renewal was deferred after 1980-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
46. CM/L-0663452 1978-01-05	Asian Industrial Corporation Calcutta-700068	IS : 1115—1973	S.O. 1615 dated 1981-05-30	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
47. CM/L-0664454 1978-01-06	Vijayeswari Ring Travellers Mfg. Co. Pvt. Limited, Coimbatore-641021	IS : 3523—1974	S.O. 1615 dated 1981-05-30	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
48. CM/L-0671552 1978-01-27	SMP Private Limited, Bombay-400060	IS : 632—1978	S.O. 1615 dated 1981-05-30	Lapsed after 1980-12-15.	
49. CM/L-0676360 1978-02-14	Karnataka State Co-operative Marketing Federation Ltd., Bangalore-560022 (Karnataka)	IS : 2567—1978	S.O. 1661 dated 1981-06-06	Renewal was deferred after 1981-02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
50. CM/L-0687365 1978-03-20	Indira Engineering Enterprises, Coimbatore-641009 (TN)	IS : 325—1978	S.O. 1664 dated 1981-06-06	Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date.	
51. CM/L-0690152 1978-03-27	Kila Bros., Madras-600057	IS : 1786—1979	S.O. 1664 dated 1981-06-06	Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date.	
52. CM/L-0695970 1978-03-31	SMP Pvt Limited, Bombay-400060	IS : 5281—1969	S.O. 1664 dated 1981-06-06	Lapsed after 1981-04-15.	
53. CM/L-0703438 1978-05-31	Ashoka Tin Works, Bhatinda-151001	IS : 916—1975	S.O. 2003 dated 1981-07-25	Lapsed after 1981-06-15.	
54. CM/L-0711740 1978-07-19	Piramal Organic Chemical, (Division of Urvi Investments Limited), Thane-400601 (Maharashtra)	IS : 1488—1969	S.O. 2176 dated 1981-08-15	Lapsed after 1981-07-31.	
55. CM/L-0712641 1978-07-21	Thall Paint Mart (Regd.), New Delhi	IS : 419—1967	S.O. 2176 dated 1981-08-15	Lapsed after 1981-04-15.	
56. CM/L-0721339 1978-09-13	Shive Industrial Corporation, Jaipur-302001 (Rajasthan)	IS : 220—1972	S.O. 2215 dated 1981-08-22	Renewal was deferred after 1979-09-15; the licence now stands lapsed after that date.	
57. CM/L-0723343 1978-09-21	Supreme Metal Works, Delhi-110006	IS : 1660 (Part I)— 1967 IS : 1660 (Part II)— 1972 IS : 1660 (Part III)— 1972 IS : 1660 (Part IV)— 1977	S.O. 2215 dated 1981-08-22	Renewal was deferred after 1980-09-15; the licence now stands lapsed after that date.	
58. CM/L-0747559 1979-01-12	Eastern Chemical Industries, PO Madhyam Gram- -743275 Distt. 24 Parganas (WB)	IS : 2567—1978	S.O. 2277 dated 1981-08-29	Renewal was deferred after 1980-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	

1)	2)	3)	4)	5)	6)
59. CM/L-0753350 1979-02-09	South rn Insecticides & Fertilizers, Madras-600098	IS : 565—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1981-02-15; the licence now stands lapsed after that date	
60. CM/L-0754152 1979-02-16	Gillooram Gauris Shanker, Distt. Santhal Pargana (Bihar)	IS : 378 (Part I)—1976 IS : 378 (Part II)—1976	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1980-02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
61. CM/L-0755558 1979-02-24	Inter Pharmaceuticals (India) Pvt. Limit.d, Patna (Bihar)	IS : 1061—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1981-02-28; the licence now stands lapsed after that date	
62. CM/L-0759364 1979-03-05	Jai Industries, Mandi Gobindgarh (Distt. Patiala)	IS : 1977—1975	S.O. 2585 dated 1981-01-03	Renewal was deferred after 1981-06-15; the licence now stands lapsed after that date	
63. CM/L-0773358 1979-01-30	Bansal Brothers, Faridabad (Haryana)	IS : 3745—1965	S.O. 2974 dated 1981-10-31	Lapsed after 1981-04-30.	
64. CM/L-0784262 1979-07-06	Doaba Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh (Punjab)	IS : 1979—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-07-15	
65. CM/L-0790358 1979-08-03	Amalgamated Chemicals (P) Limit.d, Madras-600067	IS : 561—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-15	
66. CM/L-0792261 1979-08-10	Bangalore Wire Rod Mill 'A Unit of Transport Corporation of India Ltd) Bangalore-560048	IS : 8500—1977	S.O. 3446 dated 1981-012-26	Lapsed after 1981-08-15	
67. CM/L-0792665 1979-08-16	Karnataka Agro Chemicals, Bangalore-562140	IS : 562—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-15	
68. CM/L-0774365 1979-08-22	-do-	IS : 632—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-31	
69. CM/L-0806145 1979-10-16	Coates of India Ltd., Calcutta-700017 (WB)	IS : 2105—1975	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Renewal was deferred after 1980-10-31; the licence now stands lapse after that date.	
70. CM/L-0807147 1979-10-17	Shah Tin Factory, Jamnagar-361002 (Gujarat)	IS : 916—1975	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Lapsed after 1980-10-31	
71. CM/L-0815045 1979-11-15	Stereo Chems, Madras-600023 (Tamil Nadu)	IS : 8401—1977	S.O. 1832 dated 1982-05-22	Renewal was deferred after 1980-11-30 ; the licence now stands lapsed after that date.	
72. CM/L-0830647 1980-01-11	Palai Furnishing Co Alleppey (Kerala)-688001	IS : 10 (Part III)—1974	S.O. 3104 dated 1983-09-04	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
73. CM/L-0839766 1980-02-21	The South India Steel Strach Industries, Salem-636002	IS : 1977—1975	S.O. 3445 dated 1982-10-02	Renewal was deferred after 1981-02-28; the licence now stands lapsed after that date.	
74. CM/L-0844456 1980-02-29	Suba Hosiery Mills, Tirupur-638602 (Tamil Nadu)	IS : 4964 (Part II) —1975	S.O. 3445 dated 1982-10-02	Renewal was deferred after 1981-03-15; the licence now stands lapsed after that date.	
75. CM/L-0853255 1980-03-31	Krishna Steel Industries Limit.d, Thane	IS : 6915—1978	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	
76. CM/L-0857061 1980-01-31	Assam Udyog Co., Dibru- garh, Assam	IS : 1977-1975	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15— the licence now lapsed after that date	
77. C/L-0857465 1980-03-31	Bijay Metal Works, P.O. Bahadurpur, Bhagalpur (Bihar)	IS : 3258—1965	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	
78. CM/L-0857556 1980-03-31	-do-	IS : 3411—1966	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
79. CM/L-0858770 1980-03-31	Hosak Industries, Madras-670097 (Tamil Nadu)	IS : 8069-1976	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15; the licence now stands lapsed after that date.	
80. CM/L-0858871 1980-03-31	The Tuticorin Mills Ltd. Tuticorin-628003 (Tamil Nadu)	IS : 834-1975	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15; the licence now stands lapsed after that date.	
81. CM/L-0870659 1980-06-04	Mukand Iron & Steel Works Limited, Thana Distt. Bombay	IS : 1736-1979	S.O. 4459 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-06-15	
82. CM/L-0874970 1980-06-12	Nycil Knitters, Tirupur	IS : 4964 (Part II)— 1975	S.O. 4459 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-06-30; the licence now stands lapsed after that date.	
83. CM/L-089778 1980-07-10	Khosla Steel Industries, Jamshedpur	IS : 1977-1975	S.O. 4533 dated 1983-12-17	Lapsed after 1981-07-15	
84. CM/L-0883062 1980-07-24	Vidarbha Iron & Steel Corpn. Ltd Nagpur	IS : 1976-1979	S.O. 4453 dated 1983-12-17	Lapsed after 1981-07-31	
LICENCES DEFERRED				DEFERRED AFTER	
85. CM/L-0034118 1961-09-20	Mysore Insecticide Co. (Andhra) Vijayawadda-3 (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 2447 dated 1961-10-14	1981-08-31	
86. CM/L-0042723 1962-06-30	The Calcutta Chemical Ltd., Calcutta-700002	IS : 1675-1971	S.O. 2146 dated 1675-07-14	1981-08-31	
87. CM/L-0050318 1963-01-24	B.D. Khaitan & Co., Calcutta	IS : 10 (Part IV) — 1976	S.O. 484 dated 1963-02-16	1981-07-31	
88. CM/L-0063832 1964-02-26	Visvesvarya Iron & Steel Limited Bhadravati (Mysore)	IS : 1977-1975	S.O. 743 dated 1964-03-21	1981-07-15	
89. CM/L-0077439 1964-08-24	Anglo Brothers Limited, Calcutta-700002	IS : 16 (Part I) — 1973 & IS : 16 (Part II) — 1973	S.O. 3553 dated 1964-10-10	1981-09-15	
90. CM/L-0128127 1966-06-15	Amrit Sports Industries, Jullundur City (Punjab)	IS : 831-1979	S.O. 2248 dated 1966-07-30	1981-06-15	
91. CM/L-0151728 1967-09-15	Jayalakshmi Fertilizers, West Godavari Distt. (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 3733 dated 1967-10-21	1981-09-15	
92. CM/L-0178445 1968-09-10	Chaliha Rolling Mills Pvt Ltd., Calcutta-7000040	IS : 278-1978	S.O. 3958 dated 1968-11-09	1981-09-15	
93. CM/L-0201515 1969-07-09	V.K. Engineering Works, Bombay	IS : 325-1978	S.O. 3585 dated 1969-09-06	1981-07-15	
94. CM/L-0201616 1969-09-09	International Inds., Bombay	IS : 4510-1978	S.O. 3585 dated 1969-09-06	1981-06-30	
95. CM/L-0206929 1969-09-09	A.V.J. Wires Pvt. Limited, Calcutta	IS : 280-1978	S.O. 4310 dated 1969-10-25	1981-09-15	
96. CM/L-0225933 1970-02-20	Waxwall & Co., Cochin	IS : 10 (Part III) — 1974	S.O. 1235 dated 1970-04-04	1981-08-15	
97. CM/L-0278752 1971-10-26	Meryfur Industries, Shahdara, Delhi	IS : 1959-1977	S.O. 1625 dated 1972-07-08	1981-08-15	
98. CM/L-0297352 1972-03-14	Agarwal Steel Inds., Bombay-400010	IS : 226-1975	S.O. 887 dated 1973-03-24	1981-07-15	
99. CM/L-0346036 1972-06-28	Narottam Udyog, Deomali	IS : 10 (Part II) — 1976	S.O. 1037 dated 1975-04-05	1981-06-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100.	CM/L-0363137 1973-12-13	Davidayal (Srls) Pvt. Limited, Bombay	IS : 2567-1978	S.O. 1603 dated 1975-05-24	1981-06-15
101.	CM/L-0365545 1974-01-08	Kovai Pesticides, P.O. Pollachi-642003 Coimbatore Distt. (T.N.)	IS : 561-1978	S.O. 2016 dated 1975-06-28	1981-08-13
102.	CM/L-0368646 1974-01-08	-do-	IS : 564-1978	S.O. 2016 dated 1975-06-28	1981-08-15
103.	CM/L-0387252 1974-07-03	Fitex (India), Calcutta	IS : 10 (Part IV)— 1976	S.O. 459 dated 1976-01-24	1981-07-15
104.	CM/L-0390342 1974-07-26	Aluminium Industries Limited, Kundara (Kerala State)	IS : 1785 (Part I)— 1966 IS : 1785 (Part II)— 1967	S.O. 459 dated 1976-01-24	1981-07-31
105.	CM/L-0370948 1974-08-05	Leveon Instrument Pvt. Limited, Calcutta -700037	IS : 2148-1968	S.O. 686 dated 1976-02-14	1981-08-15
106.	CM/L-0419744 1975-02-10	Visvesvaraya Iron & Steel Limited, Bhadrawati	IS : 4398-1972	S.O. 2473 dated 1976-7-10	1981-08-15
107.	CM/L-0420325 1975-02-10	Assam Wood Products Pvt. Limited, Tinsukia, Assam	IS : 10 (Part II) — 1976	S.O. 2473 dated 1976-07-10	1981-06-30
108.	CM/L-0445543 1975-06-30	Sri Renuka Foundry, Coimbatore	IS : 325-1978	S.O. 3073 dated 1975-09-13	1981-06-30
109.	CM/L-0454948 1975-08-11	Hindustan Foundry & Engineering Corpn. Jaipur-302006	IS : 774-1971	S.O. 428 dated 1977-02-05	1981-08-15
110.	CM/L-0456346 1975-08-11	Jatiya Louha Silpa Pratisthan, Calcutta 700011	IS : 10 (Part IV)— 1976	S.O. 428 dated 1977-02-05	1981-08-15
111.	CM/L-0461749 1975-09-17	Englass Industries Sonapat	IS : 3055 (Part I)— 1977	S.O. 832 dated 1977-03-19	1981-04-15
112.	CM/L-0482751 1975-11-27	Govardhan Dass P.A. Tube Building, Jullundur-144004	IS : 1703-1977	S.O. 1147 dated 1977-04-16	1981-03-31
113.	CM/L-0485959 1975-12-04	Oyster Packages Pvt Limited, Howrah	IS : 7406-1976	S.O. 3083 dated 1977-10-68	1981-06-15
114.	CM/L-0535342 1976-07-14	Techon Enterprise, Calcutta	IS : (Part IV)— 1976	S.O. 1226 dated 1979-04-14	1981-07-15
115.	CM/L-0536748 1976-07-14	Allied Chemical Industries Gauhati-781031 (Assam)	IS : 4323-1967	S.O. 1226 dated 1979-04-14	1981-07-15
116.	CM/L-0539855 1976-08-02	India Toy & Metal Works (P) Ltd., Calcutta-700055 (West Bengal)	IS : 5852-1977	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-07-31
117.	CM/L-0544747 1976-08-25	Agro Insecticides & Allied Industries, Distt. Anantapur (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-08-31
118.	CM/L-0545143 1976-08-30	B.D. Khaitan & Co., 24 Parganas (W.B.)	IS : 2567-1978	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-08-31
119.	CM/L-0561444 1976-11-02	Jai Chemicals, Faridabad	IS : 565-1975	S.O. 3761 dated 1979-11-17	1981-07-13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
120. CM/L-0569662 1976-12-10	Tarapur Chemicals & Pesticides Boisar-401501 ( Maharashtra)	IS : 633-1975	S.O. 3762 dated 1979-11-17	1981-07-15	
121. CM/L-0607543 1977-04-29	Ramakrishna Prasad Pesticides, Guntur	IS : 562-1978	S.O. 786 dated 1980-03-29	1981-06-30	
122. CM/L-0609951 1977-05-13	Sureka Chemicals, Gorakhpur-273004	IS : 561-1978	S.O. 283 dated 1981-01-24	1981-04-30	
123. CM/L-0613942 1977-05-31	Elmex Engineering Co. Anand Parbat, New Delhi	IS : 325-1978	S.O. 283 dated 1981-01-24	1981-08-15	
124. CM/L-0614944 1977-06-08	Mc. Nos., Tirupur	IS : 4964 (Part II) — 1975	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-07-15	
125. CM/L-0618144 1977-06-17	Ravi Industries Pvt. Limited, Thana	IS : 934-1976	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-06-30	
126. CM/L-0618750 1977-06-22	Tribbhovandas & Co. Poona (Maharashtra)	IS : 5346-1975	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-06-30	
127. CM/L-0622034 1977-06-30	Sagmap (India), Akola-444001 (Maharashtra)	IS : 2567-1978	-do-	1981-07-31	
128. CM/L-0622801 1977-07-08	Original Knitting Co., Tirupur	IS : 4964 (Part II) — 1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-15	
129. CM/L-0623036 1977-07-08	Trupati Industries, Thana	IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1977	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-06-30	
130. CM/L-0623137 1977-07-08	D-sal & Co., Bombay-400062 (M.S.)	IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1972	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-08-15	
131. CM/L-0623541 1977-07-08	Nagarjuna Agro & Steel Corporation, Tadepalli, Guntur Distt.	IS : 564-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-15	
132. CM/L-0623642 1977-07-08	Ramakrishna Prasad Pesticides, Kappuravuru Guntur Distt. (A.P.)	IS : 565-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-06-30	
133. CM/L-0625545 1977-07-20	-do-	IS : 564-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-06-30	
134. CM/L-0625949 1977-07-20	Sagmap (India), Akola-444001 (Maharashtra)	IS : 633-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31	
135. CM/L-0631035 1977-07-30	Lilloah Steel & Wire Co. Ltd., Lilloah-Howrah	IS : 1786-1979	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31	
136. CM/L-0631338 1977-07-30	Vel Earthmoving Products Pvt. Ltd., Madras-600058	IS : 6750-1972	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
137. CM/L-0634142 1977-08-12	Khoday Industries Pvt. Limited, Bangalore	IS : 4174-1977	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-08-15	
138. CM/L-0635144 1977-08-16	Tarapur Chemicals & Pesticides, Bolsar-401501 (Distt. Thana)	IS : 561-1978	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-07-15	
139. CM/L-0636550 1977-08-24	Loharu Steel Inds. Pvt. Limited, Bangalore-560049	IS : 1977-1975	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-08-31	
140. CM/L-0666559 1978-01-13	Sundershan Plywood Industries, Margherita (Assam)	IS : 303-1975	S.O. 1615 dated 1981-05-30	1981-07-31	
141. CM/L-0681353 1978-02-28	Gupta Bakelite Factory, Delhi- 110007	IS : 371-1966	S.O. 1661 dated 1981-06-06	1981-08-31	
142. CM/L-0698774 1978-04-28	Consolidated Pneumatic Tool Co. (India) Limited, Bombay (Maharashtra)	IS : 2148-1968	S.O. 1725 dated 1981-06-13	1981-04-30	
143. CN/L-0705543 1978-06-19	Karnataka Agro Chemicals, Bangalore (Karnataka)	IS : 561-1978	S.O. 2002 dated 1981-07-25	1981-07-31	
144. CM/L-0708145 1978-06-28	Sunder Tin Factory, Rohtak (Haryana)	IS : 916-1975	S.O. 2002 dated 1981-07-25	1981-08-31	
145. CM/L-0709844 1978-07-06	Tarapur Chemicals & Pesticides, Distt. Thana (Maharashtra)	IS : 2567-1978	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-15	
146. CM/L-0710435 1978-07-10	Krishna Laminating Industries, Howrah-700006 (W.B.)	IS : 7406-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-09-15	
147. CM/L-0712439 1978-07-21	Jardin Henderson Ltd Calcutta-700035	IS : 7406-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-31	
148. CM/L-0712742 1978-07-21	Hindustan General Industries Ltd. Nangloi, Delhi	IS : 3196-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-31	
149. CM/L-0714847 1978-08-08	Rajgiri Industries, Calcutta-700067	IS (Part IV)— 1974	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-15	
150. CM/L-0717045 1978-08-17	Enpee Wire Inds. (P) Ltd., 24 Parganas (W.B.)	IS : 10 (Part IV) 1976	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-31	
151. CM/L-0718047 1978-08-24	Eltex Engineering Corpn. Pvt. Ltd. Coimbatore-641006 (Tamil Nadu)	IS : 7538-1975 & IS : 6595-1972	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-31	
152. CM/L-0718653 1978-08-31	Sri Rama Machinery Corpn. Pvt. Ltd., Madras-300019	IS : 1977-1975	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-31	
153. CM/L-0721743 1978-07-15	Seelans Metal Corporation, Madras-600081 (T.N.)	IS : 1660 (Part I)— 1967	S.O. 2215 dated 1981-08-22	1981-09-15	
154. CM/L-0767064 1979-04-02	B.L. Industries, Jaipur	IS : 1308-1974	S.O. 2774 dated 1981-10-31	1981-04-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
155. CM/L-0769165 1979-04-02	B.L. Industries, Jaipur	IS : 565—1975	S.O. 2974 dated 1981-10-31	1984-04-15	
156. CM/L-0778267 1979-05-29	Syndicate Steel Rolling Mills Ltd. Hyderabad	IS : 226—1975	S.O. 3147 dated 1981-11-21	1981-07-31	
157. CM/L-0783866 1979-07-05	G.R. Chemicals, Madras	IS : 261—1966	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15	
158. CM/L-0785062 1979-07-12	Southern Insecticides & Fertilizers, Madras	IS : 2567—1978	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15	
159. CM/L-0785668 1979-07-12	The Reliance Jute & Industries Ltd., Distt. 24 Parganas (West Bengal)	IS : 3994—1967	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15	
160. CM/L-07858769 1979-07-13	Krishna Metal Inds. Hyderabad	IS : 1786—1966	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15	
161. CM/L-0786872 1979-07-19	Madhu Allied Agro Chemical Corpn., Guntur Distt.	IS : 633—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31	
162. CM/L-0787369 1979-07-20	Cochin Tin Factory, Cochin-682005	IS : 10 Part (IV)— 1976	S.O. 3443 dated 1981-12-16	1981-07-31	
163. CM/L-0788270 1979-07-25	Syndicate Steel Rolling Mills Ltd. Hyderabad	IS : 1786—1979	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31	
164. CM/L-0788472 1979-07-25	Nagpur Steel & Alloys Pvt. Ltd. Nagpur-440016	IS : 226—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31	
165. CM/L-0788775 1979-07-25	Shri Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Limited, Ghusuri, Howrah (W.B.)	IS : 226—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31	
166. CM/L-0788876 1979-07-25	-do-	IS : 1977—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31	
167. CM/L-0791966 1979-08-09	Shri Venkateswara Chemical Inds., Adoni (Kurnool Distt.)	IS : 562—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-15	
168. CM/L-0792463 1979-08-10	Ramu Foundry, Coimbatore-641037 (Tamil Nadu)	IS : 6595—1972	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-15	
169. CM/L-0792968 1979-08-17	Air Foam Industries Pvt. Ltd. Madras-600058	IS : 4989—1974	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31	
170. CM/L-0793465 1979-08-20	Aruna Steel Rolling Mills, Madurai Distt.	IS : 1977—1975	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31	
171. CM/L-0793768 1979-08-22	Sharp Thermometer Industries, New Delhi	IS : 3055 (a Part I) — 1977	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31	
172. CM/L-0799376 1979-09-11	Shelat Brothers, Madras-600020	IS : 1051—1973	S.O. 1772 dated 1982-05-15	1981-09-15	
173. CM/L-0799477 1979-09-12	Bluemount Switchgears Associates P. Limited, Coimbatore-641009 (Tamil Nadu)	IS : 1520—1972 IS : 325—1978	S.O. 1772 dated 1981-05-15	1981-09-15	
174. CM/L-0813041 1979-11-12	Bhagsons Paints Industries (India), Delhi-110042	IS : 2932—1974	S.O. 1832 dated 1982-05-22	1981-08-31	
175. CM/L-0813950 1979-11-12	-do-	IS : 2933—1975	S.O. 1832 dated 1982-05-22	1981-08-31	
176. CM/L-0854156 1980-03-31	Consolidated Steels & Alloys Ltd., Distt. Morena (M.P.)	IS : 6914—1978	S.O. 3352 dated 1983-12-10	1981-04-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
177. CM/L-0854257 1980-03-31	Consolidated Steels & Alloys Ltd. Distt. Morena (M.P.)	IS : 6915—1978	S.O. 4452 dated 1983-12-10	1981-04-15	
178. CM/L-0864260 1980-04-22	Tayabi Bucket Factory Bombay	IS : 2552—1979	S.O. 4453 dated 1983-12-10	1981-04-30	
179. CM/L-0871156 1980-06-05	Sulphur Millt Pvt. Ltd., New Bombay (Maharashtra)	IS : 633—1975	S.O. 4459 dat. d 1983-12-10	1981-06-15	
180. CM/L-0871257 1980-06-05	Central Insecticides & Fertilizers, Bombay	IS : 565—1975	S.O. 4459 dat. d 1983-12-10	1981-06-15	
181. CM/L-0872158 1980-06-05	Godavari Plywood Limited, East Godavari Distt. (A.P.)	IS : 4990—1969	S.O. 4459 dat. d 1983-12-10	1981-06-15	
182. CM/L-0875366 1980-06-13	Safex Fire Service s Bombay	IS : 2171—1976	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-06-30	
183. CM/L-0876267 1980-06-18	Nulit Industries, Madras-600098	IS : 261—1966	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-06-30	
184. CM/L-0877370 1980-06-30	Shah Steels Industries Pvt. Ltd., Distt. Thana	IS : 4224—1972	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-07-15	
185. CM/L-0878377 1980-07-09	Marathwada Alloy Steel Co. Ltd., Aurangabad	IS : 6915—1978	S.O. 3453 dat. d 1983-12-17	1981-07-15	
186. CM/L-0879374 1980-07-10	Steel Authority of India Ltd., Durgapur (W.B.)	IS : 4398—1972	S.O. 4533 dat. d 1983-12-17	1981-07-15	
187. CM/L-0881057 1980-07-14	Indore Wire Co. Ltd. Indore-45200 (M.P.)	IS : 1785 (Part I)— 1966	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-07-31	
188. CM/L-0880258 1980-07-14	Indore Wire Co. Limited, Indore 45200 (M.P.)	IS : 003—1970	S.O. 4553 dat. d 1983-12-17	1981-07-31	
189. CM/L-0880460 1980-07-14	Bright Cables, Dhule-110052	IS : 694—1977	S.O. 4533 dat. d 1983-12-17	1981-07-31	
190. CM/L-0880763 1980-07-16	Varuni Cleanser Works Madurai-62500 (T.N.)	IS : 8401—1977	S.O. 4553 dat. d 1983-12-17	1981-07-31	
191. CM/L-0881161 1980-07-23	Varuna-Vayu Food (P) Limited, Nasik-422007 (Maharashtra)	IS : 1011—1968	S.O. 4553 dat. d 1983-12-17	1981-07-31	
192. CM/L-0881666 1980-07-23	Krishna Steel Industries Limited, Thana	IS : 1977—1975	S.O. 4553 dat. d 1983-12-17	1981-07-31	
193. CM/L-0884266 1980-07-29	Hindustan Pulverising Mills, Bombay-400093	IS : 2567—1978	S.O. 4553 dat. d 1983-12-17	1981-07-15	
194. CM/L-0884367 1980-07-29	-do-	IS : 633—1975	S.O. 4533 dat. d 1983-12-17	1981-07-15	
195. CM/L-0884973 1980-07-30	Canara Chemical Inds New Mangalore-575010 (Karnataka)	IS : 261—1965	S.O. 4533 dat. d 1983-12-17	1981-08-15	
196. CM/L-0885066 1980-07-30	Monark Engineering Co. Bombay-400010	IS : 933—1976	S.O. 4533 dat. d 1983-12-14	1981-08-15	
197. CM/L-0885167 1980-07-30	-do-	IS : 933—1976	S.O. 4533 dat. d 1983-12-17	1981-08-15	
198. CM/L-0885874 1980-07-31	Modern Chemicals, Distt. Shimoga (Karnataka)	IS : 2568—1978	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-08-15	
199. CM/L-0886674 1980-07-31	-do-	IS : 7121—1973	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-08-15	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
200. CM/L-0836775 1980-07-31	Morut Agrochemical Industries, Morut (U.P.)	IS : 561—1978	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-07-31	
201. CM/L-0890039 1980-08-19	Anil Rolling Mills (P) Limited, Bangalore-560058	IS : 1786—1979	S. O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
202. CM/L-0890063 1980-08-22	English Rolling Works, Kanpur (U.P.)	IS : 1977—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
203. CM/L-0892065 1980-08-22	Kannapiran Iron Steel Rolling Mills, Coimbatore-641029	IS : 226—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
204. CM/L-0892366 1980-08-22	Kannapiran iron steel Rolling Mills, Coimbatore-641029	IS : 1977—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	

[No. C.M.D./13/14]

का.पा. 2343:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहून) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के संशोधन वर्णित किये गये हैं उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के अधीन प्रवर्तन शक्तियों के अनुसार जारी किये गये हैं:—

## अनुसूची

क्रम सं	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और पदनाम	गजट अधिसूचना की संख्या एवं तिथि जिसमें भारतीय मानक का निर्धारण अधिसूचित हुआ था	संशोधन की संख्या एवं तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 10 (भाग 1) 1976 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्ट भाग 1 सामान्य (बीजा पुनरीक्षण)	एस ओ 97 दिनांक 12 जनवरी, 1980	नं 3 अगस्त 1983	[पृष्ठ 5, सारणी 1, स्तम्भ 2, क्रम संख्या (II) मद (4), संशोधन नं 1 एवं 2 देखें] मद 3 के बाद निम्नलिखित नया मद जोड़ें : "4 [20 से 30 ग्रा/मी <sup>2</sup> कागज वाली 0.009 सीमी की परतदार एलुमि- नियम पर्णों, IS : 8970—1978 औषधीय एवं खाद्य पदार्थों की संघर्ष हेतु एलुमिनियम कागज की परतदार पर्णों की विशिष्टि के समानरूप	1983-08-31
2.	IS : 1977-1977 सूती ड्रिल की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 2118 दिनांक 9 अगस्त 1980	नं 4 जुलाई 1980	सारणी 1 को संशोधित किया गया है।	1983-07-31
3.	IS : 179-1977 सूती बोसूती की विशिष्टि (बूसरा पुनरीक्षण)	नहीं	नं 2 जुलाई 1983	(पृष्ठ 5, सारणी 1 स्तम्भ शीर्षक "परिमाण") "परिमाण" के स्थान पर "परिमाण" जी/एम <sup>2</sup> कर दें।	1983-07-31
4.	IS : 205-1979 ब्रलोह घातु के प्रकार कजों की विशिष्टि	एस ओ 2883 दिनांक 17 अक्टूबर 1981	नं 1 अगस्त 1983	1. सारणी 1. 2 तथा 6 को संशोधित किया गया है। 2. "+" चिह्न वाली पाद टिप्पणी के बाद (पृष्ठ 9) पर "+" चिह्न वाली नई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।	1983-08-31
5.	IS : 208-1979 हार हृत्तों की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3428 दिनांक 3 सितम्बर 1983	नं 2 जुलाई 1983	सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. IS : 210-1978 धूसर मोहरे की इलाई की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 1550 दिनांक 23 मई 1981	नं 1 अगस्त 1981	1. (पृष्ठ 4, "+" चिह्न वाली पाद टिप्पणी) वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : " + धातु कमीय सामग्री की आपूर्ति हेतु सामान्य अपेक्षाएं ।" 2. (पृष्ठ 13, परिशिष्ट सी, स्तम्भ शीर्षक "एकक")—इस स्तम्भ में जहाँ कहीं भी यह आता हो वहाँ "जी एन/एस एम 3" के स्थान पर "जीएम" कर दें ।	1983-08-31	
7. IS : 269-1976 साधारण एवं अल्प ताप पोर्टलैंड सीमेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3611 दिनांक 24 मितम्बर 1983	नं 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, सारणी 1, क्रम संख्या (III), स्तम्भ 3)—वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : "4 प्रतिशत से अधिक नहीं" 2. (पृष्ठ 9, खण्ड 9.2, सारांश) हटा दें । 3. खण्ड 0.4.1 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ा गया है ।	1983-07-31	
8. IS : 302-1979 घरेलू एवं ऐसे ही बिजली के उपकरणों की सामान्य एवं सुरक्षा अपेक्षाएं (पांचवां पुनरीक्षण)	एस ओ 3611 दिनांक 24 मितम्बर 1983	नं 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 19, खण्ड 7.1 (डी) वर्तमान मक के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : "डी" वाट्स में निर्गत गति प्रथवा एम्पियरसा में करके गति" 2. खण्ड 0.7 के बाद खण्ड 0.8 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संख्या दी गई है । 3. पाद टिप्पणी सहित खण्ड 33.1, 33.2 का संशोधन किया गया है । 4. " " चिह्न वाली पाद टिप्पणी के बाद "+" चिह्न वाली एक नई पाद टिप्पणी (पृष्ठ 110) पर जोड़ी गई है ।	1983-07-31	
9. IS : 363-1976 कुण्डों एवं स्टेपलों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 417 दिनांक 23 फरवरी 1980	नं 1 जुलाई 1983	सारणी 2 एवं 4 को संशोधित किया गया है ।	1983-07-31	
10. IS : 455-1976 पोर्टलैंड स्वेज सीमेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3822 दिनांक 24 नवम्बर 1979	नं 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 4.2, भौतिक/रासायनिक सारणी, दूसरा स्तम्भ, प्रतिशत पंक्ति) "2.5" के स्थान पर "4" कर दें । 2. (पृष्ठ 9, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) हटा दें । 3. खण्ड 0.6 के बाद एक नया खण्ड जोड़ा गया है तथा अनुवर्ती खण्डों को तदनुसार फिर से संख्यांकित किया गया है ।	1983-07-31	
11. IS : 565-1975 डीडीटी अल बिस्त्रीयपूर्ण साम्र की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 1598 दिनांक 19 मई 1979	नं 1 अगस्त 1983	खण्ड 2.1.1 के बाद एक नया खण्ड 2.1.2 जोड़ा गया है ।	1983-08-31	
12. IS : 633-1975 डीडीटी पायसनीय साम्र की विशिष्टि	एस ओ 1597 दिनांक 19 मई 1979	नं 3 अगस्त 1983	खण्ड 2.1.1 के बाद एक नया खण्ड 2.1.2 जोड़ा गया है ।	1983-08-31	
13. IS : 1113-1965 घमो-नियम बलोराइड, तकनीकी एवं शूट की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एस ओ 2820 दिनांक 11 मितम्बर 1965	नं 2 जुलाई 1983	खण्ड बी-4 से बी-4.2.1 के स्थान पर नये खण्ड दिये गये हैं ।	1983-07-31	

\*भारतीय मानक संस्था की प्रकाशन विज्ञापन हेतु यह संशोधन 1984-05-01 से लागू होगा ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14. IS: 1184-1977 सूती वस्त्र उद्योग के लिए मफई की माड़ी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2118 दिनांक 9 अगस्त 1980	नं. 2 अगस्त 1983	(यह संशोधन मुख्यतः बिस्फा-सिता के मूल्यों की जाँच मानक में अस्थायी आधार पर किए गए थे। देने हेतु जारी किया गया है। प्रोटीन तत्व की आवश्यकता को हटाया जा रहा है क्योंकि इसे अकार्बोहाइड्रेट आवश्यकता समझा जाता है जबकि वस्त्र उद्योग में माड़ी का प्रयोग होता है।	1983-08-31	
15. IS: 1239 (भाग 1)- 1965 मुहु इस्पात की ट्यूबों, नलाकार एवं अन्य पिटेवां इस्पात की फिटिंगों विशिष्टि भाग 1 मुहु इस्पात ट्यूबों (प्रीषा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1341 दिनांक 3 अप्रैल 1982	नं. 3 जुलाई 1983	1. खण्ड 6.1 एवं 6.1.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 6, "x" एवं "+" चिह्नों वाली पाद टिप्पणियों) वर्तमान पाद टिप्पणियों के स्थान पर निम्नलिखित कर दें: "इस्पात के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ"	1983-07-31	
16. IS: 1264-1981 पीतल की बनस्य डार्ड डसार्ड (बातु पिण्ड एवं डसार्ड) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 4, सारणी 2, स्तम्भ रोड डी सी बी 2 के अन्तर्गत दूसरी प्रविष्टि) — "20" के स्थान पर "15" कर दें।	1983-07-31	
17. IS: 1283-1968 साइकिल के फ्रीव्हील तथा वेन को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 4 दिसम्बर 1981	1. पृष्ठ 5 पर वर्तमान आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है। 2. खण्ड 11.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 3. (पृष्ठ 8) पर "+" चिह्न वाली वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1981-09-30	
18. IS: 1283-1968 साइ-किल की फ्रीव्हील एवं वेन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 5 अक्टूबर 1983	खण्ड 10.1 तथा 10.2 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1983-10-31	
19. IS: 1342-1978 तेल वायु स्टोवों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3450 दिनांक 2 अक्टूबर 1982	नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 9.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खण्ड 6.1.3)-खण्ड 6.1.3 के अन्त में निम्न-लिखित नया वाक्य जोड़ दें: "टॉर्क जब स्टोव के मुख्य भाग से जोड़ा जाए तो स्पर्श के स्थान पर बराबर होनी।"	1983-07-31	
20. IS: 1371-1978 ग्रीयो-गिक भवनों की इस्पात बिड़कियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2862 दिनांक 17 अक्टूबर 1981	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 5.2, 6.4, 8.1 तथा 9.9 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. वर्तमान आकृति 3 (पृष्ठ 10) एवं आकृति 5 (पृष्ठ 14) के स्थान पर नई आकृतियाँ दी गई हैं। 3. (पृष्ठ 11, खण्ड 9.5, पहली पंक्ति) — "Standardized" के स्थान पर "Sherardized" कर दें।	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				4. (पृष्ठ 17, खण्ड 10.1, तीसरा पंक्ति) — “20 सीमी” के स्थान पर “25 सीमी” कर दें।	
				5. खण्ड 11.1 का संशोधन किया गया है।	
				6. (पृष्ठ 16, खण्ड 9.7) — खण्ड 9.7 के अंत में निम्नलिखित नई सामग्री जोड़ दें : “पकड़ 3.15 एम एम पतली मृदु इस्पात की चावर से बनाई जाएगी।	
				7. खण्ड 9.9 एवं 11.1 के बाद क्रमानुसार खण्ड 9.10 एवं 11.1.1 जोड़े गए हैं।	
21. IS: 1417-1981 सोना — एवं सोना मिश्र धातु के ग्रेड (दूसरा पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983		खण्ड 3.1 की अनौपचारिक सारणी को संशोधित किया गया है।	1983-07-31
22. IS: 1489-1976 पोर्ट- लैंड पोजोलाना सीमेंट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. नो. 3822 दिनांक 24 नवम्बर 1979	नं. 2 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 6, खण्ड 3.1.2 (आ), पंक्ति 4) — “50 के जो/सी एम <sup>2</sup> ” के स्थान पर “40 किग्रा/मी <sup>2</sup> ” कर दें। 2. (पृष्ठ 7, खण्ड 5.2) — छटा दें। 3. सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 4. खण्ड 0.5 के बाद खण्ड 0.5.1 जोड़ा गया है। 5. खण्ड 0.6.2 के बाद खण्ड 0.7 जोड़ा गया है और अनु-वर्ती खण्डों की संवन्धन फेर संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31
23. IS: 1540 (भाग 2) — 1978 रासायनिक उद्योग हेतु अनुश्रुति करने एवं जल- योजित करने की विशिष्टि भाग 2 जलयोजित गुना (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. नो. 1728 दिनांक 15 जनवरी 1981	नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 5.2.1 एवं 5.3.1 को संशोधित किया गया है। 2. खण्ड 5.3.1 एवं 5.3.2 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1983-07-31
24. IS: 1543-1964 एक मिलिट्रीर वाले ईंधन इंजिन- शन पम्पों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस. नो. 1501 दिनांक 8 मई 1983	नं. 1 नवम्बर 1983		1. खण्ड 6.2 के स्थान पर भया खण्ड दिया गया है। 2. श्रृंखला 4 के अन्तर्गत एक नया नोट जोड़ा गया है। 3. खण्ड 6.3 को संशोधित किया गया है। 4. सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1983-09-30
25. IS: 1606-1977 सूती बस्त्र उद्योग के टेक्सटिला स्टार्च की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. नो. 2118 दिनांक 9 अगस्त 1980	नं. 2 जुलाई 1983		खण्ड 2.1 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31
26. IS: 1624-1974 भवन निर्माण की छूने के क्षेत्र परीक्षण के विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. नो. 988 दिनांक 6 मार्च 1980	नं. 2 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2.3, चौथी पंक्ति) — “क्षेत्रों की” के स्थान पर “क्षेत्रों ए” कर दें।	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				2. (पृष्ठ 5, खण्ड 5.2, अन्तिम पंक्ति)—"श्रेणी बी" के स्थान पर "श्रेणी ए" कर दें।	
27. IS : 1848-1991 लेखन एवं छापाई के कागज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 4.2 (सी) की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।  2. खण्ड 0.3 के बाव नए खंड 0.3.1 एवं 0.3.2 जोड़े गए हैं। 3. खण्ड 3.2 के बाव एक नई टिप्पणी जोड़ी गई है। 4. खण्ड 5.3.2 के बाद एक नया परिशिष्ट ए जोड़ा गया है।	1983-07-31
28. IS : 1856-1977 दुपाई एस. प्रो. 1606 कागजों के इस्तेमाल के तार के दिनांक 14 जून 1980 रस्सों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)		नं. 1 अगस्त 1983		1. सारणी 3 एवं 4 को संशोधित किया गया है।  2. सारणी 1 में नई प्रविष्टियों की गई है। 3. (पृष्ठ 2, सारणी 1, टिप्पणी 2) — टिप्पणी 2 के बाव निम्नलिखित नई टिप्पणी जोड़ी गई है : "टिप्पणी 3" कोष्ठक वाला सांकेतिक ब्याप्त अनिवार्य है।	1983-08-31
29. IS : 1979-1971 उच्च एस. प्रो. 3255 परीक्षण साइम साइम की दिनांक 24 नवम्बर 1973 विशिष्टि		नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 6.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 5) पर "a" बिन्दुन वाली पाठ टिप्पणी के स्थान पर नई पाठ टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31
30. IS : 2033-1977 सूती एस. प्रो. 21 18 वस्त्र उद्योग के टेक्नोलॉजी दिनांक 9 अगस्त 1980 आटे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		नं. 2 जुलाई 1983		यह संशोधन मुख्यतः लसीलापन के मूल्यों को देने हेतु जारी किया गया है जो कि इस मानक में अस्थायी आधार से दिए गए थे।	1983-07-31
31. IS : 2039-1981 साइ-किल एवं सम्बद्ध प्रयोग हेतु इस्तेमाल की ट्यूबों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जुलाई 1983		1. खण्ड 7.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 6) पर "a" बिन्दुन वाली वर्तमान टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31
32. IS : 2200-1973 कौतिक एस. प्रो. 7778 धुरी वाली परिचाली ऊँकाई दिनांक 21 फरवरी 1976 की टेबल वाली पेषण मशीनों के परीक्षण आई (पहला पुनरीक्षण)		नं. 4 अगस्त 1983		(पृष्ठ 8, 1 व्यापारिक परीक्षण (संशोधन नं. 2 भी देखें) क्रम संख्या 15, स्तम्भ 5, स्थानापन्न ii)—"a" तथा "b" के स्थान पर क्रमानुसार "a" और "b" कर दें।	1983-08-31
33. IS : 2257-1981 कागज के बेपवार सरल मोड़ तथा कार्यालय वेस्ट टाइप, की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 अगस्त 1983		1. खंड बी-2.4 एवं बी-3.1 को संशोधित किया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खंड बी-2.1, पंक्ति 2) — "सामग्री के" के बाव "उसी प्रकार के और" जोड़ें।	1983-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. IS: 2325-1981 मोटरों के लिए बैटरी का खल प्रज्वलन तंत्र की प्रथम कालों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 9, खंड 7.0.4 टिप्पणी)— हटा दें। 2. खंड 7.0.4 के बाद नया खंड 7.0.4.1 जोड़ा गया है। 3. बी-1.7(ई) के बाद नयी परिशिष्ट सी जोड़ी गई है।	1983-07-31	
35. IS: 2552-1979 इस्पात एस.ओ. 3449 के इम (कलईवार एवं बिना कलईवार) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	विनांक 2 अक्टूबर, 1982	नं. 1 मार्च 1984	1. सारणी 2 को संशोधित किया गया है। 2. वर्तमान धातु-1 (पृष्ठ 7) के स्थान पर नई धातु दी गई है।	1984-03-31	
36. IS: 2512-1965 बिजुल एस.ओ. 2042 बटनों के हेतु टाइम अनु-मोवन एवं नमूना प्रक्रिया की सिफारिश	विनांक 26 जून, 1965	नं. 1 जुलाई, 1983	खंड 2.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-07-31	
37. IS: 2716-1972 हरे एस.ओ. 770 अर्क की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विनांक 8 मार्च, 1975	नं. 2 जुलाई, 1983	खंड 7.2, 7.2.1 एवं 7.2.2 को स्थान पर नए खंड दिए गए हैं।	1983-07-31	
38. IS: 2720 (भाग II)— 1971 मिट्टी के परीक्षण की विधियां भाग 11 छिद्र वाली को माप के बिना असमेकित धनपचाह द्राइआकिसमल संपीडन में जांचे नमूने के प्रतिबल क्षमता प्राप्ति की निर्धारण	एस.ओ. 398 विनांक 5 फरवरी 1972	नं. 3 अगस्त 1983	1. खंड 2.2.10 एवं 4.3 को संशोधित किया गया है। 2. “*” चिन्हों वाली वर्तमान पाठ टिप्पणियों (पृष्ठ 5 एवं 9) के स्थान पर नई पाठ टिप्पणियां दी गई हैं।	1983-08-31	
39. IS: 2720 (भाग 19)— 1964 मिट्टी परीक्षण की विधियां भाग 19 भयानी नमी सम जात करना	एस.ओ. 3866 विनांक 14 नवम्बर, 1984	नं. 1 अगस्त 1983	खंड 3(ई) तथा 4.1 को संशोधित किया गया है।	1983-08-31	
40. IS: 2720 (भाग 22)— 1972 मिट्टी परीक्षण की विधियां भाग 22 कार्बनिक सामग्री जात करना (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 1265 विनांक 25 मई, 1974	नं. 1 अगस्त 1983	1. खंड 3.1.3 एवं 5.1 को संशोधित किया गया है। 2. “*” चिन्ह एवं “+” चिन्हों वाली वर्तमान पाठ टिप्पणियों (पृष्ठ 5) के स्थान पर नई पाठ टिप्पणियां दी गई हैं।	1983-08-31	
41. IS: 2720 (भाग 34)— 1972 मिट्टी परीक्षण विधियां भाग 34 स्थान पर रख-गुब्बारा बिधि द्वारा मिट्टी का घनत्व जात करना	एस.ओ. 510 विनांक 23 फरवरी, 1974	नं. 1 अगस्त 1983	1. खंड 2.3 एवं 4.4 को संशोधित किया गया है। 2. “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4), और “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 6) और “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 8 एवं 9) की वर्तमान पाठ टिप्पणियों के स्थान पर नई पाठ टिप्पणियां दी गई हैं। 3. खंड 3.1 और 4.3 की टिप्पणियों का संशोधन किया गया है।	1983-08-31	
42. IS: 3040-1980 भारतीय सेमस की रई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 अगस्त 1983	भारतीय सामग्री के रूप में प्रयुक्त सेमस की रई के विभिन्न वास्तविक नामों को स्पष्ट करने हेतु यह संशोधन जारी किया गया है।	1983-08-31	
43. IS: 3224-1979 द्रविय पेट्रोलियम गैस (एल पी जी) मिलिडरो के प्रलाभा संपीडित गैस सिलिंडरों के घाल्य फिटिंगों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 2 दिसम्बर 1983	(पृष्ठ 25, सारणी 10 टिप्पणी)— हटा दें।	1985-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
44. IS: 3236-1980 सामान्य प्रयोग हेतु अणुस्तरणीय सिरिज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 4, खंड 0.3.1, ध्वनिचित्र वाक्य)—हटा दें। 2. (पृष्ठ 9, खंड 5.1)—खंड 5.1 के बाद निम्नलिखित नए खण्ड को जोड़े तथा अनुवर्ती खण्डों की तबनुसार फिर से संख्यांकित करें। "5.1.1 टाब्ल 1 के सिरिजों पर "विनिमय योग्य" शब्द भी अंकित होना चाहिए।"	1983-07-31	
45. IS: 3400 (भाग 11)— 1969 बल्कनीकृत रबर की परीक्षण विधियाँ, भाग 11 प्रतिघोट मोड	एस.ओ. 1236 विनांक 4 अप्रैल 1970	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 5, खंड 4.1.1.1 पैरि 4)— "400.00+0.04" के स्थान पर "4.00+0.04" कर दें।	1983-07-31	
46. IS: 3464-1980 प्लास्टिक का फर्श आवरण एवं दीवार की टाइलों की परीक्षण विधियाँ (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 अगस्त 1983	(पृष्ठ 16, खंड 14.3 पैरि 1)— "150 मी मी" के स्थान पर "150 मी मी" कर दें।	1983-08-31	
47. IS: 3466-1967 जिनाई सीमेंट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 287 विनांक 20 जनवरी 1968	नं. 1 जुलाई 1983	1. खंड 2.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खंड 10.2 दूसरा वाक्य) हटा दें। 3. खंड 0.3.1 के बाद नया खंड 0.4 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों को तबनुसार फिर से संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31	
48. IS: 3510-1966 जोजार निर्मिता के फ्लैट एवं उच्च परिष्कृति तल प्लेटों की विशिष्टि	एस.ओ. 2602 विनांक 27 अगस्त 1966	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 3, खंड 0.2, पैरि 3)— "IS: 2285-1963*" के स्थान पर "IS: 2285-1974*" कर दें। 2. (पृष्ठ 3, "*" चिन्ह वाली पाद टिप्पणी)—वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें; "※" बलवां छोड़े की तल प्लेटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)" 3. "※" एवं "†" चिन्ह वाली पाद टिप्पणियों (पृष्ठ 4) के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-07-31	
49. IS: 3828-1978 दाब टाब्ल वाले सेंटिज बेलनाकार एवं सेंटिज आयताकार वाण्य निजमकों, अस्पताल एवं औद्योगीय प्रयोग हेतु की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2863 विनांक 17 अक्टूबर, 1981	*नं. 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 14, खंड 10.1.3 पैरि 3)—"पर" के स्थान पर "अथवा" कर दें। 2. खंड 7.1.1 को संशोधित किया गया है।	1983-07-31	
50. IS: 3918-1966 जल प्रवाह के माप हेतु (कप टाब्ल) धारा मापी के प्रयोग की रीति संहिता	एस.ओ. 1972 विनांक 10 जनवरी 1967	नं. 1 जुलाई 1983	खंड 5.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-07-31	
51. IS: 3961 (भाग 3)— 1968 केबलों की सिकाफिशी करन्ट रेटिंग, भाग 3 रबर रोधित केबलें	एस.ओ. 368 विनांक 25 जनवरी 1969	नं. 1 सितम्बर 1983	(पृष्ठ 5, खंड 3.1, प्रविष्टि (बी), दूसरे स्तम्भ के नीचे)—"विसप-दार सीधी एवं असंलग्न" के स्थान पर "विलपदार सीधी एवं असंलग्न" कर दें।	1983-09-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
52. IS : 4246-1978 ब्रजित एस ओ 2584 पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयोग के बरेलू गैस स्टोवों की विशिष्टि	दिनांक 3 अक्टूबर 1981	नं. 2 मार्च 1983	वर्तमान खंड 28.1 (एफ) के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-03-31.	
53. IS : 4301-1967 डलाई-बर की खपटी कुशों की विशिष्टि	एस.ओ. 520 दिनांक 10 फरवरी, 1968	नं. 2 जुलाई 1983	(पृष्ठ 6, खण्ड 16.1, टिप्पणी) — वर्तमान टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : “टिप्पणी—एसटीपी पर 1 लीटर गैस का समूह—2.46 जी.” 2. खण्ड 17.3 को संशोधित किया गया है। 3. खण्ड 0.2 के बाद नया खण्ड 0.2.1 जोड़ा गया है।	1983-07-31	
54. IS : 4308-1982 भाग बुझाने के शुष्क चूर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 अगस्त 1983	(पृष्ठ 5, खण्ड 3.2, पंक्ति 3) — “10 से अधिक” के स्थान पर “और 10 से अधिक नहीं” कर दें।	1983-08-31	
55. IS : 4332 (भाग 1) — 1967 स्थिरकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 1 नमूने लेने एवं परीक्षण हेतु स्थिरकृत मिट्टी तैयार करने की विधियाँ	एस.ओ. 683 दिनांक 24 फरवरी 1968	नं. 1 अगस्त 1983	1. खण्ड 3.2.1 एवं 3.3 का संशोधन किया गया है। 2. “—” चिह्न वाली वर्तमान पाद-टिप्पणियों (पृष्ठ 5 एवं 6) के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31	
56. IS : 4332 (भाग 3) — 1976 स्थिरकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 3 स्थिरकृत मिट्टी मिश्रणों के जलांश शुष्क घनत्व सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए परीक्षण	एस.ओ. 1719 दिनांक 18 मई 1968	नं. 1 अगस्त 1983	1. खण्ड 2.1, 3.6, 7.1, 3.1 एवं 7.2.3 का संशोधन किया गया है। 2. खण्ड 3.1 से 3.2.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 3. “*” चिह्न वाली पादटिप्पणियों (पृष्ठ 4, 7, 10 एवं 11) के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं। 4. (पृष्ठ 5 एवं 6, प्राकृति 1.2 एवं 3) — हटा दें।	1983-08-31	
57. IS : 4332 (भाग 4) 1968 स्थिरकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 4 संश्लिष्ट मिट्टी सीमेंट मिश्रण के प्राद्वंण एवं शुष्कन तथा हिमीकरण एवं द्रवण परीक्षण	एस.ओ. 3152 दिनांक 14 सितम्बर 1988	नं. 1 अगस्त 1433	1. खण्ड 2.1 एवं 2.2 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 5, खण्ड 3.1.3, पंक्ति 2) — “IS : 269-1967 ‡ अथवा IS : 455-1967” के स्थान पर IS : 269-2076 ‡ अथवा IS : 455-1976” कर दें। 3. “‡” एवं “§ ” चिह्नों वाली वर्तमान पादटिप्पणियों (पृष्ठ 5) के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं।		
58. IS : 4332 (भाग 8) — 1969 स्थिरकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 8 बुने वाली स्थिरकृत मिट्टी में बुने का घंश ज्ञात करना	एस.ओ. 4848 दिनांक 6 दिसम्बर 1969	नं. 1 अगस्त 1983	1. (पृष्ठ 4, खण्ड 3.5, पंक्ति 2) — “IS : 460-1962*” के स्थान पर “IS : 460 (भाग 1) — 1978*” कर दें। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4, 5, 8 एवं 13) पर वर्तमान पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
59. IS : 4332 (भाग 9)– 1970 स्थिरीकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 9 बिटुमन एवं डामर स्थिरीकृत मिट्टी में बिटुमनी स्थिरीकारक अंश ज्ञात करना	एस.ओ. 1635 दिनांक जुलाई 1972	नं. 1 अगस्त 1983	1. खण्ड 2.1, 3.8.1 एवं 13.4 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4, 5, 8 एवं 13) पर वर्तमान पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं। 3. (पृष्ठ 8, खण्ड 6.5, टिप्पणी)– “IS : 1215-1958*” के स्थान पर “IS : 1215-1978*” कर दें।		
60. IS : 4332 (भाग 10)– 1969 स्थिरीकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 10 मिट्टी बिटुमनी मिश्रणों की परीक्षण	एस.ओ. 3544 दिनांक 25 सितम्बर 1971	नं. 1 अगस्त 1983	1. (पृष्ठ 8, खण्ड 2.10, पैरि 2)– “IS : 480-1962*” के स्थान पर “IS : 480 (भाग 1)–1978*” कर दें। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 8) पर वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-08-31	
61. IS : 4503-1978 शैल एवं द्रव्य टाइप वाले ताप वि- निमयकों की विशिष्टि	एस.ओ. 4599 दिनांक 28 दिसम्बर 1968	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 22, खण्ड 10.3.2, पैरि 2)– “चार गुणा” के स्थान पर “11/2” कर दें।	1983-07-31	
62. IS : 4516-1968 दीर्घवृत्तकार मृदु इस्पात द्यूनों की विशिष्टि	एस.ओ. 2578 दिनांक 20 जुलाई 1958	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 3, “+” चिह्न वाली पाद- टिप्पणी)–वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें :— “इस्पातों के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ”	1983-07-31	
63. IS : 4723-1978 अण्डा कूर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 2272 दिनांक 29 अगस्त 1981	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 6, सारणी 1, स्तम्भ 3 क्रम संख्या 12 के सामने)–“100” के स्थान पर “50” कर दें।	1983-07-31	
64. IS : 4922-1968 वायुयान प्रयोगों की अलाई योग्य नीचमरहित इस्पात द्यूनों की विशिष्टि	एस.ओ. 1455 दिनांक 19 अप्रैल 1969	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “+” चिह्न वाली (पृष्ठ 4) पर वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	
65. IS : 4923-1968 संरचना प्रयोग के लिए खोखले इस्पात मेकनलों की विशिष्टि	एस.ओ. 2330 दिनांक 14 जून 1969	नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 5.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 4, “*” चिह्न वाली पाद- टिप्पणी)–हटा दें।	1983-07-31	
66. IS : 5433-1968 तेल के कुओं के लिए इस्पात के केसन पाइपों एवं योजकों की विशिष्टि	एस.ओ. 5032 दिनांक 6 नवम्बर 1971	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 5.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4) की पादटिप्पणी के स्थान पर नई पाद- टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67. IS : 5489-1975 बियरिंग उद्योग के प्रयोग के लिए कार्बो-रीकर इस्पात की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 3530 दिनांक 19 नवम्बर 1977	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।  2. (पृष्ठ 4, “*” से “SS” चिह्न वाली पादटिप्पणियाँ) —वर्तमान सभी पाद टिप्पणियों के स्थान पर निम्नलिखित पादटिप्पणी कर दें :— “*” इस्पातों के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ” ।	1983-07-31	
68. IS : 5504-1969 सपिल बेलिष्ठताओं की विशिष्टि	एस.ओ. 3015 दिनांक 14 अगस्त 1971	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 5.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 5) पर वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	
69. IS : 5621-1980 विद्युत उपकरण में प्रयोग हेतु खोखले रोधकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. —	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 10, खण्ड 4.4.1, 4.4.1.1, 4.2.4.2.1 एवं 4.2.2) —हटा दें। 2. वर्तमान आकृतियाँ 2 (पृष्ठ 13) 6 (पृष्ठ 16) एवं 10 बी (पृष्ठ 22) के स्थान पर नई आकृतियाँ दी गई हैं।	1983-07-31	
70. IS : 5718 1980 बीज रोधकों की परीक्षण संहिता (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 219 दिनांक 2 जनवरी 1984	नं. 1 जुलाई 1983	खण्ड 8.2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31	
71. IS : 5912 1980 पवन-मापी सहजगक की विशिष्टि	एस.ओ. 1555 दिनांक 24 जनवरी 1972	नं. 2 सितम्बर 1983	1. खण्ड 3.2, 3.5, 3.6, 5.1.2 एवं 5.2.1 से 5.2.3 के स्थान पर नये खण्ड दिये गये हैं। 2. (पृष्ठ 4, आकृति 1) “प्रतिबल बियरिंग” के स्थान पर “बाल बियरिंग” कर दें।	1983-09-30	
72. IS : 5924-1970 मौसम-विज्ञान सम्बन्धी उपकरणों हेतु क्लाक व्यवस्था एवं क्रमों की विशिष्टि	एस.ओ. 1635 दिनांक 8 जुलाई 1972	नं. 1 सितम्बर 1983	(पृष्ठ 3, खण्ड 2.5, पंक्ति 2 “1.6 मिमी/घं” के स्थान पर “1.64 मिमी/घं” कर दें।	1983-09-30	
73. IS : 5973-1970 कड़ाही बाष्पन मापी की विशिष्टि	एस.ओ. 3318 दिनांक 21 अक्तूबर 1972	नं. 2 सितम्बर 1983	1. खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. आकृति 1 का संशोधन किया गया है।	1983-09-30	
74. IS : 6011-1970 वायु सेवाओं के लिये चालू जहाजों में प्रयोग हेतु कार्बन इस्पात की द्यूनों की विशिष्टि	एस.ओ. 3305 दिनांक 21 अक्तूबर 1972	नं. 1 अगस्त 1983	1. खण्ड 6.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।  2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 5) की वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-08-31	
75. IS : 6271-1971 धातु पालिश (विशेष) की विशिष्टि	एस.ओ. 2975 दिनांक 13 अक्तूबर 1973	नं. 1 अगस्त 1983	1. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2(बी)) —“शुद्ध भार के स्थान पर “शुद्ध तलवा” कर दें। 2. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2(डी)) — 4.2(डी) के बाद निम्नलिखित नई सामग्री जोड़ दें : “e” पैकिंग वस्तु अधिनियम के अन्वय प्रावधान” ।	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. IS : 6286-1971 प्रघो- मय्य ताप सेवा के लिये सीवनरहित एवं वैलिड हस्ता की पाइपों की विशिष्टि	एस.ओ. 231 दिनांक 26 जनवरी 1974	नं. 1 अगस्त 1983		1. खण्ड 5.1 के स्थान पर नया खण्ड विया गया है। 2. “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4) की वर्तमान पाइपिणी के स्थान पर नई पाइ टिप्पणी की गई है।	1983-08-31
77. IS : 6452-1972 संरचना प्रयोग की उच्च एलुमिनी सीमेंट की विशिष्टि	एस.ओ. 510 दिनांक 23 फरवरी 1974	नं. 2 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 7, खण्ड 8.2 दूसरा वाक्य) — हटा दें। 2. खण्ड 0.4 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों को तदनुसार फिर से संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31
78. IS : 6631-1972 जल कार्यों के लिये हस्ता द्यूबों की विशिष्टि	एस.ओ. 115 दिनांक 11 मई 1975	नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड विया गया है। 2. “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4) की वर्तमान पाइपिणी के स्थान पर नई पाइ टिप्पणी की गई है।	1983-07-31
79. IS : 6647-1972 सेल अथवा प्राकृतिक गैस के कुओं में प्रयोग के ब्रेकन पाइपों की विशिष्टि	एस.ओ. 2015 दिनांक 28 जनवरी 1975	नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 5.1 के स्थान पर नया खण्ड विया गया है। 2. (पृष्ठ 4, “*” चिन्ह वाली पाइ- टिप्पणी) —हटा दें।	1983-07-31
80. IS : 6704-1972 रंजित फर्श की पालिश, वेस्ट की विशिष्टि	एस.ओ. 770 दिनांक 8 मार्च 1975	नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 2.2 के स्थान पर नया खण्ड विया गया है। 2. (पृष्ठ 5, खण्ड 3.2.2 (ई)) — 3.2.2 (ई) के बाद निम्नलिखित जोड़ दें :— (एफ) पैकिंग वस्तु अधिनियम के अन्वय प्रावधान”	1983-07-31
81. IS : 6766-1972 निकेल एवं लेपित सतहों के लिये प्रयुक्त पाण्डु मिश्रण की विशिष्टि	एस.ओ. 1604 दिनांक 24 मई 1975	नं. 1 जुलाई 1983		(पृष्ठ 5, खण्ड 3.2.2 (डी)) 3.2.2 (डी) के बाद निम्नलिखित जोड़ दें : “ई) पैकिंग वस्तु अधिनियम के अन्वय प्रावधान”।	1983-07-31
82. IS : 6909-1973 सुरपर स फटेड सीमेंट की विशिष्टि	एस.ओ. 2015 दिनांक 28 जून 1975	नं. 1 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 7, खण्ड 7.2, सरा वाक्य) हटा दें। 2. खण्ड 0.2 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31
83. IS : 7080 (भाग 1) — 1981 एम टी पी चूषण उपस्कर की विशिष्टि भाग 1 हस्त चालित एवं बिद्युत् चालित एम टी पी चूषण उपस्कर (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. दिनांक 28 जून 1975	नं. 1 अगस्त 1983		1. (पृष्ठ 1, खण्ड 3.1, पंक्ति 3 एवं 4) —दो शब्दों को हटा दें : “अथवा ठोस बिजली पीतल की द्यूब : 407- 1966 सामान्य कार्यों की पीतल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण के अनुरूप”। 2. खण्ड 3.3.1 तथा 4.2.1 के स्थान पर नये खण्ड दिए गए हैं। 3. (पृष्ठ 1, खण्ड 4.1.4, पंक्ति 1) — “प्राकृति 3” के स्थान पर “प्राकृति 2” कर दें। 4. (पृष्ठ 1, खण्ड 4.1.6) हटा दें। 5. (पृष्ठ 4, खण्ड 5.3, पंक्ति 1) — “700 मिमी” के स्थान पर “650 मिमी” कर दें।	1983-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
84. IS : 7138-1973 फर्नीचर एस.ओ. 182 प्रयोग की इस्पात द्यूनों की दिनांक 10 जनवरी 1976 विशिष्टि		नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 3, “+” एवं “\$” चिन्ह वाली पावटिप्पणियाँ) हटा दें।	1983-07-31	
85. IS : 7174-1974 0.7 एस.ओ. 173 से 1.7 एन मिमी <sup>2</sup> के दिनांक 3 जनवरी 1976 कार्यकारी बाब की कार्यरत जहाजों पर प्रयोग हेतु कार्बन इस्पात की द्यूनों की विशिष्टि		नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 6.1.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 5, खण्ड 8.1.1.1) — “6.1.1.1 के स्थान पर “6.1.2.1” कर दें। 3. “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 5) की वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	
86. IS : 7347-1974 लघु एस.ओ. 1597 आकार के स्फुलिंग प्रवर्तन दिनांक 8 मई 1976 इंजनों के कार्यकारिता की विशिष्टि		नं. 1 जुलाई 1983	1. पृष्ठ 1 पर वर्तमान शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है। 2. खण्ड 1.1.1 तथा 8.2.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1983-07-31	
87. IS : 8036-1976 मद् एस.ओ. 1599 इस्पात की ट्रांसफार्मर कुलिंग दिनांक 19 मई 1979 द्यूनों की विशिष्टि		नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “*” एवं “+” चिन्हों वाली (पृष्ठ 4) वर्तमान पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-07-31	
88. IS : 8041-1978 शीघ्र एस.ओ. 2272 दुड़ी पोर्टलैंड सीमेंट की दिनांक 22 अगस्त 1981 विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) हटा दें। 2. खण्ड 0.4 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ी गई है और अनुवर्ती खण्डों की फिर से तबनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31	
89. IS : 8042-1978 ग्रावेल एस.ओ. 2274 पोर्टलैंड सीमेंट की विशिष्टि दिनांक 29 अगस्त 1981 (पहला पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) — हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाद नया खण्ड 0.4 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों की फिर से तबनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31	
90. IS : 8043-1978 जल- एस.ओ. 2272 बिरागी पोर्टलैंड सीमेंट की दिनांक 29 अगस्त 1981 विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2 दूसरा वाक्य) — हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाद नया खण्ड 0.4 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों की फिर से तबनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31	
91. IS : 8112-1976 उच्च एस.ओ. 3820 अमता वाली साधारण दिनांक 24 नवम्बर 1979 पोर्टलैंड सीमेंट की विशिष्टि		नं. 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 7, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) — हटा दें। 2. खण्ड 0.2.3 के बाद नया खण्ड 0.3 जोड़ा गया है तथा अनुवर्ती खण्डों की फिर से तबनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92. IS : 8229ई-1976 तेल एस. ओ. 99 कृणं के सीमेंट की विशिष्टि दिनांक 12 जनवरी 1980	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 9, खण्ड 9.2, दूसरा वाक्य) — हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाद नया खण्ड 0.4 जोड़ा गया है तथा अनुवर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संख्यांकित किया गया है।	1983-07-31		
93. IS : 8440-1977 धान एस. ओ. 619 शोधित्रों की परीक्षण संहिता दिनांक 15 मार्च 1980	नं. 1 जुलाई 1983	खण्ड 8.1.4 एवं 8.2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31		
94. IS : 8710-1978 विद्युत एस. ओ. 3480 सुम्बकीय चकों की विशिष्टि दिनांक 15 मार्च 1980	नं. 1 सितम्बर 1983	खण्ड 4.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-09-30		
95. IS : 9049-1979 धान एस. ओ. 2862 का छिलका उतारने के रबड़ रोल टाइप के यंत्र की परीक्षण संहिता दिनांक 17 अक्तूबर 1981	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 9.1.2 एवं 9.2 का संशोधन किया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खण्ड 9.1.2.3) — हटा दें और अनुवर्ती खण्डों को तदनुसार फिर से संख्यांकित करें। 3. (पृष्ठ 15, परिशिष्ट ई के 'अस्तंगत खण्ड मन्दर्भ') — "9.1.2.4" के स्थान पर "9.1.2.3" कर दें।	1983-07-31		
96. IS : 9675-1980 हल्की, मध्यम और भारी किस्म के बुने हुए सूती टेपों की विशिष्टि एस. ओ. —	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 5, सारणी 2, स्तम्भ 5, श्रम संख्या (1) (ए) एवं (बी) के सामने) — "3 अथवा अधिक अक्षर" के स्थान पर "4 अथवा अधिक अक्षर" कर दें।	1983-07-31		
97. IS : 9810-1981 मुर्गी के घण्डों की किस्म के मत्वाकन की विधियां	नं. 1 जुलाई 1983	खण्ड 3.6 के वर्तमान समीकरण के स्थान पर नया समीकरण दिया गया है।	1983-07-31		
98. IS : 10014 (भाग 2) — 1981 कृत्रिम स्टैपल रेणों की परीक्षण विधियां, भाग 2 रेखीय घनत्व ज्ञात करना।	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 5.1 का संशोधन किया गया है। 2. खण्ड 6.3.3 को टिप्पणी सहित बदला गया है।	1983-07-31		
99. IS : 10238-1982 इस्पात संरचनाओं के स्टेप बोस्टों की विशिष्टि एस. ओ. —	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 1, खण्ड 4, पंक्ति 3) — "स्टड" के स्थान पर "डिब-रियो" कर दें। 2. पृष्ठ 2 पर वर्तमान व्याख्यात्मक टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31		

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफरमार्ग, नई दिल्ली-110002 और बम्बई-400093, कलकत्ता-700054, मद्रास-600113 एवं मोहाली-160051 स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अहमदाबाद-380001, बंगलोर-560002, भोपाल-462003, भुवनेश्वर-751014, हैदराबाद-500001, जयपुर-302005, कोलपुर-208005, पटना-800013 एवं त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों से उपलब्ध है।

S.O. 2343—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed/have been issued under the powers conferred by the sub-regulation(1) of Regulation 3 of the said Regulations.

## SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the amendment	Brief Particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(5)	(6)
1. IS: 10 (Part I)-1976 Specification for plywood tea-chests; Part I General (Fourth Revision)	S.O. 97 dt 12 Jan 1980	No. 3 Aug 1983	[Page 5, Table 1, Col 2, Sl No. (ii) (Item 4), see Amendments 1 and 2]—Add the following new item after Item 3: '4 Aluminium foil 0.009 mm laminated with 20 to 30 g/m <sup>2</sup> paper, conforming to IS: 8970-1978 Specification for paper-aluminium foil laminates for packaging of food and pharmaceuticals.'	1983-08-31
2. IS: 177-1977 Specification for cotton drills (Third Revision)	S.O. 2118 dt 9 Aug 1980	No. 4 Jul 1983	Table 1 has been amended	1983-07-31
3. IS: 179-1977 Specification for cotton dosuti (Second Revision)	-do-	No. 2 Jul 1983	(Page 5, Table 1, Col heading 'Mass')—Substitute 'Mass, g/m <sup>2</sup> ' for 'Mass'.	1983-07-31
4. IS: 205-1978 Specification for non-ferrous metal butt hinges (Third Revision)	S.O. 2863 dt 17 Oct 1981	No. 1 Aug 1983	(i) Tables 1, 2 and 6 have been amended (ii) A new Foot-note with '+' mark (page 9) has been added after the foot-note with '+' mark	1983-08-31
5. IS: 208-1979 Specification for door handles (Third Revision)	S.O. 3428 dt 3 Sep 1983	No. 2 Jul 1983	Table 2 has been amended	1983-07-31
6. IS: 210-1978 Specification for grey iron castings (Third Revision)	S.O. 1550 dt 23 May 1981	No. 1 Aug 1983	(i) (Page 4, Foot-note with '+' mark)—Substitute the following for the existing foot-note: '+General requirements for the supply of metallurgical materials.' (ii) (Page 13, Appendix C, Column heading 'Unit')—Substitute 'GPa' for 'GN/mm <sup>2</sup> ' wherever appears in this column.	1983-08-31
7. IS: 269-1976 Specification for ordinary and low heat portland cement (Third Revision)	—	No. 2 Jul 1983	(i) [Page 6, Table 1, Sl No. (iii), Col 3]—Substitute the following for the existing matter: 'Not more than 4 percent'. (ii) (Page 9, Clause 9.2, Second sentence)—Delete. (iii) New clause 0.5 has been added after clause 0.401	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8.	IS: 302-1979 General and safety requirements for household and similar electrical appliances (Fifth Revision)	S.O. 3611 dt 24 Sep 1983	No. 1 Jul 1983	(i) [Page 19, clause 7.1 (d)] Substitute the following for the existing item: 'd' Rated output in watts or rated current in amperes.' (ii) New clause 0.8 has been added after clause 0.7 and renumbered the subsequent clauses accordingly. (iii) Clauses 33.1, 33.2 along with its note have been amended. (iv) A new foot-note with '+' mark (Page 110) has been added after the foot-note with '*' mark.	1983-07-31
9.	IS: 363-1976 Specification for hasps and staples (Third Revision)	S.O. 417 dt 23 Feb 1980	No. 1 Jul 1983	Tables 2 and 4 have been amended.	1983-07-31
10.	IS: 455-1976 Specification for portland slag cement (Third Revision)	S.O. 3822 dt 24 Nov 1979	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 4.2, informal table, second column, last line)—Substitute '4' for '2.5'. (ii) (Page 9, clause 8.2 second sentence)—Delete. (iii) A new clause 0.7 has been added after clause 0.6 and renumbered the subsequent clauses accordingly.	1983-07-31
11.	IS: 565-1975 Specification for DDT water dispersible powder concentrates (Second Revision)	S.O. 1598 dt 19 May 1979	*No. 4 Aug 1983	A new clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1.	1983-08-31
12.	IS: 633-1975 Specification for DDT emulsifiable concentrates (First Revision)	S.O. 1597 dt 19 May 1979	**No. 3 Aug 1983	A new clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1.	1983-08-31
13.	IS: 1113-1965 Specification for ammonium chloride, technical and pure (Revised)	S.O. 2820 dt 11 Sep 1965	No. 2 Jul 1983	Clauses B-4 to B-4.2.1 have been substituted by new ones.	1983-07-31
14.	IS: 1184-1977 Specification for maize starch, cotton textile industry (Second Revision)	S.O. 2118 dt 9 Aug 1980	†No. 2 Aug 1983	[This amendment is, mainly issued to give values of viscosity which were given in the standard on tentative basis. The requirement of protein content is being deleted because it is considered as non-functional requirement when the starch is used in textile industry.]	1983-08-31
15.	IS: 1239 (Part I)-1979 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings Part I Mild steel tubes (Fourth Revision)	S.O. 1341 dt 3 Apr 1982	No. 3 Jul 1983	(i) Clauses 6.1 and 6.1.1 have been substituted by new ones.  (ii) (Page 6, foot-notes with '*' and '÷' marks)—Substitute the following for the existing foot-notes: 'Methods for chemical analysis of steels.'	1983-07-31

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1984.05.01

\*\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1984.05.01

†For purposes of ISI Certification Marks Scheme this amendment shall come into force with effect from 1984.02.16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. IS: 1264-1981 Specification for brass gravity die castings — (ingots and castings) (Second Revision)	—	No. 1 Jul 1983	(Page 4, Table 2, under col. Grade DCB 2, second entry)- Substitute '15' for '20'	1983-07-31	
17. IS : 1283-1968 Specification for bicycle free-wheels and chains (First Revision)	—	No. 4 Sep. 1981	(i) Existing Fig. 1 at page 5 has been substituted by new one (ii) Clause 11.1 has been substituted by a new one (iii) Existing foot-note with '+' mark (Page 8) has been substituted by a new one	1981-09-30	
18. IS : 1283-1968 Specification for bicycle free-wheels and chains (First Revision)	—	No. 5 Oct. 1983	Clauses 10.1 and 10.2 have been substituted by new ones	1983-10-31	
19. IS : 1342-1978 Specification for oil pressure stoves (Third Revision)	S.O. 3450 dt. 2 Oct. 1982	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 9.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 6, clause 6.1.3)—Add the following new sentence at the end of 6-1-3 : 'The legs when soldered to the body of the stove shall be flattened at the place of contact.'	1983-07-31	
20. IS : 1361-1978 Specification for steel windows for industrial buildings (First Revision)	S.O. 2862 dt. 17 Oct. 1981	No. 1 Jul. 1983	(i) Clauses 5.2, 6.4, 8.1 and 9.9 have been substituted by new ones. (ii) Existing Fig. 3 (Page 10) and Fig. 5 (Page 13) have been substituted by new ones. (iii) (Page 11, Clause 9.5, first line)—Substitute 'sherardized' for 'standardized'. (iv) Page 17, clause 10.1, third line)—Substitute '25 mm' for '20 mm'. (v) Clause 11.1 has been amended. (vi) (Page 16, clause 9.7)—Add the following new matter at the end of 9.7 : 'Lugs shall be manufactured from 3.15 mm thick mild steel sheet.' (vii) New clauses 9.10 and 11.1.1 have been added after clauses 9.9 and 11.1 respectively.	1983-07-31	
21. IS : 1417-1981 Grades of gold and gold alloys (Second Revision)	—	No. 1 Jul 1983	Informal table of clause 3.1 has been amended.	1983-07-31	
22. IS : 1489-1976 Specification for portland-pozzolana cement (Second Revision)	S.O. 3872 dt. 24 Nov. 1979	No. 2 Jul 1983	(i) [Page 6, clause 3.1.2(b) one 4]—substitute '40 kg/cm <sup>2</sup> ' for '50 kg/cm <sup>2</sup> '. (ii) (Page 7, clause 5.2)—Delete. (iii) Table 1 has been amended. (iv) New sub-clause 0.3.1 has been added after clause 0.3. (v) New clause 0.7 has been added after clause 0.6.2 and the subsequent clauses re-numbered accordingly.	1983-07-31	
23. IS : 1540 (Part II)—1978 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industries ; Part II Hydrated lime (Second Revision).	S.O. 1728 dt. 13 Jan. 1981	No. 1 Jul 1983	(i) Clauses 5.2.1 and 5.3.1 have been amended. (ii) Clauses 5.3.1.1 and 5.3.2 have been substituted by new ones.	1983-07-31	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24. IS : 1513-1964 Specification for single cylinder fuel injection pumps (Revised).	S.O. 1501 dt. 8 May 1965	No. 1 Sep. 1983	(i) Clause 6.2 has been substituted by a new one. (ii) A new note has been added under Fig. 4. (iii) Clause 6.3 has amended. (iv) Table 1 has amended.		
25. IS : 1605-1977 Specification for tapioca starch cotton textile industry (First Revision).	S.O. 2118 dt. 9 Aug. 1980	No. 2 July 1983	Clause 2.1 has been amended.		1983-07-31
26. IS : 1624-1974 Method of field testing of building lime (First Revision)	S.O. 988 dt. 6 Mar. 1976	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 4, clause 4.2.3, fourth line)—Substitute 'Class A' for Class 'B' (ii) (Page 5, clause 5.2, lastline)—Substitute 'Class A' for 'Class B'.		1983-07-31
27. IS : 1848-1981 Specification for writing and printing papers (Second Revision).	—	No. 1 Jul. 1983	(i) Existing matter of clause 4 2 (c) has been (ii) New clauses 0 3 1 and, 0 3 2 have been added after 0 3 (iii) A new note has been added after clause 3 2. (iv) A new Appendix A has been added after clause 5.3 2.		1983-07-31
28. IS : 1856-1967 Specification for steel wire ropes for haulage purposes (Second Revision).	S.O. 1606 dt. 14 Jun. 1980	No. 1 Aug. 1983	(i) Tables 3 and 4 have been amended. (ii) New entries have been added in Table 1. (iii) (Page 2, Table 1, Note 2)—Add the following new Note after Note 2 : 'Note 3—The bracketed nominal diameter is non-preferred.'		1983-08-31
29. IS : 1979-1971 Specification for high-test line pipe (First Revision).	S.O. 3255 dt. 24 Nov. 1973	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with "*" mark (Page 5) has been substituted by a new one.		1983-07-31
30. IS : 2033-1977 Specification for tapioca flour, cotton textile industry (First Revision).	S.O. 2118 dt. 9 Aug. 1980	No. 2 Jul. 1983	This amendment is mainly issued to give values of viscosity which were given in the standard on tentative basis.		1983-07-31
31. IS : 2039-1981 Specification for steel tubes for bicycle and allied purposes (First Revision).	—	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 7 2 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with "*" mark (Page 6) has been substituted by a new one.		1983-07-31
32. IS : 2200-1973 Test chart for milling machines with table of variable height, with horizontal spindle (First Revision).	S.O. 776 dt. 21 Feb. 1976	No. 4 Aug. 1983	(Page 8, I Geometrical tests (see also Amendment No. 2) Sl No. 15, col 5, Alternate II)—Substitute 'A' and 'B' for 'a' and 'b' respectively.		1983-08-31
33. IS : 2257-1981 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (Second Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses B-2 4 and B-3 1 have been amended. (ii) (Page 8, clause B-2. 1, line 2)—Add 'of the same type and' after 'of the material'.		1983-08-31
34. IS : 2325-1981 Specification for ignition coils for battery-coil ignition systems for automobiles (First Revision)	—	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 9, clause 7.0 4, Note)—Delete. (ii) New clause 7 0 4 1 has been added after clause 7 0 4. (iii) New Appendix C has been added after B-1 7 (c).		1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. IS : 2552-1979 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized) Second Revision).	S.O. 3449 2 Oct. 1982	No. 1 Mar. 1984	(i) Table 2 has been amended. (ii) Existing Fig-1 (Page 7) has been substituted by a new one.	1984-03-31	
36. IS : 2612—1965 Recommendation for type approval and sampling procedures for electronic components.	S.O. 2042 dt. 26 Jun. 1965	No. 1 Jul 1983.	Clause 2.1 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
37. IS : 2716-1972 Specification for myrobalan extract (First Revision).	S.O. 770 dt. 8 Mar. 1975	No. 2 Jul. 1983	Clauses 7.2, 7.2.1 and 7.2.2 have been substituted by a new one.	1983-07-31	
38. IS : 2720 (Part XI)-1971 Methods of test for soils; mPart XI Determination of the shear strength parameters of a specimen tested in unconsolidated undrained triaxial compression without the measurement of pore water pressure.	S.O. 398 dt. 5 Feb. 1972	No. 3 Aug. 1983	(i) Clauses 2.2.10 and 4.3 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” marks (Pages 5 and 9) have been substituted by a new one.	1983-08-31	
39. IS : 2720 (Part XIX)-1964 Methods of test for soils; Part XIX Determination of centrifuge moisture equivalent.	S.O. 3865 dt. 14 Nov. 1964	No. 1 Aug. 1983	Clauses 3(c) and 4.1 have been amended.	1983-08-31	
40. IS : 2720 (Part XXII)-1972 Methods of test for soils; Part XXII Determination of organic matter (First Revision).	S.O. 1265 25 May 1974	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 3.1.3 and 5.1 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” and “+” mark (Page 5) have been substituted by new ones.	1983-08-31	
41. IS : 2720 (Part 34)-1972 Methods of test for soils; Part 34 Determination of density of soil in place by rubber-ballon method	S.O. 510 dt. 23 Feb. 1974	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.3 and 4.4 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” mark (Page 4), with “*” and “+” mark (Page 6) and with “*” (Page 8 and 9) have been substituted by new ones. (iii) Notes of clauses 3.1 and 4.3 have been amended.	1983-08-31	
42. IS : 3040-1980 Specification for Indian kapok (First Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	This amendment is carried out to specify the various botanical names of kapok used as stuffing material.	1983-08-31	
43. IS : 3224-1979 Specification for valve fittings for compressed gas cylinders excluding liquified petroleum gas (LPG) cylinders (Second Revision).	—	No. 2 Dec. 1983	(Page 25, Table 10, Note)—Delete.	1983-12-31	
44. IS : 3226-1980 Specification for hypodermic syringes for general purposes (First Revision).	—	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 4, Clause 0.3.1, last sentence)—Delete. (ii) (Page 9, clause 5.1)—Add the following new clause after 5.1 and renumber the subsequent clause accordingly : “5.1.1 Type 1 syringes may also be marked with the word ‘interchangeable’.”	1983-07-31	
45. IS : 3400 (Part XI)-1969 Methods of test for vulcanized rubbers; Part XI Determination of rebound resilience	S.O. 1236 dt. 4 Apr. 1970	No. 1 Jul. 1983	(Page 5, clause 4.1.1.1, line 4)—Substitute ‘4.00+0.04’ for ‘400.00+0.04’.	1983-07-31	
46. IS : 3464-1980 Methods of tests for plastic floor covering and wall tiles (First Revision).	—	No. 2 Aug. 1983	(Page 16, clause 14.3, line 1)—Substitute ‘150 mm square’ for ‘150mm <sup>2</sup> ’.	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47. IS : 3466-1967 Specification for masonry cement (First Revision) dt 20 Jan 1968	S.O. 287 dt 20 Jan 1968	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 2.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 8, clause 10.2, second sentence)—Delete. (iii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3.1 and the subsequent clauses re-numbered accordingly.	1983-07-31	
48. IS: 3510-1966 Specification for tool makers' flats and high precision surface plates.	S.O. 2602 dt. 27 Aug. 1966	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 3, clause 0.2, line 3).—Substitute 'IS : 2285—1974*' for 'IS : 2285-1963*'. (ii) (Page 3, foot-note with '** mark).—Substitute the following for the existing foot-note : *Specification for cast iron surface plates first revision). (iii) Existing foot-notes with '** and '—' marks (Page 4) have been substituted by new ones.	1983-07-31	
49. IS : 3829-1978 Specification for horizontal cylindrical and horizontal rectangular steam sterilizers, pressure type (for hospital and pharmaceutical use) (First Revision).	S.O. 2863 dt. 17 Oct. 1981	*No. 2 Jul. 1983	(i) (Page 14, clause 10.1.3, line 3).—Substitute 'or' for 'on'. (ii) Clause 7.1.1 has been amended.	1983-07-31	
50. IS : 3918-1966 Code of practice for use of current meter (cup type) for water flow measurements.	S.O. 1972 dt. 10 Jun 1967	No. 1 Jul. 1983	Clause 5.2 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
51. IS : 3961 (Part 3)-1968 Recommended current ratings for cables; Part 3 Rubber insulated cables.	S.O. 368 dt. 25 Jan. 1969	No. 1 Sept. 1983	(Page 5, clause 3.1, entry (b), under second col.) Substitute 'Clipped direct and unenclosed' for 'Clipped direct and enclosed'.	1983-09-30	
52. IS : 4246-1978 Specification for domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (Second Revision).	S.O. 2584 dt. 3 Oct. 1981	No. 2 Mar. 1983 No. 3 Jul. 1983	Existing clause 28.1(f) has been substituted by a new one. (Page 6, clause 16.1, Note).—Substitute the following for existing Note : 'Note.—Mass of 1 litre of gas at STP—2.46 g.'. (ii) Clause 17.3 has been amended. (iii) New clause 0.2.1 has been added after clause 0.2.	1983-03-31 1983-07-31	
53. IS : 4301-1967 Specification for brushes, foundry, flat.	S.O. 520 dt. 10 Feb. 1968	No. 4 Jul. 1983	(Page 5, Fig. 1, top figure).—Substitute '190' for '170'.	1983-07-31	
54. IS : 4308-1982 Specification for dry powder for fire fighting (First Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	(Page 5, clause 3.2, line 3).—Substitute 'and not more than 10' for 'and more than 10'.	1983-08-31	
55. IS : 4332 (Part I)-1967 Methods of test for stabilized soils; Part 1 Method of sampling and preparation of stabilized soils for testing.	S.O. 683 dt. 24 Feb. 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 3.2.1 and 3.3 have been amended. (ii) Existing foot-notes with '** marks (Pages 5 and 6) have been substituted by new ones.	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
56. IS : 4337 (Part 3)—1967 Methods of test for stabilized soils; Part 3 Test for determination of moisture content dry density relation for stabilized soil mixtures.	S.O. 1719 dt. 18 May 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1, 3.6, 7.1.3.1 and 7.2.3 have been amended. (ii) Clauses 3.1 to 3.2.1 have been substituted by new ones. (iii) Foot-notes with “*” mark (Pages 4, 7, 10 and 11) have been substituted by new ones. (iv) (Pages 5 and 6, Fig. 1, 2 and 3)—Delete.	1983-08-31	
57. IS : 4337 (Part 4)—1968 Methods of test for stabilized soils; Part 4 Wetting and drying, and freezing and thawing test for compacted soil-cement mixtures.	S.O. 3152 dt. 14 Sep. 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1 and 2.2 have been substituted by new ones. (ii) (Page 5, clause 3.1.3, line 2)—Substitute ‘IS : 269-1976; or IS : 455-1976 for ‘IS : 269-1967; or IS : 455-1967. (iii) Existing foot-notes with ‘t’ and ‘g’ Marks (Page 5) have been substituted by new ones.	1983-08-31	
58. IS : 4332 (Part VIII)—1969 Methods of test for stabilized soils; Part VIII Determination of lime content of lime stabilized soils.	S.O. 4848 dt. 6 Dec. 1969	No. 1 Aug. 1983	(i) (Page 4, clause 3.5, line 2)—Substitute ‘IS : 460 (Part I)—1978**’ for ‘IS : 460-1962**’. (ii) Existing foot-note with “*” mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-08-31	
59. IS : 4332 (Part IX)—1970 Methods of test for stabilized soils; Part IX Determination of the bituminous stabilizer content of bitumen and tar stabilized soils.	S.O. 1635 dt. 8 July 1972.	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1, 3.8.1 and 13.4 have been substituted by new ones. (ii) Existing foot-notes with “*” mark (Pages 4, 5, 8 and 13) have been substituted by new ones. (iii) (Page 8, clause 6.5, Note)—Substitute the ‘IS : 1215-1978 for ‘IS : 1215-1958**’.	1983-08-31	
60. IS : 4332 (Part X)—1969 Methods of test for stabilized soils; Part X Test for soil-bituminous mixtures.	S.O. 3544 dt. 25 Sept. 1971	No. 1 Aug. 1983	(i) (Page 8, clause 2.10, line 2)—Substitute ‘IS : 460 (Part I)—1978**’ for IS: 460-1962**’. (ii) Existing foot-note with “*” mark (Page 8) has been substituted by a new one.	1983-08-31	
61. IS : 4503-1967 Specification for shell and tube type heat exchangers.	S.O. 4599 dt. 28 Dec. 1968	No. 3 Jul 1983	(Page 22, clause 10.3.2, line 2)—Substitute ‘one and a half times’ for ‘four times’.	1983-07-31	
62. IS : 4516-1968 Specification for elliptical mild steel tubes.	S.O. 2578 dt. 20 Jul. 1968	No. 1 Jul. 1983.	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 3, footnote with “*” mark)—Substitute the following for the existing footnote : ‘Methods for chemical analysis of steels’.	1983-07-31	
63. IS : 4723-1978 Specification for egg powder (First Revision).	S.O. 2272 dt. 29 Aug. 1981	No. 1 Jul. 1983	[Page 6, Table 1, Col. 3 against Sl. No. (xii)]—Substitute ‘50’ for ‘100’.	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64. IS : 4922-1968 Specification for seamless steel tubes (suitable for welding) for aircraft purposes.	S.O. 1455 dt. 19 Apr. 1969.	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '+' mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-07-31	
65. IS : 4923-1968 Specification for hollow steel sections for structural use.	S.O. 2330 dt. 14 Jun. 1969	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 4, foot-note with '** mark)—Delete.	1983-07-31	
66. IS : 5433-1969 Specification for oil well steel casing pipes and couplings.	S.O. 5032 dt. 6 Nov. 1971	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '** mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-07-31	
67. IS : 5489-1975 Specification for carburizing steels for use in bearing industry (First Revision).	S.O. 3530 dt. 19 Nov. 1977	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 4, foot-notes with mark '** to '§§')—Substitute the following foot-note for all the existing foot-notes: '**Methods of chemical analysis of steels'.	1983-07-31	
68. IS 5504-1969 Specification for spiral welded pipes	S.O. 3015 dt 14 Aug 1971	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.2 has been substituted by a new one (ii) Existing foot-note with '** mark (Page 5) has been substituted by a new one	1983-07-31	
69. IS 5611-1980 Specification for hollow insulators for use in electrical equipment (First Revision)	—	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 10, clause 4, 4.1, 4.1.1, 4.2, 4.2.1 and 4.2.2)—Delete. (ii) Existing figures 2 (Page 13) 6 (Page 16) and 10B (Page 22) have been substituted by new ones	1983-07-31	
70. IS 5718-1980 Test code for seed cleaners (First Revision)	S.O. 219 dt 21 Jan 1984	No. 1 Jul 1983	Clause 8.2 has been amended	1983-07-31	
71. IS 5912-1970 Specification for anemometer, cum counter	S.O. 1555 dt 24 Jun 1972	No. 2 Sep 1983	(i) Clauses 3.2, 3.5, 3.6, and 5.2.1 to 5.2.3 have been substituted by new ones. (ii) (Page 4 Fig. 1)—Substitute 'BALL BEARING for 'THRUST BEARING'.	1983-09-30	
72. IS 5924-1970 Specification for clock mechanisms and drums for meteorological instruments	S.O. 1635 8 Jul 1972	No. 1 Sep 1983	(Page 3, clause 2.5, line 2)—Substitute '1.64 mm/h' for '1.6 mm/h'.	1983-09-30	
73. IS 5973-1970 Specification for pan evaporimeter	S.O. 3318 dt 21 Oct 1972	No. 2 Sep 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one	1983-09-30	
74. IS : 6011-1970 Specification for carbon steel tubes for use on board ships for pressure services	S.O. 3305 dt 21 Oct 1972 Oct	No. 1 Aug 1983	(ii) Fig. 1 has been amended (i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (ii) Existing foot-note with '** mark (Page 5) has been substituted by a new one	1983-08-31	
75. IS 6271-1971 Specification for metal polishes (special)	S.O. 2975 dt 13 Oct 1973	No. 1 Aug 1983	(i) [Page 4, clause 4.2 (b)] Substituted the words 'net content for 'net weight'. (ii) [Page 3, clause 4.2(d)]—Add the following new matter after 4.2 (d) : (c) Other provisions of packaging Commodity Act'.	1983-08-13	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. IS 6286—1971 Specification for seamless and welded steel pipe for sub-zero temperature service	S.O. 231 dt 26 Jan 1974	No. 1 Aug 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one	1983-08-31	
			(ii) Existing foot-note with “* mark (Page 4) has been substituted by a new one.		
77. IS 6452—1972 Specification for high alumina cement for structural use	S.O. 510 dt 23 Feb 1974	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 7, clause 8.2, second sentence;—Delete.	1983-07-31	
			(ii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and the subsequent clause renumbered accordingly.		
78. IS 6631—1972 Specification for steel pipes for hydraulic purposes	S.O. 115 dt 11 May 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one	1983-07-31	
			(ii) Existing foot-notes with “* mark (Page 4) has been substituted by a new one		
79. IS 6647—1972 Specification for drill pipes for use in oil or natural gas wells	S.O. 2015 dt 28 Jun 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
			(ii) (Page 4, foot-note with “* mark;—Delete.		
80. IS 6704—1972 Specification for pigmented floor polish, paste	S.O. 770 dt 8 Mar 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 2.2 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
			(ii) [Page 5, clause 3.2.2(c)]—Add the following after 3.2.2(c).		
			(iii) Other provisions of Packaging Commodity Act.		
81. IS 6766—1972 Specification for buffing compounds used for nickel and plated surfaces	S.O. 1604 dt 24 May 1975	No. 1 Jul 1983	[Page 5, clause 3.2.2 (d)]—Add the following after 3.2.2(d)	1982-07-31	
			(e) Other provisions of packaging Commodity Act.		
82. IS 6909—1973 Specification for supersulphated cement	S.O. 2015 dt 28 Jun 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Page 7, clause 7.2, second sentence)—Delete.	1983-07-31	
			(iii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and subsequent clauses re-numbered accordingly.		
83. IS 7080 (Part I)—1981 Specification for MTP suction apparatus; Part I Manual and electric MTP suction apparatus (First Revision)		*No. 1 Aug 1983	(i) (Page 1, clause 3.1, lines/3 and 4;—Delete the words ‘or’ solid drawn brass tubes conforming to IS : 407—1966 ‘Specification for brass tubes for general purposes (Second Revision).	1983-08-31	
			(ii) Clauses 3.3.1 and 4.2.1 have been substituted by new ones		
			(iii) (Page 1, clause 4.1.4, line 1)—Substituted ‘Fig. 2 for ‘Fig. 3’.		
			(iv) (Page, clause 4.1.6)—Delete.		
			(v) (Page 4, clause 5.3, line 1)—Substitute ‘650’ for ‘700’ mm.		
84. IS 7138—1973 Specification for steel tubes for furniture purposes	S.O. 182 dt 10 Jan 1976	No. 2 Jul 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
			(ii) (Page 3, foot-notes with ‘†’ and ‘§’ marks)—Delete.		
85. IS 7174—1974 Specification for carbon steel tubes for use on board ships for working pressures 0.7 to 1.7 N/mm <sup>2</sup>	S.O. 173 dt 3 Jan 1976	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 6.1.1 has been substituted by a new one	1983-07-31	
			(ii) (Page 5, clause 6.1.1.1)—substitute ‘6.1.2.1’ for 6.1.1.1.		
			(iii) Existing foot-note with “* mark (Page 5) has been substituted by a new one		

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1984-02-16.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86. IS 7347—1974 Specification for performance of small size spark ignition engines	S.O. 1597 dt 8 May 1976	No. 1 Jul 1983	(i) Existing title at page 1 has been substituted (ii) Clauses 1.1.1 and 8.2.1 have been substituted by new ones.	1983-07-31	
87. IS 8036—1976 Specification for mild steel transformer cooling tubes	S.O. 1599 dt 19 May 1979	No. 2 Jul 1983	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-notes with '*' and '+' marks (Page 4) have been substituted by a new one	1983-07-31	
88. IS 8041—1978 Specification for rapid hardening portland cement (first Revision)	S.O. 2272 dt 22 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
89. IS 8042—1978 Specification for white portland cement (First Revision)	S.O. 2274 dt 29 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly	1983-07-31	
90. IS: 8043—1978 Specification for hydrophobic portland cement (First Revision)	S.O. 2272 dt 29 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
91. IS: 8112—1976 Specification for high strength ordinary portland cement	S.O. 3820 dt 24 Nov 1979	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 7, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.3 has been added after clause 0.2.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
92. IS: 8229E—1976 Specification for oil-well cement	S.O. 99 dt 12 Jan 1980	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 9, clause 9.2, second sentence)—Delete (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly	1983-07-31	
93. IS: 8440—1977 Test code for paddy cleaners	S.O. 619 dt 15 Mar 1980	No. 1 Jul 1983	Clauses 8.1.4 and 8.2 have been amended.	1983-07-31	
94. IS: 8710—1978 Specification for electromagnetic chucks	S.O. 3408 dt 15 Mar 1980	No. 1 Jul 1983	Clause 4.3 has been substituted by a new one	1983-09-30	
95. IS 9049 —1979 Test code for Paddy dehusker, rubber roll type	S.O. 2862 dt 17 Oct 1981	No. 1 Sep 1983	(i) Clauses 9.1.2 and 9.2 have been amended (ii) (Page 8, clause 9.1.2.3) Delete and renumber the subsequent clause accordingly. (iii) (Page 15, clause reference under Appendix E)—Substitute '9.1.2.3' for '9.1.2.4'.	1983-07-31	
96. IS : 9675—1980 Specification for woven cotton tapes, light, medium and heavy qualities	—	No. 1 Jul 1983	[Page 5, Table 2, col 5, against SI No. (i) (a) and (b)] /—Substitute '4 or better' for '3 or better'.	1983-07-31	
97. IS: 9810—1981 Methods for evaluation of quality of chicken eggs	—	No. 1 Jul 1983	Existing equation of clause 3.6 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
98. IS: 10014 (Part II)—1981 Methods of tests for man-made staple fibres; Part II Determination of linear density	—	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.1 has been amended. (ii) Clause 6.3.3 along with its note has been substituted by a new one.	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
99. IS: 10238—1982 Specification for step bolts for steel structures	—	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 1, clause 4, line 3)— Substitute 'Studs' for 'nuts'. (ii) Existing explanatory note at page 2 has been substituted by a new one.	1983-07-31	

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Regional Offices:— Bombay-400093, Calcutta-700054, Madras-600.13 and Mohali-160051 and from Branch Offices at Ahmedabad-380001, Bangalore-560002, Bhopal-462003, Bhubaneswar-751014, Hyderabad-500001, Jaipur-302005, Kanpur-208005, Patna-800013 and Trivandrum-695001.

[No. CMD/13:5]  
B. N. SINGH, Addl. Director General

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली 4 जून, 1986

का. धा. 2344—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 13 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करते के बाद उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची के भाग-2 में एतद्द्वारा आगे और निम्नलिखित संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची के भाग 2 में निम्नलिखित प्रविष्टि अन्त में जोड़ी जाए, अर्थात्:—

“एम. डी. (पूर्वी क्लिपार्ड्स विश्वविद्यालय)”

[संख्या ए. डी. 11015/13/86 एम. डी. सी]

प्रेम सागर टंडन, अवर सचिव

### MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2344.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendment in Part II of the Third Schedule to the said Act, namely:—

In Part II of the Third Schedule to the said Act, the following entry shall be added at the end, namely:—

“M.D. (University of East Philippines)”.

[No. V. 11015/13/86-ME (P)]  
P. S. TANDON, Under Secy.

### परिवहन मंत्रालय

रेल विभाग (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 जून, 1986

का. धा. 2345—भारतीय रेलवे अधिनियम, 1890 (1890 का अधिनियम IX) की धारा 82 बी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, श्री गणपति शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सेशन जज प्रमोत्तर को 22-11-1985 को दिल्ली मण्डल पर अम्बाला-लुधियाना खण्ड के सम्भू स्टेशन पर 6 यु. एम. एन. पैसंजर गाड़ी में हुए बम्मा विस्फोट के कारण उत्पन्न सभी दावों के निपटान के लिए तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में, एतद्द्वारा नियुक्त करती है।

[सं. 86/ई. (ओ.) II/1/2]

### MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Railways)

(Railway Board)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O. 2345.—In pursuance of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890) the Central Government hereby appoints Shri Ganapati

Sharma, Addl. District and Sessions Judge, Amritsar as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the bomb explosion in 6 USN passenger train at Sambhu station on Ambala-Ludhiana Section on Delhi Division on 22-11-1985. His Headquarters will be at Ludhiana.

[No. 86/E(O) II/1/2]

का. धा. 2346—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का अधिनियम 9) की धारा 82 बी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा 28-1-86 को पूर्व रेलवे के बामनगाछी हवड़ा के निकट हुई दुर्घटना के कारण उत्पन्न दावों का निपटान करने के लिए श्री ए. एन. बासु, सेवाक्रान्त जिला एवं सेशन जज को तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 86 ई(ओ) II/1/1]

ए. एन. बासु, सचिव, रेलवे बोर्ड  
एवं पदेन अपर सचिव।

S.O. 2346.—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), the Central Government hereby appoints Shri A. N. Basu, retired District and Sessions Judges as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the Claims arising out of accident near Bamangachi, Howrah of Eastern Railways on 28-1-1986.

[No. 86/E(O) II/1/1]

A. N. WANCHOO, Secy. Railway Board  
and ex officio Addl. Secy.

### संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून, 1986

का. धा. 2347—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने महारसा टेलीफोन केन्द्र बीहार में दिनांक 24-06-1986 से प्रमाणित वर प्रमाणी लागू करने का निर्णय किया है।

[संख्या 5-29/86 पी एच सी]

### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Communications)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O. 2347.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 24-6-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Saharsa Telephone Exchange, Bihar Telecom. Circle.

[No. 5-29/86-PHB]



नई दिल्ली, 4 जून, 1986

का. आ. 2348:—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने कमता केंगोरी तथा किन्तूर टेलीफोन केंद्रों कनाटका में दिनांक 25-06-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-22/86 पी एच बी]

के. पी. शर्मा, सहायक महानिदेशक (पी. एच. बी.)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2348.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General Department of Telecommunications, hereby specifies 25-6-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kuma, Kengeri and Kittoor Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5—22/86-PHB]

K. P. SHARMA, Asstt. Director General (PHB)

(पोस्ट मास्टर जनरल, मध्य प्रदेश परिमंडल का कार्यालय)

भोपाल, 26 मई, 1986

का. आ. 2349:—केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि श्री आर. के. पाठक डाक सहायक, पिपलिया मंडी (जिला मन्दासौर प्रांत मध्य प्रदेश के विरुद्ध विभागीय जांच हेतु गवाहों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को बुलाना आवश्यक है:—

(1) श्री अशोक कुमार शर्मा, हकीम नं. 2, रोड नं. 3 नई आबादी मन्दासौर।

(2) श्रीमति कला शर्मा पति श्री अशोक कुमार शर्मा, 2/3 नई आबादी मन्दासौर।

अतः विभागीय जांच (गवाहों की उपस्थिति के बाध्यकरण एवं वस्तावेज प्रस्तुतिकरण अधिनियम 1972 (1972 का 18) की धारा 4 की उपधारा (1) के तहत किये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री जी. आर. पाराशर, सहायक अधीक्षक डाकघर (दौराज) मन्दासौर को जांच प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है कि वे श्री आर. के. पाठक, डाक सहायक पिपलिया मंडी (मन्दासौर) के विरुद्ध सी. सी. एस. (सी. सी. ए. रूल्स 1965) के नियम 14 के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये उपरोक्त अधिनियम की धारा 5 में विनिर्दिष्ट अधिकारों का प्रयोग करें।

[जिस /10 /मन्दासौर /85]

जी. व्ही. एस. राव, पोस्टमास्टर जनरल,

(Office of the Post Master General, MP Circle)

Bhopal, the 26th May, 1986

S.O. 2349.—Whereas the Central Government is of the opinion that for the purpose of Department enquiry relating to Shri R. K. Pathak, Postal Assistant Piplia Mandi (Mandsaur State M.P.), it is necessary to summon as witnesses the following persons:—

1. Shri Ashok Kumar Sharma,  
Scheme No. 2, Road No. 3,  
Nai Abadi, Mandsaur.

2. Smt. Kala Sharma W/o  
Ashok Kumar Sharma,  
2/3 Nai Abadi, Mandsaur.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section (4) of Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of witnesses and Production of Documents) Act 1972 (18 of 1972) the Central Government hereby authorise Shri G. R. Parashar, Asstt. Supdt. of Post Offices (Tour) Mandsaur as Inquiring Authority to exercise the powers specified in Section (5) of the said Act

35IGI/86—9

in relation to the disciplinary action under Rule 14 of C.C.S. (CCA) Rules 1965 against Shri R. K. Pathak Postal Assistant, Piplia Mandi (Mandsaur).

[No. Disc./10/Mandsaur/85]

G.V.S. RAO, Postmaster General

अम मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 जून, 1986

का. आ. 2330:—मैसर्स डैल्टन कैबल्स इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड, डैल्टन हाउस, भग्न राम रोड, 24 बरयागंज, नई दिल्ली, (डी. एल. 179) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप महबूब बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 4085 तारीख 13-11-82 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट बातों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 4-12-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 3-12-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अक्षरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय प्राप्ति भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पद पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरुत दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्वत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध

फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमोदित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्ध्या रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्ध्या होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्ध्या करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशेष अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भातर प्रीमियम का सन्ध्या करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्ध्या में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के सन्ध्या का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों विधिक वारिसों को उस राशि का सन्ध्या तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/254/82 पी एफ 2 एस एस-2]

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 2nd June, 1986

S.O. 2350.—Whereas Messrs Delton Cables Industries Private Limited, Delton House, Bharat Ram Road, 24 Daryaganj, New Delhi (DL/179) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4085 dated the 13-11-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility or payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or

the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. 3. 35014/254/82-PF.II(SS.II)]

का.प्र. 2351.—मैसर्स आन्ध्रा प्रभा प्राइवेट लिमिटेड, एक्सप्रेस सेंटर, लोवर टैंक बन्ड रोड, डोमगुडा, हैदराबाद (ए. पी./5156) और मैसर्स आन्ध्रा प्रभा प्राइवेट लिमिटेड, इंडस्ट्रियल एस्टेट, बी. टी. अग्रशाराम विजयनागराम, (ए. पी./5156-ए) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 17 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(ख) के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना हा. भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निषेध सहजक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा-2ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रपारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रपारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक ठाण दिया जाएगा।

4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, तो नियोजन सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उस का नाम दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एम-35014/185/86-एसएस-2]

S.O. 2351.—Whereas Messrs Andhra Prabha Private Limited, Express Centre, Lower Tank Bund Road, Domalguda, Hyderabad, (AP)5156 and M/s. Andhra Prabha Private Limited Industrial Estate, V. T. Agsharam Vizianagaram (AP)5156 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Com-

missioner Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee that amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[S. 35014|185|86-SS-II]

का. प्र. 2352—संसर्ग भारत एन्सुरीनिंग कम्पनी लिमिटेड पंजाब हाऊस, 18 नेहरू प्लेस, नई देहली, (डी-एल/3864) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध

अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी विशेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अर्थ मंत्रालय की अधिवृत्त संख्या का. प्र. 3946 तारीख 8-11-1982 के अनुसरण में और उपर्युक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 29-11-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 28-11-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्त देहली को ऐसी निवारणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, निवारणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रचारों का सन्दाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजन किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्नेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में सन्नेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक पारिवारिक/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को ध्वस्त हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यवस्थित की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विशिष्ट वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित। विशिष्ट वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक वषा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्रक्रिया के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/232/82-पी.एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2352.—Whereas Messrs Bharat Aluminium Company Limited, Punjab House, 13 Nehru Place, New Delhi-110019. (DL/3864) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3946 dated the 8-11-1982 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 29-11-1985 upto and inclusive of the 28-11-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premiums in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/232/82-PF. II(SS.II)]

का.ग्रा. 2353-सैमर्स मोडर्न वेस्ट्रोज (इन्डिया) लिमिटेड, लीसरी मंजिल, पालिका भवन, रिंग रोड, धार.के.पुरम, सैक्टर-8, नई दिल्ली-110066 (डी.एल./2810) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952

का 19) जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहजता बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुश्रेय है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3348 तारीख 30-8-1982 के अनुसरण में और इससे उपलब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 18-9-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 12-9-1985 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगी और ऐसे लेखा रखेंगी तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगी जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभावों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की माता में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुकियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिरिक्त की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/81/86-पी.एफ.-2/एस एस -2]

S.O. 2353.—Whereas Messrs. Modern Bakeries (India) Limited, 11rd Floor, Palika Bhavan, Ring Road, R. K. Puram, Sector-VIII, New Delhi-110006 (DL/2810) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3348 dated the 30-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 18-9-1985 upto and inclusive of the 17-9-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/181/82-PF. II (SS-II)]

का. या. 2354—सिमा रीनक कन्स्ट्रक्शन्स लिमिटेड, 17 पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001, (सी.एच. 2229), जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन कट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पक्क भविष्य या प्रीमियम का सन्धाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा की सामूहिक बीमा, स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निरोप मजबूत बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के धर्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 4071 तारीख 12-11-1982 के अनुसरण में और इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 4-12-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 3-12-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन कट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी त्रावन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्धेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्धेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्न करेगा।

9. यदि किसी का निगम की उस सामूहिक है, अधीन नहीं रह जा प्राप्त होने वाले फायदे रह की जा सकती है :

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्ति-क्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम-निर्देशनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/275/82-पी.एफ.-2/एस एस-2]

S.O. 2354.—Whereas Messrs. Raunag International Limited, 17, Parliament Street, New Delhi-110001 (DL/2229) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4071 dated the 12-11-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employers' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees

under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S-35014/275/82-PF II (SS-II)]

का.प्रा. 2355:—मैसर्स राजनाग इंटरनल प्राइवेट लिमिटेड, बी-20, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, (डी.एल./4511), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पथक अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2946 तारीख 4-8-1982 के अनुसरण में और इसमें उपाध्याय अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 21-9-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 20-9-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा



निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, त्रिवारणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभावों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाह, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन के भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी जागत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देखी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी प्रति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. निर्णायक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय सत्तरता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/200/82-पी.एफ.-2/एसएस-2]

S.O. 2355.—Whereas Messrs. Ajanta Tubes Private Limited D-20, Connaught Place, New Delhi (DL/4511) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2946 dated the 4-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 21-9-1985 upto and inclusive of the 20-9-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and

where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S-35014/200/82-PF. II (SS-II)]

नई दिल्ली, तारीख 2 जून 1986

का.प्र. 2356 - जीएम इंडीयनस इंडिया लिमिटेड, इंडीयनस इंडिया हाउस, 1-बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली (डो एस /2097) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है :

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिधाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निषेध सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन प्राप्त थे।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्र. 3402 तारीख 9-9-1982 के अनुसरण में और इससे उपाध्यक्ष धनसूची में विनिश्चित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 25-9-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 24-9-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### धनसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ति, देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, निवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या को भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित की प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ति, देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ति, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशेष प्रबल देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक माम के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम-35014/182/82-मो. एक-2/एस एस-2]

S.O. 2356.—Whereas Messrs. Engineers India Limited, Engineers India House, 1-Bhikaji Cama Place, New Delhi (DL/2097) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3402 dated the 9-9-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 25-9-1985 upto and inclusive of the 24-9-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the

employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/182/82-PF, II (SS-II)]

का प्रा 2357 - जैसम फर्निचर इन्डिया लिमिटेड, "मथुरा", 55 नेहरू रोड, नई दिल्ली-110019 (फोन नं./1880) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् प्रमियाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहव्यवस्था बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं;

प्रत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 4072 तारीख 12-11-82 के अनुसरण में और इससे उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 4-12-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 3-12-1988 की सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि धायक, देहली को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रजिस्टर तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करना जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभावों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का भहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के मुख्यालय पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के राक्षस के रूप में उसका नाम गुरस्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करे करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, नेहरू के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को ब्यय हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिरिक्त की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और हर प्रकार से पूर्व दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस - 35014/274/82-मी. एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2357 Whereas Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Madhuvan, 55 Nehru Place, New Delhi-110019 (DL/1880) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 4072 dated the 12-11-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the the Life Insurance Corporation of India shall ensure

prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/274/82-PF. II (SS-II)]

का. भा. 2358.—मैसर्स एम. पी. टेक्स्ट बुक कॉर्पोरेशन, शिवाजी नगर, भोपाल-462001 (एम. पी./2076), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रयोग उपनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 17 का उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो उन्हें कर्मचारी विशेष सहाय्य बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभोग्य है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. भा. 912 तारीख 23-12-1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 12-2-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 11-2-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेंगी और ऐसे लेखा रखेंगी तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगी जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधिनियम समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों को अनुसूची की भाषा में उक्तकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-गट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थान की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाने हैं, तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उक्तका कार्यों में पंजीकृत रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभोग्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदस्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दाता रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्ति होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी का व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियां या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/465/82-पी.एफ.-2/एस.एस.-2]

S.O. 2358.—Whereas Messrs. The MP Text Books Corporation, Shivaji Nagar, Bhopal-462001 (MP/2076) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 912 dated the 23-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 12-2-1986 upto and inclusive of the 11-2-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium, the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/465/82-PF. II (SS-II)]

का. घा. 2359.—मैसर्स श्रीराम फर्टिलाइजर एण्ड कैमिकल्स, कंचन जगा बिल्डिंग, 18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 (बी. एल./5819), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 को उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए प्रार्थना किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् समिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधि

सहृदय बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या का. घा. 329 तारीख 6-12-1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 8-1-1986 से तीन वर्षों की अवधि के लिए जिसमें 7-1-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजित प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, देहली का ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करना जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक भास की समिति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. समूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वही निगीतक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुचना-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हो सक्ते हैं, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जायेगी व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो वही, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृत्तिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह आते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को

प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भरण प्रीमियम का सन्दाय करने में शगफल रहता है, और पालिसी को व्यपन्न हो जाने दिया जाता तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम का सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिकम का दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या अधिकारकारियों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि की इच्छाएं नामनिर्देशित अधिकारियों को उस राशि का सन्दाय तत्परता और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण धावे को प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[नं. एस-35014/386/83-पी. एक -2/एस. एस.-2]

S.O. 2359.—Whereas Messrs. Shriram Fertilizer and Chemicals, Kanchanjunga Building, 18 Barakhamba Road, New Delhi-110001 (DL/5819) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 329 dated the 6-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 8-1-1986 upto and inclusive of the 7-1-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S 35014/386/82-P.F. II(SS-II)]

नई दिल्ली, 11 जन, 1986

का.सा. 2830:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों का बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों पक्षिय निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सम्बन्धित स्थापन को लागू किये जाने चाहिए :-

1. बुकलैण्ड इस्टेट, शांतिधाम-577162 (चिकमगलूर जिला), कर्नाटक
2. सिद्धार्थ इन्डस्ट्रीज, घर-3 नं 482, वायवेंड रोड, माके, बेलगाम-591181।
3. गुलबर्गा कोआपरेटिव प्रिन्टिंग एण्ड पब्लिकेशन वर्क्स लिमिटेड, गुलबर्गा।
4. फोटोसेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 21, 12-12-ए., महात्मा गांधी रोड, बंगलौर।
5. छोडे ओवरसीज कारपोरेशन, नं 10, फर्स्ट मेन रोड, गांधी नगर, बंगलौर-560009।
6. कर्नाटक ब्लेड्स लिमिटेड, (अब विटोक इन्डिया लिमिटेड), 51/ए, रिकमण्ड रोड, बंगलौर-25।
7. फलट्रा विजनेस मशीन प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी मंजिल, सेंट प्रट्रिक्स शांतिधाम घरकेड, 157, ब्रिगेड रोड, बंगलौर-25
8. मैसर्स एस०एम० बालिगा एण्ड कम्पनी, नं 14, "बाबेरसी", लाल बाग रोड, बंगलौर-27 और बंगलौर में स्थित इसकी शाखाएं।

9. निद्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड, 131, पट्टन्दूर अग्रहारा, वाइटफोल्ड रोड, बंगलौर-560066 इसके 1, गोविन्दपारा, नाईकेन स्ट्रीट, मद्रास-1 स्थित पंजीकृत कार्यालय सहित।
10. गैससनम, नं. 1, मूणियम रोड, बंगलौर-1।
11. एन्बोरो कन्ट्रोल सिस्टमस प्राईवेट लिमिटेड, 13/1, लेवेली रोड, बंगलौर।
12. पिण्डोस प्रमलमेटिड, सांभा एस्टेट, वारागुडा पोस्ट, कुग जिला।
13. बन्कटलाल मोतीलाल राथी एण्ड कम्पनी, मुन्ज रोड, रायचूर और गुलबर्गा जिला में स्थित इसका हेड ऑफिस।
14. माईन सिक्कोरिटी इयूरो, 443, चमाराजा हिल्स रोड, मैसूर।
15. श्री जयचमाराजेन्द्र प्रार्थ गैलरी ट्रस्ट, जगन मोहन पेलेस, मैसूर।
16. अवालोमरी एस्टेट, बासारिकटे डाक खाना, चिकमंगलूर जिला।
17. कनारा बैंक रिलीफ एण्ड वेलफेयर सोसाईटी, 27 टी एच क्रॉस, बानाभंकरा, दूसरी स्टेट, बंगलौर-70।
18. डाक्टर बी विश्वेश्वरैया पर्सनल स्टाफ, नं. 248, चौथा मेन रोड, चमाराजेन्द्र बंगलौर-18।
19. बेलवागडी कम्प्यूमरी कोऑपरेटिव सोसाईटी, बेलवागडी, डी०के० 574214।
20. इन्टरलेक्ट इलेक्ट्रॉनिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 120/ए०, 27वां क्रॉस, 7वां ब्लॉक पोस्ट बॉक्स नं० 1125, जयानगर, बंगलौर-560011।
21. रायचारा सेवा सहायका संघ विपमिता, हागरी बोम्मानाहाली बेलरी जिला, होस्टेड तालुक, कर्नाटक।
22. मन मोहन धार एण्ड रेस्टोरेंट, नं० 21/22, लेडी कर्जन रोड, बंगलौर।
23. न्यू मनीस प्राइवेट, बेगरी, हुब्ली।
24. विनायक केमिकलम (प्राइवेट) लिमिटेड, ए. 360, पीप्या इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बंगलौर-560058।
25. स्टील ट्यूब्स आफ साऊथ इन्डिया, वाईट फील्ड रोड, महादेव पुरा पोस्ट, बंगलौर-48 और उसका "इन्फानस", 1660, 12 वां क्रॉस रोड, एच.ए.एल., तीसरा स्टेशन, बंगलौर-75 स्थित कार्यालय।
26. श्री चमुण्डी नोपेडस लिमिटेड, नं. 195, परीव्रात प्लेस धारवाड, बंगलौर 560080 और रेजिस्ट्री रोड, बंगलौर-35 स्थित उसकी शाखा सहित।
27. इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट एजेंसी, 17, सुपर मार्किट, तीसरी मंजिल, हुब्ली-29।
28. दा महिला कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, 95/1, 5वां क्रॉस, मालेश्वरम, बंगलौर-560003।
29. शाबानूर फार्मस सर्विस कोऑपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड, शाबानूर (शाबानूर रायचारा सेवा साहायका संघ लिमिटेड) बेगरी तालुक।
30. दा आरसीकरा घरबन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, साईनाथ रोड, आरसीकरा-573103।
31. धार्या व्यात्या कोऑपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड, आरसीकरा।
32. देवराज इन्डस्ट्रोज राईस मिल्स, कुशागरी, रोड, मिधानूर, रायचूर।
33. ऐक्शन ऐड, (पुराणा ऐक्शन इल डिस्ट्रीस लिमिटेड), पोस्ट बॉक्स 2527, 10/1, वाईड स्ट्रीट, बंगलौर-560025।
34. विनायक मास्किटो कापल मैन्यू फैब्रिकिंग कम्पनी, ए.-360/361, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, पीप्या, बंगलौर-560025।

35. भार यीमोथिएस सेमोरियल इश्य एण्ड लीपरासी सेंटर, पोस्ट ऑफिस टोयामंगलम, 678102, पानघाट जिला।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त धारा नियम की धारा 1, की उप धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापनों को लागू करती है।

[सं. एस-35019/(160) 86-एसएस-2]

ए.के. भट्टराई, अवर सचिव

New Delhi, the 11th June, 1986

S.O. 2360.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the respective establishments, namely,

1. M/s. Brook Lands Estate, Shanthigramma-577162, Chikmagalur District, Karnataka.
2. M/s. Siddharth Industries, R-3 No. 492, Waghvade Road, Mache, Belgaum.
3. M/s. The Gulbarga Co-operative Printing and Publication Works Ltd., Gulbarga.
4. M/s. Fotoset Company Private Ltd., 21, 12-12A, Mahatma Gandhi Road, Bangalore.
5. M/s. Khoday Overseas Corporation, No. 10, 1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-560009.
6. M/s. Karnataka Blades Ltd. (Now Wiltech India Ltd.), 51/A, Richmond Road, Bangalore-25.
7. M/s. Ultra Business Machines Private Ltd., 11nd Floor, St. Patrick's Shopping Arcade, 157, Brigade Road, Bangalore-25.
8. M/s. B.S.M. Baliga & Company No. 14, "Baverly", Laj Bagh Road, Bangalore-27 including its branches in Bangalore.
9. M/S. Nitromix Private Limited, 133, Pattandur Agrahara, Whitefield Road, Bangalore alongwith its Administrative Office at 41-43, Levelle Road, Bangalore and Registered Office at 15, Govindappa Naicken Street, Madras-1.
10. M/s. Gaxnam, No. 1, Museum Road, Bangalore-1.
11. M/s. Enviro Control Systems Private Limited, 13/1, Levelle Road, Bangalore.
12. Pintos Amlgamated Saubha Estate, Karagunda, Post, Coorg District.
13. M/s. Bankatlal Motilal Rathi & Co., Gunj Road, Raichur including its head office in Gulbarga district.
14. M/s. Modern Security Bureau, 443, Chamaraja Double Road, Mysore.
15. M/s. Sri Jayachamarajendra Art Gallery Trust, Jagan Mohan Palace, Mysore.
16. M/s. Awalgiri Estate, Basarikatte PO. Chickmagalur District.
17. M/s. Canara Bank Relief and Welfare Society, 27th Cross, Banashankari 11nd State, Bangalore-70.
18. M/s. Dr. V. Vishweshwaralah Personnel Staff, No. 248, IV Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.
19. M/s. Belthangady Consumers Co-operative Society, Belthangady, DK 574214.
20. M/s. Interfect Electronics (Private) Limited, 120/A 27th Cross, 7th Block, Post Box No. 1125, Jayanagar, Bangalore.
21. M/s. Raithara Seva Sahakara Sangha Niyyamitha, Hagari Bommanhali Bellary District, Hospet Taluk, Karnataka.



22. M/s. Man Mohan Bar and Restaurant, No. 21/22, Lady Curzon Road, Bangalore.
23. M/s. New Manis Products, Bengeri, Hubli.
24. M/s. Vinayaka Chemicals (Private) Limited, A.360, Peenya Industrial Estate, Bangalore-560058.
25. M/s. Steel Tubes of South India, Whitefield Road, Mahadevapura Post, Bangalore-48 alongwith its Office at "Infans", 1660, 12th Cross Road, HAL, 3rd Stage, Bangalore.
26. M/s. Shree Chamundi Mopeds Limited, No. 195, Panjat Place Orchard, Bangalore alongwith its branch at Residency Road, Bangalore-25.
27. M/s. International Detective Agency, 17, Super Market, IIIrd Floor, Hubli-29.
28. M/s. The Mahila Co-operative Bank Limited, 95/1, 5th Cross, Malleswaram.
29. M/s. Shabanur Farmers Service Co-operative Society Limited, Shabanur (Shabanur Raithara Seva Sahakara Sangha Limited, Devanagara Taluk.
30. M/s. The Arsikere Urban Co-operative Bank Limited, Sainath Road, Arsikere-573103.
31. M/s. Arya Vyasana Co-operative Society Limited, Arsikere.
32. M/s. Devraj Industries Rice Mills, Kushtagi Road, Sindhanur, Raichur.
33. M/s. Action Aid (reviously—Action in Distress Limited), Post Box 2527, 10/1, Bride Street Bangalore-560025.
34. M/s. Vinayaka Mosquito Coils Manufacturing Company, A-360/361, Industrial Estate, Peenya, Bangalore-560058.
35. M/s. Mar Thimotheus Memorial Health & Leprosy Centre, P.O. Tahamangalam 678102, 35 Palghat District.

Nowt therefore, i nexercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[No. S. 35019(160)/86-SS-II]  
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जून, 1986

का.प्र. 2361.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोलिन कोल लि. की ओर-VI में कुसुन्डा कोलियरी के प्रबंधन के सम्बद्ध नियंत्रकों और उनके कार्यों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नं. 2, धनबाद के पश्चात को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-5-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th June, 1986

S.O. 2361.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kusunda Colliery, Area No. VI of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT : Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 8 of 1986

351 GI/86—11

In the matter of Industrial disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Kusunda Colliery in Area No. VI of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workman.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workman—None.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : BIHAR.

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 19th May, 1986

#### AWARD

The Govt., of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. I-20012(145)/85-D.III-(A) dated the 3rd January, 1986.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kusunda Colliery, Area No. VI of M/s. Bharat Coking Coal Limited in reverting Shri Jhabbar Raibhar from the post of Dumper Khalasi to Miner/Loader is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

In this case notice was issued to the workmen for filing W.S. but inspite of notice no W.S. has been filed on behalf of the workmen. Workmen did not even appear in the case. However, the management entered appearance through Shri B. Joshi, Advocate. It appears that the union of the workmen is not interested in contesting the reference and as such neither any appearance has been filed nor any W.S. was filed on their behalf. As the party who has raised the dispute is not interested, it is held that there is no dispute between the parties and a 'No dispute' award is passed.

I. N. SINHA, Presiding Officer.

[No. L-20012/145/85-D III(A)]

का.प्र. 2362.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोलिन कोल लि. की ओर-VI में कुसुन्डा कोलियरी के प्रबंधन के सम्बद्ध नियंत्रकों और उनके कार्यों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नं. 2, धनबाद के पश्चात को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-5-1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2362.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT : Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 65 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Kessurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.  
STATE : Bihar INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 20th May, 1986

### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-200012(25)/85-D.III(A), dated, the 28-5-1985.

### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kesurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Nudkharke, Dhanbad in terminating the services of Shri Bindulal Mahato, Miner/Loader with effect from 21-10-1983 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Bindulal Mahato had been working as Permanent Miner/Loader since long. The concerned workman was suffering from T.B. and so he could not join his duties and remained absent from 1-5-82. After recovering from his illness he reported for his duties with medical certificate, but the management terminated his services with effect from 21-10-83 instead of allowing to resume his duties. The concerned workmen represented before the management several times against his illegal and arbitrary termination but without any effect. The union raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad on 3-4-84 challenging the illegal dismissal order of the concerned workman. The conciliation ended in failure and thereafter the present reference was made to this Tribunal for adjudication. It is submitted that the termination of the services of the concerned workman with effect from 21-10-83 was illegal arbitrary and against the principles of natural justice and against the mandatory provision of Section 25-F of the I.D. Act. The action of the management in terminating the services was against the provision of the Standing Orders. The punishment of termination of service of the concerned workman was too harsh and disproportionate to the alleged offence. On the above plea it is submitted that the concerned workman be reinstated in service with effect from 21-10-83.

The case of the management is that the concerned workman absented from his duties from 1-5-82 without permission or authorised leave. He did not inform the management regarding the facts and circumstances leading to his unauthorised absence for long period. The management issued a chargesheet dated 18-8-83 to the concerned workman on the allegation of commission of misconduct by absents from duties without permission, authorised leave or information. The concerned workman replied to the chargesheet by his letter dated 11-10-83 that he was sick during the above period and as such he absented from his duties without permission or information. The concerned workman accepted his guilt but pleaded that he was seriously ill during the said period. A departmental enquiry was held in presence of the concerned workman on 18-10-83 in which he was given full opportunity to cross-examine the management's witnesses and to defend himself he was also given opportunity to produce his own defence witnesses. The concerned workman gave his own statement admitting his guilt. The medical certificate produced by the concerned workman before the enquiry officer was not considered to be genuine. The certificate was from a medical practitioner who was not a specialist to treat T.B. The Regional Hospital of the management at Katrasgarh has a special wing for treatment of T.B. and a workman suffering from T.B. is freely treated in the hospital. There was no reason for the concerned workman not to avail of the opportunity of free treatment by specialist doctor and instead got himself treated by a private doctor at the same place. There was absolutely no reason for the concerned workman not to inform the management about his illness and to take all facilities and payment, available for workmen on account of sickness. A person suffering from T.B. could send an application to the management during the period of 15 months of his unauthorised absence. Even if he was sick there was no justification for the concerned workman not to send information about his illness to the management. The concerned workman procured a false medical certificate from a private medical practitioner to cover up his absence. Even

after procuring the medical certificate on 28-9-83 the concerned workman did not report for his duty and submitted his reply to the chargesheet on 11-10-83. The concerned workman procured medical certificate after receipt of the chargesheet and thereafter submitted his reply to the chargesheet. It was held by the enquiry officer that the concerned workman was guilty of the misconduct levelled against him in the chargesheet. The enquiry proceeding the enquiry report and all other relevant papers were duly examined by competent authorities and thereafter the concerned workman was dismissed from his services by letter dated 21-10-83. The concerned workman accepted the dismissal order without any protest. The industrial dispute was raised subsequently in the spirit of gambling. It is submitted on behalf of the management that the action taken against the concerned workman was legal bonafide and in accordance with the provisions of the Standing Orders. The absence from duties without permission or information is a serious type of misconduct as it becomes frustration of contract. As it is an act of serious indiscipline, the order of dismissal is the only action which has to be taken so as to deter all such like minded persons. It is further submitted that the concerned workman is not entitled to any relief.

The point for consideration is whether the management was justified in terminating the services of the concerned workman with effect from 21-10-83.

The management had earlier prayed to decide as a preliminary point regarding the fairness or otherwise of the departmental enquiry held against the concerned workman and the said point was decided as a preliminary point by my order dated 7-4-86. It was held that the enquiry was fair and proper and that principles of natural justice had been adhered to. As such this case was heard on merit on the basis of materials which were already on record of the domestic enquiry.

It will appear from the enquiry proceeding that after receiving the chargesheet Ext. M-1, the concerned workman filed his reply (Ext. M-2) to the chargesheet. Ext. M-4 is the enquiry proceeding which shows that the enquiry was taken up on 18-10-83 in presence of the concerned workman and it was concluded on the same date. The management examined Shri Jogeswar Prasad Leave/Sick clerk who stated that he had not received any application from the concerned workman intimating about his illness. He has stated that if the concerned workman had sent any application for leave the same would have been received by him. The concerned workman did not cross-examine this witness. It is clear therefore that the concerned workman had not sent any application for leave. The concerned workman did not examine any witness in his defence before the Enquiry Officer but he had given his own statement. It will appear from his statement before the Enquiry Officer that he was ill and he had sent an application for leave through his cousin and that his cousin came to the colliery but no one received the application from him. He has further stated that he was seriously ill and was unable to move from his bed. He has stated that he had got himself treated for 2 or three days at Madhuban colliery dispensary and when he was not cured then he got himself treated from Dr. V. N. Singh and that the said doctor V. N. Singh gave him a certificate showing that he was fit to work from 28-1-83 and thereafter he went to join his duties. He was cross-examine on behalf of the management. He stated that he did not inform about his illness when he was getting himself treated at Madhuban. He was also asked whether his cousin informed any officer when his application was not taken by the clerk to which he stated that his cousin did not inform any officer of the colliery. It will thus appear from the statement of the concerned workman that he had sent his application for leave through his cousin but the same was not accepted and secondly that he was treated at Madhuban for 2 to 3 days and thereafter he was treated by Dr. V. N. Singh at Katras who granted him the certificate.

I will first take up the point whether he had sent any information to the management through his cousin as is being stated by him.

Ext. M-2 dated 29-9-83 is the reply to the chargesheet. This was the first document in which the concerned workman had stated about the facts. He has stated that from 1-5-82

he could not attend his duties as he was seriously ill and that he got his treatment at Madhuban Colliery for some days and when he did not recover he was taken to Katras where he was treated by a doctor for T.B. He has clearly stated that he was not in a position to move from his bed and he could not send any information about his illness to the management. He has further stated that he has only an old father at his house who was not in a position to move and give any information at the colliery. He has stated that for the said reasons no information was sent by him about his illness and that when he has fully recovered he wanted to join his duties. He has further stated that he has committed a mistake in not giving the information of his illness. It is clear therefore from his earlier statement in Ext. M-2 that he had not sent any application or information regarding his illness to the colliery and that his subsequent statement that he had sent information of his illness through his cousin which was not taken appears to be absolutely false.

The medical certificate granted by the doctor V. N. Singh is dated 28-9-83. It is stated in this certificate that the concerned workman was suffering from T.B. and was under his treatment from 1-5-82 to 28-9-83 and that during the above period he was advised rest and now he was fit to resume his duties from 29-9-83. The concerned workman did not examine the said doctor in the domestic enquiry in order to establish that he was really under the treatment of a doctor from 1-5-82 to 28-9-83. The falsity of the certificate is apparent from the fact where it states that the concerned workman was in the treatment of the said doctor from 1-5-82 to 28-9-83. It will appear from Ext. M-2 which is the reply to the chargesheet and the statement of the concerned workman before the E.O. that he was ill from 1-5-82 and that he got himself treated in Madhuban Colliery for 2 to 3 days and that thereafter he was treated at Katras by the private doctor. If the concerned workman had got himself treated for 2 to 3 days at Madhuban Colliery dispensary, doctor (V. N. Singh) could not have treated him from 1-5-82. Admittedly the concerned workman had moved to Katras 2 or 3 days after 1-5-82 and as such even if he was under the treatment of Dr. V. N. Singh he could be in the treatment of the said doctor from 4-5-82 or afterwards and it must be two or three days subsequent to 1-5-82. It is clear therefore that the certificate granted by the said Dr. V. N. Singh is not correct on the very statement of the concerned workman. It is for this reason probably that the doctor could not dare to come in support of the certificate granted by him. In the face of the above fact I think the enquiry officer had rightly refused to accept the said medical certificates and he has been rightly dismissed from service for misconduct.

Admittedly the concerned workman remained absent from 1-5-82 to 28-9-83 which is a period of about 1 year and 4 months. If really the concerned workman was absent because of T.B. he could have sent information of his illness even through post but it appears that he was absenting without any cause of his own accord and as such he did not send any information. Admittedly, the management has a specialist wing for treatment of T.B. at Katragarh where the concerned workman could have got free treatment by specialist doctor and he could also have all facilities and payment available for workman on account of sickness. The concerned workman, as stated by him, preferred to be under the treatment of a general private physician. The concerned workman neither examined the said doctor nor produced any prescription of the relevant period to show that the doctor had prescribed any medicine for him and that he had purchased any medicine from the market. The absence of these materials also show that the case of the workman that he had absented due to his illness does not at all appear to be convincing.

In the result, I hold that the action of the management of Kessurgarh Colliery of M/s. B. C. C. Ltd. in terminating the services of the concerned workman with effect from 21-10-83 is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINGH, Presiding Officer  
[No. L-20012/25/85-D.III(A)]

का.प्र. 2363 :—आवधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लि. का दूरगढ़ कॉलियरी, के प्रबंधन के सम्बन्ध नियोजक और उनके कामगारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित आधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पश्चात् को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 30-5-1986 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 2363.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Burragarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th May, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT : Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 150 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Burragarh Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. P. Singh, General Khan Mazdoor Congress.

On behalf of the employer—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 26th May, 1986

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(116)/85-D-III(A), dated, the 1st November, 1985.

#### SCHEDULE

“Whether the demand of Khan Mazdoor Congress that S/Shri Thakur Lohar and Ram Raj Harijan, Pump Khalasi at Burragarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. should be placed in a higher category than the one the wages of which are now being paid to them by the management is justified? if so to what relief are the concerned workmen entitled?”

The case of the workman is that the concerned workman Thakur Lohar is working as Pump Khalasi at Burragarh Colliery of M/s. B.C. Ltd. since 1977 and has been placed in Cat. I. The other concerned workman Shri Ram Raj Harijan is also working as Pump Khalasi in Burragarh Colliery and has been regularised and placed in Cat. II since 5-10-83. Both of them are operating two pumps at a time of 100 H.P. to 400 HP capacity regularly. According to Coal Wage Board Recommendation a Pump khalasi operating Pump of less than 35 H.P. has been placed in Cat. II and a Pump Khalasi operating Pump of 35 H.P. and above has been placed in Ca. III. It is also provided in the Wage Board Recommendation that a Pump Khalasi Operating more than on Pump is to be placed one category higher. As the concerned workmen are operating two pumps of 100 HP to 400 H.P. capacity they are entitled to be placed in Cat. IV of the Wage Board Recommendation. The management is bound to implement the recommendation of the Wage Board. The refusal of the management in placing the concerned workman in the proper category has put them to a great loss in their basic wages and other related facilities which are calculated on the basis of the basic wages. The union of the concerned workmen

raised an industrial dispute before the ALCO, Dhanbad by their representation dated 12-12-84 in respect of proper wages of Pump Khalasi including the two concerned workmen. The management participated in the conciliation proceeding but the conciliation failed and thereafter the present reference has been made for adjudication. It is submitted that the concerned workman be placed in Cat. IV with retrospective effect.

The case of the management is that the concerned workman Shri Ram Raj Harijan was regularised as a Pump Khalasi by the letter dated 1-11-83 of the Agent, Burragarh Colliery and was placed in Cat. II. The said order of regularisation was issued in terms of the settlement arrived at between the union of the management dated 5-10-83 in the course of previous conciliation proceeding. The other concerned workman Shri Thakur Lohar is a Mazdoor and has been rightly placed in Cat. I. The said Thakur Lohar is not a Pump Khalasi and as such the present reference is illegal so far Shri Thakur Lohar is concerned. It is submitted on behalf of the management that in a Coal Mines Pumps are installed on the surface and on the underground. The underground pumps are of various types and different capacities demanding power requirement of low H.P. and higher H.P. The face pumps are below 35 H.P. The intermediary pump operating between temporary sumps and permanent sumps are of 15 H.P. to 60 H.P. The main pumps operating for permanent sumps may be of 50 H.P. to 500 H.P. depending upon the depth of the pits and the inflow of the water inside the mine. Burragarh Colliery is a deep mine and it has got all kinds of pumps of different H.P. A pump khalasi operating pump of below 25 H.P. are placed in Cat. whereas Pump Khalasi operating pump of 35 H.P. and above are placed in Cat. III. A pump khalasi driving the two pumps or more are given one category higher i.e. Cat. III or Cat. IV. The concerned workman Ram Raj Harijan is driving a pump of below 35 H.P. and as such he has rightly been placed in Cat. II. The concerned workman Thakur Lohar has all along worked as Mazdoor and as such he has been placed in Cat. I. The demand of the union for placing the two concerned workman in Cat. IV is without any basis and the claim of the concerned workman for one category higher than their existing category is without any merit.

The point for consideration is whether the concerned workman are entitled to be placed in a higher category than the wages which are now being paid to them by the management.

The workman have examined three witnesses and the management examined one witness in order to prove their respective cases. The workmen have further produced documents which have been marked Ext. W-1 to W-4. The management's only document has been marked as M-1.

The foremost point to be decided in this case is as to the capacity of the pump which is being operated by the concerned workman and secondly it is also to be seen whether they are operating more than one pump at the same time. It is on the basis of the above facts that their categorisation can be made.

It is the admitted case of the parties that Thakur Lohar is designated as Mazdoor and is placed in Cat. I and that the concerned workman Ramraj Harijan is working as a Pump Khalasi in Cat. II since 5-10-83. Ext. M-1 is the memorandum of settlement arrived at between the Personnel Manager representing the management and Shri S. P. Singh General Secretary representing the union. It appears that a demand was made on behalf of the union that Shri Ram Raj Harijan should be regularised on the job of Pump Operator by the management and Burragarh Colliery on the ground that he was working as such since the year 1978 and that a conciliation was held and the parties agreed to enter into the settlement before the Asstt. Labour Commissioner (C), Dhanbad III. The parties agreed that Shri Ram Raj Harijan shall be regularised as Pump Operator and be placed in Cat. II, as per NCWA-II with immediate effect, thus resolving dispute finally. This settlement was arrived at on 5-10-83 and it was to come into effect immediately. Thus the concerned workman Shri Ram Raj Harijan was placed in Cat. II as Pump Operator/Khalasi with effect from 5-10-83. It does not appear from the settlement that the union had demanded a higher category on the ground that Ramraj Harijan was

operating Pump of over 35 H.P. or that he was operating two pumps at a time and as such it is clear that the present demand being made on behalf of Shri Ramraj Harijan has to be considered after 5-10-83.

I will first take up the case of Shri Thakur Lohar. The said workman Thakur Lohar has been examined as WW-2 in this case. He has stated that he is designated as general mazdoor but he is working as a Pump Khalasi since 1980. He has stated that there are two pumps in second deep one of 400 H.P. and the other of 150 H.P. which is jointly operated by the pump khalasi including Sh. Thakur Lohar. He has stated that the said place is at a great distance and no khalasi agreed to go there alone as it is a dangerous place and for this reason two khalasis are jointly posted there. He has stated that one pump khalasi is required to work on one pump. According to him other pump khalasis get wages of Cat. IV but he is getting wages of Cat. I. In a cross-examination he has stated that he did not get any authorisation to work as Pump Khalasi. He has stated that an attendant is provided with the Pump Khalasi who is to operate a pump at a distance and lonely place. It was suggested to him that he used to be deputed along with a pump khalasi at a distance and lonely place as attendant of the pump khalasi to which of course he has denied. The management's case is that the concerned workman being a mazdoor was deputed as an attendant with a pump khalasi who was to operate the pump at a distance of lonely place and that Sh. Thakur Lohar would not have been given authorisation to work as a khalasi of the management that Thakur Lohar has deposed that he was deputed jointly along with the pump khalasi and this should be taken in the light of the case of the management that Thakur Lohar was deputed as an Attendant along with the Pump khalasi at a lonely and distance place which finds some corroboration by the evidence of MW-2 himself. He has stated that other Pump Khalasi get authorisation but he was not given authorisation to work as Pump Khalasi to operate Pump. There was no reason as to why Thakur Lohar would not have been given authorisation to work as a Pump Khalasi if he was really taken the work of Pump Khalasi when other Pump Khalasi were given authorisation. The fact that Thakur Lohar did not get any authorisation to work on pump shows that the management had never authorised him to work as Pump Khalasi and that he had not worked as a Pump Khalasi. He has stated in his cross-examination that at first a pump khalasi is required to work on a pump of less H.P. and thereafter he is allowed to work Pump of more than 35 H.P. But he has not seen any pump of less H.P. and has not worked any pump of less H.P. Admittedly, the concerned workman was designated as Mazdoor in Cat. I and it cannot be expected that he would be employed to operate a pump of over 35 H.P. when he had not even seen a pump of 35 H.P. and less. It is clear therefore that he was deputed along with pump khalasi operating pump of higher HP. as an attendant when the pump khalasi was sent in a lonely and distance place and that the concerned workman Thakur Lohar did not work as a Pump Khalasi MW-1 Shri T. K. Chatterjee is working as Engineer in Burragarh Colliery since about 1980. He allots the work to the Pump Khalasis. He has stated that Thakur Lohar is not a Pump Khalasi and works as attendant. He has further stated that at isolated places provides one attendant with a pump khalasi and this Thakur Lohar is deputed to work as attendant and does not operate any pump. In cross-examination he has denied that Thakur Lohar is operating pump of 400 H.P. of Seam No. 11. WW-3 has come to support the case of the workmen. He has stated in his cross-examination that he cannot say about the pumps being worked at different places or the colliery as he has always worked in Seam No. 12. If Thakur Lohar had really worked as a Pump Khalasi he would have produced the authorisation and that would have been a good evidence in support of his case. But as the same has not been received by him it is clear that he had not worked as pump khalasi. For the reasons stated above I hold that Thakur Lohar did not work as a Pump Khalasi and that he is working as an attendant along with the Pump Khalasi and as such he has rightly been placed in Cat. I.

The case of the concerned workman Shri Ram Raj Harijan is that he is working on pump of 150 H.P. and 185 H.P. after he was placed in Cat. II. He has examined himself as WW-1 in the case. He has stated that he is working on pump of 150 HP and 185 H.P. in Seam No. 15. He has stated

that there was a pump of less than 150 H.P. at the time when there was a settlement and got Cat. II, and now there is no pump of less than 150 H.P. He has stated that the management is paying wages of Cat. IV to the other pump khalasi working in pumps of similar H.P. as that of the concerned workman. He has stated that two pumps of 150 H.P. and 185 H.P. of 15 No. Seam Sump are at the centre and that the water from the different faces are pumped to the sumps from where the water is pumped on the surface. He has stated that in the faces there is one khalasi on one pump. He has further stated that at the time of settlement there were pumps of less than 35 H.P. and he was operating on a pump of 18 H.P. at that time. According to him the said pump of 18 HP is not being operated since 3 to 4 years. It has been suggested to him that he was operating the pump of less than 35 HP. to which he has denied. WW-3 has stated in his cross-examination that he is working the pump at the sump of 12 No. Seam which is used for delivering water on the surface. According to him Ram Raj Harijan operates pump at all the places and also at the faces. The concerned workman Ram. Raj Harijan has tried to evade that he was also working at the faces as it will appear from the evidence of MW-1 that in the faces pumps of less than 35 H.P. are working. WW-3 has stated that he had been given order to work at the sump and a person working in the sump as pump khalasi must have order to that effect. If evidence of WW-3 is to be accepted, the concerned workman Ram Raj Harijan also must have the order to work at the sump if actually he had been asked by the management to work at the sump and operate pumps of higher H.P. MW-1 has stated that the concerned workman Ram Raj Harijan was deputed to work in one of the 4 pumps which are all of less than 35 HP. He has stated that the management has 4 pumps of capacities of 15 H.P. numbering 10 H.P. numbering one and 25 H.P. numbering one. According to him all those four pumps do not work althrough and atleast one pump is always operated and that at the time he was deposing only one pump of 25 H.P. was in operation. He has denied that Ram Raj Harijan is operating pump of higher than 35 H.P. He has stated that there are 28 pump khalasies in Cat. III, 20 pump khalasi in Cat. IV and only 3 Pump khalasi in Cat. II. He has stated that higher H.P. pumps are operated by the pump khalasi of Cat. III and IV and that whenever more than one pump of lower HP. is to be operated the management taken the services of the pump khalasi of higher category, namely, Cat. III and IV. He has stated that Ramraj Harijan was never asked to operate more than one pump or any pump of higher H.P. He has stated that all the pump operation of Cat. IV are operating pumps of seam No. 11 and he has also named the pump khalasies. The documents produced on behalf of the workman are Ext. W-1 which is the industrial dispute raised on behalf of the comment of the management filed before the ALC(C) W-2 is a list of Pump operators of Burragarh Colliery, W-3 is the comment of the management filed before the ALC(C) in the conciliation and Ext. W-4 is the afftore report of the ALC(C). Thus none of these exhibits can be used in support of the case of the workmen. Although in Ext. W-2 the number of pumps, their H.P. and the names of the operators are given, no witness has come to support the said facts and as such no reliance can be placed on it. The demand was being made by the union that the concerned workman were operating pumps of higher H.P. and were also operating more than one pump at a time but there is no evidence worth reliance coming forward in support of the case of the workmen. It appears from the evidence of WW-3 that Ramraj was also working at the faces where pumps of lower H.P. are operated. The concerned workman Ramraj Harijan did not get order to work on the pump at the pump although all pump khalasies working in the sump must have an order to the effect. As Ramraj Harijan did not get any order to work in the sump as Pump Khalasi it appears that he was never deputed to work on a pump at the sump and that he was working at the faces where the pumps were of less than 35 H.P. There is also no reliable evidence to show that Ram Raj Harijan was operating two pumps at a time. In view of the evidence adduced in the case, I held that it has not been established that Ram Raj Harijan was operating two pumps of more than 35 H.P. at the same time.

In the result, I held that the demand of the Khan Mazdoor Congress that S/Shri Thakur Lohar and Ramraj Harijan should be placed in higher category than the one the wages

of which are being paid to them by the management is not justified and consequently they are not entitled to any relief. This is my award.

I. N. SINHA, Presiding Officer.  
[No. L-20012/116/85-D.II(A)]

का. प्र. 2364:—औद्योगिक विवाद प्रिनिसिपल, 1947 (1947 का 14 का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, टाटा आयरन एंड स्टील को. लि. का जमदोबा कोलियरी (6 और 7 पिट्स) के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कामकारों के बीच, अनुबंध निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण, नं. 2 धनबाद के पंचाट का प्रकाशित करता है, ज. केन्द्रीय सरकार को 27-5-1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2364.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery (6/7 pits) of Tata Iron & Steel Co. Ltd., Post Office Jamadoba Distt. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1986.

(ANNEXURE)

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

PRESENT :

Shri I. N. Sinha,—Presiding Officer.

REFERENCE NO. 45 OF 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery (6/7 Pits) of Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri S. N. Sinha, Asstt. Chief Personnel Manager.

On behalf of the workmen.—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary, Janta Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 19th May, 1986.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (8)/85-D.III(A), dated, the 23rd April, 1985.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jamadoba Colliery (6/7 Pits) Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad in not providing employment to Shri Rameshwar Sao, son of Shri Bhuneshwar Sao, Haulage Khalasi as his dependant as per Company's policy, is justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

The case of the workmen is that Shri Bhuneshwar Sao was employed by the management of M/s. Tisco, with effect from 3-4-48. He was promoted to the post of Haulage Khalasi Cat. IV with effect from 21-4-81 and is working in the said capacity. In accordance with the procedure of providing employment to the dependant of a workman employed by the management of Tisco has become a condition of service and Shri Bhuneshwar Sao became eligible for securing employment of his dependant about 20 years ago but he had not availed of this benefit as his son was minor at that time. An

employee is required to fill up a prescribed form supplied by the management for registration of dependents name in the employees dependent register for securing employment of his dependent. The employee concerned has to sign a declaration form declaring that the candidate whose employment he seeks is his dependent and thereafter verification is made by the local personnel officer of the colliery regarding the correctness of the contents of the declaration made by the employee. Bhuneswar Sao had not signed on any declaration declaring Ram Ekbal Sao as his brother and dependent for securing employment. Bhuneswar Sao is the only son of late Muni Sao resident of village and P.O. Piroutta, P.S. and Dist. Arrah. In collusion with the local Officer of 6/7 Pits and other interested persons Shri Ram Ekbal Sao secured employment fraudulently on the strength of service of Shri Bhuneswar Sao without the knowledge of Bhuneswar Sao. When Shri Bhuneswar Sao took steps for registering the names of his son Rameswar Sao in the employee dependent register at 6/7 Pits Jamadoba Colliery of Tisco, he was informed that the name of his son cannot be registered in the employees dependent register as his brother Ram Ekbal Sao has already been employed as his dependent brother. Shri Bhuneswar Sao strongly protested against the act of forgery to the authorities of the management and continued correspondence for years but as Shri Ram Ekbal Sao was being protected by the management, the services of Ram Ekbal Sao was not terminated and no employment was given to Rameswar Sao son of Bhuneswar Sao. Shri Bhuneswar Sao, submitted the voter's list, his own affidavit dated 14-12-82, affidavit sworn by the village Mukhiya, affidavit sworn by his cousin Ram Prasad Sao and some certificates to show that Ram Ekbal Sao was not the brother of Bhuneswar Sao but even then the management did not consider for giving employment to his son and were protecting Ram Ekbal Sao. Bhuneswar Sao made several representations before the management but the management refused, his claim on the ground that the employment has already been given to his brother Ram Ekbal Sao as his dependent brother. When no fruitful result came out of his representation, his case was taken up by Janta Mazdoor Sangh and an industrial dispute was raised before the ALC(C), Dhanbad-II. On failure report being submitted by the ALC(C) the present reference was made by the Govt. In accordance with the conditions of service applicable to Shri Bhuneswar Sao, he is entitled to claim employment of his son Shri Rameswar Sao and the negative attitude adopted by the management was illegal and amounts to unfair labour practice on the part of the management. It is prayed that an Award be passed holding that Shri Bhuneswar Sao is entitled to get employment of his son Rameswar Sao by further holding that Ram Ekbal Sao secured employment fraudulently as dependent brother of Bhuneswar Sao.

The case of the management is that according to the procedure of employment of a dependent, an employee who has put in 15 years service or more can enrol one of his dependent's name for the purpose of employment. The employment of such dependent are considered along with others in order of seniority subject to vacancies as per length of service of guardian employee. If one of the dependents is already in employment, the enrolment of employment of the second dependent is not considered by the management unless the first employment has fulfilled certain pre-requisite. According to another procedure of employment of dependent, an employee is entitled to out right employment of one of his dependents if the employee has completed 30 years or more service and has superannuated from the company's service provided none of the dependent has been employed earlier in the company on the strength of his service. Shri Bhuneswar Sao is not entitled for employment of his dependent son Rameswar Sao even after his superannuation after 30 years of service as one of his dependent Shri Ram Ekbal Sao is already employed on the strength of his service as his dependent brother. The claim of an employee for employment of a dependent is forfeited for ever when it is found that the employee has not got another person employed as his own dependent on his service by fraud. This has been done with a view to restrict the false employment in the company which limits the scope of the employment of genuine dependents. The dependents of an employee are first given employment as Cat. I Mazdoor/Miner. Shri Bhuneswar Sao had enrolled the name of Ram Ekbal Sao as his dependent brother who was given employment as Cat. I Mazdoor

with effect from 1-10-65 on the strength of services of Bhuneswar Sao. Shri Ram Ekbal Sao continued in that post as Cat. I Mazdoor as an underground trammer with working as underground trammer along with Ram Ekbal Sao in the same colliery and Bhuneswar Sao had full knowledge of the appointment of Shri Rameswar Sao. The father's name and the home address of Ram Ekbal Sao is the same as that of Bhuneswar Sao. No objection was raised with regard to the employment of Shri Ram Ekbal Sao being the dependent of Bhuneswar Sao alongwith Ram Ekbal Sao was employed since 1965. The declaration in writing from an employee for appointment of his dependent was introduced sometime in 1973-74 when a few case of fraudulent employment came to the knowledge of management. Since Ram Ekbal Sao was appointed as dependent brother of Bhuneswar Sao who had sponsored his case, the management was justified in not providing employment to Shri Rameswar Sao son of Bhuneswar Sao as per company's rule and he is not entitled to any relief.

The question to be decided is whether Shri Bhuneswar Sao is entitled to secure employment of his dependent son Rameswar Sao as per Company's policy.

The management has examined three witnesses in support of its case and the workmen have examined one witness in support of the case of the workmen. The management has produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-7 and the documents produced on behalf of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-5.

Admittedly Bhuneswar Sao was employed by the management with effect from 3-4-48. It is also admitted that Rameswar Sao whose employment Bhuneswar Sao is seeking is the son of Bhuneswar Sao. The case of the management is that Bhuneswar Sao had already availed employment of Ram Ekbal Sao on the strength of his service by declaring Ram Ekbal Sao as his dependent brother and the management refused to either enrol Bhuneswar Sao's son Rameswar Sao or to give him employment. Ext. W-1 dated 23-10-76, W-2 dated 15-4-76, W-3 dated 28-6-77, W-4 dt. 5-2-76 and W-5 dt. 20-8-77 are all the letters from the management of TISCO addressed to Bhuneswar Sao in reply to his application showing that no employment could be given to Rameswar Sao, dependent son of Bhuneswar Sao as Bhuneswar Sao had already secured the employment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother. Now this stand of the management that Ram Ekbal Sao is the brother of Bhuneswar Sao has been belied by the evidence of MW-1 Ram Ekbal Sao himself. MW-1 Ram Ekbal Sao has clearly stated that he is not the brother of Bhuneswar Sao and that his father's name is not the same as that of Bhuneswar Sao and that his village is also different from Bhuneswar Sao. Ram Ekbal Sao in his evidence has tried to show that his father's name and village address was all given by Bhuneswar Sao at the time of his employment. Thus it is clear that Ram Ekbal Sao is not the brother of Bhuneswar Sao.

The question is whether Bhuneswar Sao, instrumental in securing employment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother and that the father's name and the village address of Ram Ekbal Sao was falsely given by Bhuneswar Sao. MW-1 Ram Ekbal Sao has stated in his cross-examination that he does not know if his name was entered in the employees dependent register of the company and that his address, father's name and photo was given by Bhuneswar Sao in the application form. He has stated that he did not file any document relating to his father's name and address authenticated by the BDO or Mukhiya. He has stated that he has no paper with him to show that Bhuneswar Sao has got his employment by introducing him as his brother. Thus Ram Ekbal Sao has no document with him to show that his appointment was secured by Bhuneswar Sao as his dependent brother. MW-2 Shri S.K. Kar was the Personnel Officer at the time when Ram Ekbal Sao was given employment by the management in 6/7 Pits Jamadoba Colliery. He has stated about the procedure of appointment of a dependent of an employee. He has stated that the workmen used to give an application giving the name and the details of his dependent and relationship and thereafter it was entered in the employees dependent register and thereafter a vacancy occurred. The dependent used to be called for employment on the basis of seniority of the



workmen who had applied for the same. He has stated that the workmen used to file his application to the Manager and thereafter the Manager used to send to the application to the Personnel Officer and then the Personnel department used to deal with the matter after obtaining the report from the service record clerk. He has further stated that a letter of appointment used to be given to the dependent of the workmen on his appointment and the relationship of the department with the employee used to be given in the said appointment letter. He has further stated in his cross-examination that the office copy of the appointment letter is written in the office of the management and that the application, the report of the P.O's Clerk and the order of appointment is kept in the office of the Personnel Officer. Thus it appears from his evidence that the management was maintaining the applications of the employee who sought employment of his dependent and the report with the order thereof along with the copy of the appointment letter of the dependent of the employee indicating the relationship of the dependent with the employee at whose instance the employment is given. All these papers as stated by MW-2 is retained in the office of the management but none of these papers have been produced to show that Bhuneswar Sao had applied for giving employment to Ram Ekbal Sao as his dependent brother and that thereafter the order was passed by the management and appointment letter issued to Ram Ekbal Sao being the dependent brother of Bhuneswar Sao. MW-3 has stated that all these papers are not maintained after five years. I do not think he is wholly correct. The appointment letter is maintained in all cases MW-3 Shri S. K. Biswas who is working as Head Clerk in the Chief Personnel Manager's office has clearly stated in his cross-examination that Ext. M-6 is the only record to show that Bhuneswar Sao had applied for the appointment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother. Ext. M-6 is the entry in Sl. No. 16 at page 108 of employees dependent register of 6/7 Pits Jamadoba Colliery. There is entry to show that Ram Ekbal Sao got employment as dependent brother of Bhuneswar Sao. No doubt there is an entry in the employees dependent register that Ram Ekbal Sao was noted as dependent brother of Bhuneswar Sao but there is absolutely no material to show that this entry was made at the instance of Bhuneswar Sao. MW-3 has stated that the signature of the employee or his dependent who was given employment was not taken in the employees dependent register at the time when Ram Ekbal Sao was given employment. He has stated that he cannot say the name of the Assistant who had made entry in Ext. M-6. Thus the management has not produced the said Assistant who had made the entry Ext. M-6 to show that the said entry was made at the instance of Bhuneswar Sao. He has stated that he does not know if Bhuneswar Sao had filed any petition for the appointment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother. MW-3 has further stated that the person employed gives the father's name, address, religion etc. to the Manager of the colliery in establishment form and on its basis the particulars of the service cards are filled up. Ext. M-7 is the service card of Ram Ekbal Sao in which his father's name is stated to be Munni Sao belonging to village Pirrouta, district Arrah. Thus this entry in Ext. M-3 according to MW-3 has been made in accordance with the declaration made by Ram Ekbal Sao himself. The said Ram Ekbal Sao according to MW-1 had filled up the establishment form and on its basis the particulars of the service cards Ext. M-7 have been filled up. It is clear therefore that Ram Ekbal Sao had himself given his father's name and address as that of Bhuneswar Sao although admittedly Ram Ekbal Sao is not the brother of Bhuneswar Sao. MW-3 has also stated that a copy of the appointment letter is sent to the Personnel department in which there is mention regarding the name of the workmen at whose instance the employment is given to the dependent. It is obvious that the management or Ram Ekbal Sao are not producing the appointment letter of Ram Ekbal Sao as probably it did not mention that Ram Ekbal Sao had been appointed as a dependent brother of Bhuneswar Sao. Thus it will appear that no document has been produced on behalf of the management to show that the appointment of Ram Ekbal Sao was secured by Bhuneswar Sao falsely declaring Ram Ekbal Sao as his dependent brother.

Ext. M-6 is the only document on which the management has depended to establish that Bhuneswar Sao had secured employment of Ram Ekbal Sao by falsely declaring as his dependent brother. I have already discussed above that

there is nothing on the record to show that Ext. M-6 was written at the instance of Bhuneswar Sao. Thus the management has absolutely no evidence to show that Ram Ekbal Sao was given employment on the strength of service of Bhuneswar Sao and that Bhuneswar Sao had obtained his employment by declaring him as his dependent brother.

Ram Ekbal Sao, as admitted by him, is not the brother of Bhuneswar Sao but he is in employment by declaring himself as the son of Munni Sao of village Pirrouta which is the father's name and address of Bhuneswar Sao. According to MW-3 the particulars in the service records (Ext. M-7) are recorded on the statement of the persons getting the employment and as such Ram Ekbal Sao had given false name of his father and address. In spite of the said fact the management has not taken any step against Ram Ekbal Sao and in fact the management has tried to establish its case on the evidence of Ram Ekbal Sao. It shows that the management is in collusion with Ram Ekbal Sao so that an impersonator may be retained in the service and the genuine dependent of a workman may not be given any employment.

The ground of not giving employment to the son of Bhuneswar Sao as stated in Ext. W-1 to W-5 does not appear to be justified in as much as Ram Ekbal Sao is admittedly not the brother of Bhuneswar Sao and that there is absolutely no evidence to show that Bhuneswar Sao had got the employment of Ram Ekbal Sao on the strength of his service by declaring him as his dependent brother. As there is no evidence to show that Ram Ekbal Sao had got his appointment on the strength of service of Bhuneswar Sao it is too much for the management to punish Bhuneswar Sao for the fraud which appears to have been committed by Ram Ekbal Sao.

In the result, I hold that the action of the management of Jamadoba Colliery of (6/1 pits) of M/s. Tisco Ltd. in not providing employment to Shri Rameswar Sao, son of Shri Bhuneswar Sao. Haulage Khalasi as his dependent as per company's policy is not justified. The delay in the employment of Rameswar Sao, son of Bhuneswar Sao has been made on account of the objection of the management and as such the management is directed to give employment to Rameswar Sao as dependent son of Bhuneswar Sao by recording his name in the employees dependent register on the service strength of Bhuneswar Sao within three months from the date of publication of this Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/8/85-D.III(A)]

नई दिल्ली, 6 जून 1986

का.प्रा.2365:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लि., की केंद्रवाडीह कोलियरी, के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-6-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th June, 1986

S.O. 2365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as in Annexure below, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendwadiah Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd June, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 54 of 1981

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Kendwadih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kusunda, Dist. Dhanbad and their workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 27th May, 1986

**AWARD**

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal vide their Order No. L-20012/11/81-D.III.A dated the 1st August, 1981.

**SCHEDULE**

"Having in view the minutes of discussions dated the 24th February, 1976, whether the demand of the workmen of Kendwadih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda District Dhanbad for regularisation of blacksmith (mentioned in the annexure) as departmental workers is justified? If so, to what relief are the concerned workmen entitled?"

1. Chandan Manjhi
2. Dukhan Mistry
3. Sandagar Mistry
4. Sarju Mistry
5. Raj Kishore Paswan
6. Gyan Chand Paswan
7. Mala Paswan
8. Ram Chandra Garhaffi
9. Deo Narain Mistry
10. Ashok Paswan.
11. Bigan Mistry
12. Surjdeo Paswan
13. Chandrika Mistry
14. Jagranath Mistry
15. Rajendra Mistry
16. Munilal Mistry
17. Rajeshwari Mistry
18. Iswar Chandra Mistry
19. Jago Mistry
20. Laxman Mistry."

The case of the workmen is that the concerned 20 workmen were engaged as blacksmith in different collieries prior to their nationalisation and merger in Kendwadih Colliery by the management of M/s. B.C.C. Ltd. They continued to work as Blacksmith even after nationalisation of these collieries till 1-1-1976. They used to perform their job in the premises of the colliery and were paid on piece rate basis and were described as contractors men. After the nationalisation of the collieries with effect from 1-5-72, the management's control and ownership of the collieries were vested in M/s. B.C.C. Ltd. The job of blacksmithy in the collieries cannot be done through contractor and the trade unions impressed upon the management of BCCL to abolish all types of contract system and regularise so called contractor's men as departmental employees. As general policy the management of BCCL regularised the blacksmith in all most all the collieries as departmental employees and in some places some workmen were not regularised while in other places such workmen were stopped from their respective duties of blacksmith by the BCCL without assigning any reason. The concerned workmen also were stopped from their duties w.e.f. 1-1-76 on the plea that the management have abolished contract system in blacksmithy shops

of the colliery. The union of the workman took up the matter with the management and the issue was discussed between the union and the management of BCCL in which it was decided that the concerned workmen will be regularised of their respective employment in the colliery. The management however did not regularise them and did not give any reason for the refusal to regularise them. The union of the workman represented before the management at various level and when it failed to receive any justice from the hands of the management, the union raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad vide letter dated 10-5-80. The ALC(C) took up the matter and held the conciliation proceeding which ended in failure and thereafter present reference was made. In the present case the management had taken a policy decision to regularise the workmen in the regular employment of BCCL as they had done in other collieries to similar type of workman. The concerned workmen had been performing the duties which were of permanent nature required in day to day working of the colliery and directly connected with the production of the collieries and as such the concerned workmen cannot be thrown out of employment. Their stoppage of work is arbitrary, illegal and mala fide and is an act of unfair labour practice. It is submitted that the concerned workmen are entitled to reinstatement with full back wages for the entire period of their forced idleness.

The case of the management is that the reference is not maintainable as there was never any relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen. Prior to 1976 some persons were working as contractors in connection with the work of blacksmithy at Kendwadih Colliery. The management had no such work to be awarded to the contractor and as such the contractor worker was discontinued from 1976. The sponsoring union representative had held discussion with the management in February, 1976 claiming employment for the workers employed by the contractors. Such discussion were purely of an exploratory nature and no final conclusion had been arrived. It was also found that there was difficulty in ascertaining and locating of real person whom the contractors had engaged. The management also did not require the services of the blacksmiths as work was not available for those blacksmiths and as such the matter was not pursued any further. The sponsoring union did not take up the case of persons whose names appear at Sl. Nos. 4, 5, 7, 8, 10, 12, 16, 17, 18 and 19 of the annexures to the schedule of the reference. There was no minutes of discussion dated 24-2-76 which were signed by the parties as envisaged in the reference order. The reference order assumes that the concerned workmen have been continuing to work as contractors workers and the question to be decided is as to the regularisation of those persons as departmental workmen. Even if any of the concerned workmen were working, they ceased even to be contractors' workers since the time contract system itself was discontinued prior to 1976. The concerned workmen were contractors workers and hence there was no question of their regularisation by BCCL. On the above plea it is submitted on behalf of the management that the demand of the workmen is not just and that they are not entitled to any relief.

The question to be decided in this case is as to whether the demand of departmentalisation of the concerned workmen as blacksmiths is justified.

The concerned workmen have examined 10 witnesses in all and the management have examined two witnesses in support of their respective cases. The management have further produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-4. The documents on behalf of the workmen have been marked as Ext. W-1 to W-5.

It will appear that prior to nationalisation there were two collieries namely Khaira Colliery and East Balihari Kendwadih Colliery which were amalgamated and were known as Kendwadih Colliery. Those two collieries are now the two sections of Kendwadih Colliery. The case of concerned workman is that Sl. No. 1 to 12 formerly belonged to East Balihari Kendwadih Section and the concerned workmen Sl. No. 13 to 20 of the annexure to the order of reference belonged to Khaira Section. There is dispute regarding some of the concerned workman as to whether they were working in the two collieries but it is



admitted that some of them were working as blacksmiths in those two collieries prior to their nationalisation and that they continued to work as blacksmiths even after nationalisation till prior to 1976 under BCCL. WW-1 to WW-3 and W-10 are the concerned workmen examined on behalf of the union. It appears from their evidence that some of them were working in East Bahari Kendwadih Colliery and some were working in Kharia Colliery prior to nationalisation and that after nationalisation they were working in these two sections of Kendwadih Colliery. It will appear from the evidence of MW-2 who is working as Manager (Opn) in Kendwadih Colliery that there are four sections in Kendwadih Colliery, namely, East Bahari Section, Gan-shadih Section, 3 Pit Kharia and four pit Kharia. It appears from his evidence that he had worked in many collieries in the past and he has stated that blacksmiths are working in all the collieries in which he had worked. He had also got a list prepared regarding the blacksmiths working in Kendwadih Colliery and the same is marked as Ext. M-4. It will show the date of appointment and the dates since when those persons are working. According to his evidence it will appear that the damage tubs are locally repaired. He has further stated that the coal is raised from underground in Kendwadih Colliery and for raising the coal from the underground tubs are necessary. It will thus appear from his evidence that the job of blacksmithy is an integral part of the coal industry. It will further appear from his evidence vide Ext. M-4 that several blacksmiths and hammerman are working in Kendwadih Colliery and it will further appear that they are working in the present designation from between the year 1972 to 1983. It will appear therefore that persons who are already working in the Colliery on the different jobs were employed to work as blacksmith and hammerman, but repairing mazdoor etc. even after 1976. It will further show that the management were having the need of blacksmith and hammerman even after 1976 and they have been employing persons in the said jobs internally. It cannot therefore be said that the management did not require the services of blacksmiths and in fact they have been appointing blacksmiths and hammerman after the stoppage of work of the concerned workmen.

It is the admitted case of the parties that the workmen's union representative and the management had discussed the issue of regularisation of the blacksmiths and had arrived at a conclusion which was reduced into writing in the minutes of discussion dated 24-2-76 and is marked Ext. M-2 in the case. MW-1 Shri V. R. Joshi was worked as Personnel Officer at Bhagaband area which includes Kendwadih Colliery. He has stated that in 1976 RCMS union demanded abolition of contract system in some of the collieries of Bhagaband area and they had also demanded the abolition of contract system in blacksmithy job of Kendwadih colliery. He goes on further to say that on 24-2-76 there was meeting between the management and the RCMS union or discussing the matter and he was one of the representative of the management present in the meeting. He had drafted the minutes of discussion in his own writing and Ext. M-2 is the photo copy of the said minutes of discussion under his writing. He has stated that the management did not implement the minutes as there was no requirement of blacksmith and there were already four departmental blacksmiths, 4 hammerman, and some tub repairers mazdoor in Kendwadih Colliery. He has stated that the discussions were of exploratory nature and the persons who were working had not been identified. He has stated that the union did not come forward for joint identification of the workmen. In his cross-examination he has stated that in 1976 contractor labour in the coal mining industry also came in the restricted items. He has stated that after the abolition of contract system in 1976, BCCL departmentalised the job of blacksmith and appointed the blacksmiths working under the contractor if they were found suitable as per requirement. He has stated that on the said basis RCMS had a discussion with the management and that as the union could not agree to the identification of the blacksmith the agreement could not be arrived at. Now referring to Ext. M-2 which is the basis of the claim of the workmen. It will appear from Ext. M-2 that the union had raised the issue of abolition of contract, job of blacksmith at Kendwadih Colliery and the union submitted a list of workers working as Blacksmith under contractor S/Shri Mahadeo Mistry, Chandan Manjhi and Govind Mistry of Kendwadih

Colliery. The discussion relating to Kendwadih Colliery forms a separate heading in Ext. M-2. It is stated that the union submitted a list of contractors workers working under Chandan Manjhi, Govind Mistry and Mahadeo Mistry and that the names of the workers were compared with the list of contractors and the notesheets dated 2-1-76, submitted by the Supdt. Kendwadih Colliery wherein the Supdt. had given the names of workmen working under S/Shri Chandan Manjhi, Govind Mistry and Mahadeo Mistry contractors the total number of which is 22. The said note of the Superintendent forms part of Ext. M-3. Ext. M-2 further shows that the union demanded all of the persons named in the Superintendent's list (Ext. M-3) should be taken in company's roll. The Area Personnel Manager states that there are only 22 heads required and then the list was compared with the list of contractors workers of Govind Mistry, Chandan Manjhi and Mahadeo Mistry. Ext. M-2 further envisaged that there should be joint physical verification of the workmen by the management and the union on 25-2-76. It further shows that after discussion the regularisation of 22 Senior most contractors workers working under Mahadeo Mistry, Chandan Manjhi and Govind Mistry and the only dispute was regarding the parties had agreed to regularise the contractors workers of the contractors Chandan Manjhi, Mahadeo Mistry and Govind Mistry and the only dispute was regarding the identification of the persons. It appears that some how or other the identification could not be done as envisaged in the minutes of discussion. However, the matter remains that the management had agreed to give employment to 22 of the workmen of the contractors. MW-1 has clearly stated that after the abolition of the contract system in 1976 BCCL departmentalised the job of blacksmiths and appointed the blacksmiths working under the contractor if they were found suitable. Thus on principle there is no dispute left between the parties regarding the departmentalisation of the workmen of the contractors Chandan Manjhi, Mahadeo Mistry and Govind Mistry and the only dispute is about the identification of the workmen.

WW-9 is Shri Murlidhar Prasad who is a trade union leader. He has stated that the discussion between his union and the management took place in his presence on 24-2-76 regarding the regularisation of the concerned workmen, but the discussion was not implemented by the management in respect of the concerned workmen. He has stated that there was correspondence between the union and the management but the management did not give reply to Ext. W-1, W-2 and W-3 and thereafter the present industrial dispute was raised before the ALC(C), Dhanbad. He has stated that the concerned workmen were working as blacksmith under the contractors Govind Mistry, Chandan Manjhi and Mahadeo Mistry. The other 9 workmen's witness have also stated that the concerned workmen were working under the contractors prior to nationalisation and that they continued to work till 1976 under BCCL.

Ext. W-3 is the notesheet which shows the name of 21 workmen which includes the name of Govind Mistry, contractor who is not named in the annexure to the order of reference. Thus there are only 20 persons left. Liakat Mia in Sl. No. 5, Mahadeo Mistry's list is not named as a workman in the annexure. Thus 19 persons named in the notesheets Ext. M-3 are included in the annexure. The name of Gagoo Mistry is not included in Ext. M-3. There appears to be some confusion regarding the name of Shri Surajdeo Sao in Ext. M-3 and Sl. No. 12 Surajdeo Paswan in the annexure and it has to be seen as to which of those persons were actually working under the contractors. It is submitted on behalf of the management that the concerned workmen have not been identified being persons who were working under the contractors and as such they were not departmentalised. As the dispute is now only in respect of their identification, the said matter can be resolved by getting their identification established for the purpose of giving them employment by the management. I think that the concerned persons should filed affidavits with photo regarding their identification along with the affidavit of Mukhiya regarding their identification along with a certificate of their identification either from the local police or BDO. On filling such affidavit the management is directed to give employment to the concerned workmen whose iden-

tifications has been established by the affidavits and certificates.

In the result, I hold having in view the minutes of discussion dated 24-2-76 that the demand of the workmen of Kendwadith Colliery of M/s. BCC Ltd. for regularisation/departmentalisation of the blacksmiths mentioned in the annexure is justified. The management is directed to regularise them as departmental workmen on their filing evidence of identification as indicated above. The concerned workmen were stopped from their work in 1976 and the present dispute was raised after a long time of 5 years and so such I do not propose to award them back wages. The concerned workmen should file their affidavits etc. regarding their identification with the management within one month of the publication of the Award and the management, after examining the same, employ the identified concerned workmen within one month of the receipt of the affidavits etc. If the management does not give employment within one month of the filing of the affidavits etc., the concerned workmen will be entitled to all wages since after one month of the filing of their affidavits.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. 22012/11/81-D.III(A)]  
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 जून, 1986

क्र. सं. 2366:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जैमस सिमरेशो कार्लोस कम्पनी लिमिटेड, मण्डामर्री, डा. कल्याण खानी जिला अर्द्धाल-बाव (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और इनके कर्म-चारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधि-कारण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 मई, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2366.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Limited, Mandamarri Division, P.O. Kalyani Khani, Distt. Adilabad (Andhra Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Shri L. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.  
Industrial Dispute No. 20 of 1984

#### BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited,  
Mandamarri Division, Adilabad District, A.P.:

#### AND

The management of Singareni Collieries Company Limited,  
Mandamarri Division, Adilabad, District A.P.

#### APPEARANCES :

Sri Naushad Ali, Advocate for the Workmen.

Saraswathi K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation by its Order No. 1-22011/45/83-D. III(B), dated 13-3-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 between the employers in relation to the management of Messrs

Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division their workmen to this Tribunal for adjudication;

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division, P.O. Kalyani Khani, District Adilabad (A.P.) are justified in dismissing Shri Mekala Raya Posham Coal Pillar from service with effect from 23-8-82? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

This reference was registered as Industrial Disputes No. 20 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. In this industrial Dispute workman Mekala Raya Posham prayed that order of dismissal passed against him should be declared as illegal and grant such other reliefs as Tribunal deemed fit. The petitioner mentioned that he was working as Coal Filler K.K. 2 Incline in Singareni Collieries Company Limited, being office bearer of the Union, he represented mine level workers (Coal fillers) in the capacity of the Pits Secretary. He took up the grievances to the Mines Manager and therefore the Management was anxious to get rid of him on some pretext or the other to curb the unions activities. According to him he was served with a charge sheet on 2-12-1981 charging that he abused the Divisional Personnel Officer, Y. Sobhanadria Acharyulu and abused him and he also manhandled him. According to him he being Pit Secretary, he went to the Additional General Manager Office on 26-11-81 to get firewood sanctioned for celebrating Mysamma Puja in the presence of office of the Divisional Personnel Officer. When there was some unrest on account of some other unconnected with, the Petitioner was exploited by the Management and Fabricated a false charge sheet against him. According to him when the enquiry was conducted the Sub-Inspector of Police, Mandamarri with his constable, the petitioner and witnesses were strictly warned and threatened with consequences and thus he was denied the opportunity to defend himself in the enquiry fully. It is his case that the enquiry was vitiated in as much as the same is based upon the testimony of the interested witnesses. It is also his case that the Enquiry Officer gave credence to the complainant who was not in good terms with the petitioner and who was desirous of getting rid of the petitioner at the instigation of the Management. It is also his case that Judicial Magistrate of First Class, Laxetipet and found to be not guilty and was honourably acquitted after a trial in C.C. No. 421/82 dt. 26-2-1983. According to him the order of dismissal is discriminatory in as much as another worker by name Domera Bondyalu, Pump Khalasi, Bellampalli Civil Department, against whom a criminal complaint was lodged and was not given punishment. Finally it is contended that the punishment awarded is excessive and unwarranted and the petitioner's past record is clean and finding contrary to this fact is incorrect.

3. The Management filed a counter denying all these allegations, stating that he was charged under Section 16(5) and was given full opportunity to defend himself and that he came to the office for seeking firewood for celebrating Mysamma Puja is completely baseless and is any afterthought. According to him the enquiry was conducted in to the charges and no police personnel were present and no threat was imposed on him. According to the Management he was fully involved in the incident and responsible for the manhandling of the Division Personnel Officer as the Leader of the group and hence he was dismissed from the company service after full enquiry. The punishment awarded is not excessive or the allegation there was discrimination in dismissing him while not raising any action against Domera Bondyalu are unfounded and they are not related. It is maintained that the case of Bondyalu is on a different footing. Therefore the management wanted that the order of dismissal should be confirmed.

4. At the outset the preliminary point was taken up for decision in M.P. No. 10 of 1985 to decide the validity of the domestic enquiry or a preliminary issue to a given finding whether the same was conducted in accordance with the principles of natural justice by giving reasonable opportunity to the workers concerned. The Management examined one witness as M.W.1 and marked Ex. M1 to M6(a)(b) and M7. While the workman himself examined as W.W.1 and marked Ex. W1.

5. This Tribunal had occasion to deal with the entire matter carefully and properly by giving reasonable opportunity and therefore the same is upheld. Regarding the acquittal also in the criminal court it was dealt with the same preliminary point. The actual complainant Sri Sobhanadri Acharyulu was not examined as he was out of India and the acquittal is based upon technical ground and not on merits. Thus in fact the concerned workman also participated in the domestic enquiry and examined himself as W.W.1 before this Tribunal also. The allegation that police were present at the time when he was enquired into were not even suggested before the Criminal Court when his criminal case was tried. So theory that he was coerced and the witness was not allowed to give statement were only an afterthought.

6. The question now is as per the charge that on 26-11-81 at about 5.00 p.m. he entered Divisional Personnel Office Y. Sobhanadri Acharyulu room unauthorisedly and abused him and that he had manhandled him. The statement of Sobhanadri Acharyulu whose statement was recorded by the Enquiry Officer on 31-1-1981 would show that on 26-1-1981 at about 5.00 p.m. one Bondyallu Youth Congress Leader entered his office room without permission along with the four other persons questioned about the applications given by him along with two employment registration cards and why others than those given by him were recruited. At that time he became wild while he was explaining and started abusing him in filthy language and that he would see him if the persons were not taken among other four persons. The said Sobhanadri mentioned Mekala Raya Posham as one of them present and he started abusing him in filthy language saying This son of a bitch is not taking the persons whom we suggested. Even though this fellow has all the things, it is these rascal sons of donkeys are officers, etc. thereby meaning that "he ring and scoundrel was not taking persons whom they wanted as coal fillers and this fellow was worst than a menial and in fact is a menial and loafer who is the officer looking after these matters". When the Enquiry Officer asked the said Rova Posham after the contents were explained to him in Telugu and asking him to cross examine he mentioned that he did not wish to cross examine him. So it is a case where he was abused in filthy language.

7. It is a fit case where in the light of the judgement reported in Rama Kant Misra v. State of Uttar Pradesh (1982 IIC page 1790) in which there is no evidence directly speaking that Mekala Raya Posham manhandled and pushed the handle of the chair and in the process that Sobhanadri Acharyulu fell on the side of the table. This is only presumption drawn on the enquiry proceeding by the Enquiry Officer. So in the light of the Supreme Court Judgement mere indiscrete abuse even if used should not be taken as serious charges requiring punishment of dismissal. In Ved Prakash v. M/s. Delton Cable India (P) Ltd., (AIR 1984 S.C. Page 914) it was held that when there was nothing on record to show that there was any previous record against the workman taken into consideration by the Management for awarding extreme penalty of dismissal from service even if he had in fact abused in filthy language, the Supreme Court expressed opinion the punishment awarded to the applicant is shockingly disproportionate regard being had to the charge framed against him. In a given situation like this, I think that withdrawing of two increments with future effect will be more than an adequate punishment for such low paid employees as is done in the case before the Supreme Court. Therefore he is directed to be reinstated exercising power under Section 11-A of the I.D. Act, this Tribunal holds that the extreme penalty of dismissal is unwarranted and the Management can withdraw two increments with future effect to the workman and the Management is directed to reinstate the workman forthwith and that he is entitled to the wages from the date of dismissal with consequential benefits and attendant benefits. The Management is directed to withhold only two increments with future effect.

8. Thus the action of the Management in dismissing Mekala Raya Posham Coal Filler from service with effect from 23-2-82 is thus held to be disproportionate under Section 11-A of the Industrial Disputes Act I find that it is a fit case where dismissal as mentioned in the charge and the Enquiry Officer findings is not required for the alleged

misconduct. There is no habitual riotous, disorderly behaviour proved and the allegation of manhandling is also not proved beyond reasonable doubt and therefore having found that it is a fit case to set aside the order of dismissal and direct the reinstatement of the workman by withholding of two future increments.

Award is passed accordingly.

Directed to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 5th day of May, 1986.

Sd/- (Illegible)

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

Witnesses Examined

M.W.1 V. Datta Prasada Rao

for the Workman :

for the Workmen

W.W.1 Kekala Raya Posham :

Documents marked for the Management :

Ex. M1—Charge Sheet dt. 2-12-81 issued to Mekala Raya Posham by the Management of S.C. Co. Ltd., Mandamarri Division.

Ex. M2—Acknowledgement dt. 15-12-81 from Mekala Raya Posham to the Colliery Manager, K.K.2 Incline.

Ex. M3—Explanation submitted by Mekala Raya Posham to the Colliery Manager, S.C. Co. Ltd., K.K.2.

Ex. M4—Enquiry Notice dt. 27-12-81 issued to Mekala Raya Posham by the Colliery Manager, K.K.2 Division of S.C. Co. Ltd., Mandamarri.

Ex. M5—Acknowledgement receipt from Mekala Raya Posham

Ex. M6—Enquiry Proceedings.

Ex. M6—(a) Read over and explained the contents in Telugu to the workman by the enquiry officer at page 4 of enquiry proceedings.

Ex. M6—(b) Read over and explained the contents in Telugu to the workman by the enquiry officer at page 9 of enquiry proceedings.

Ex. M7—Enquiry report.

Documents marked for the Workmen :

Ex. W1—Report dt. 31-12-81 of Subinspector of Police, Mandamarri.

Ex. W2—True Copy of the Judgement dt. 26-2-83 in C.C. No. 421/82 on the file of Judicial Magistrate of First Class luxettipet.

Sarna/20-5-86.

Sd/- (Illegible)

INDUSTRIAL TRIBUNAL

[No. L-22011/45/83-D. III(B)]

का.प्र. 2367:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सिन्दरी, फाल्गुन कम्पनी लिमिटेड, रामगुण्डम डिस्ट्रिक्ट 4, डा० गोदावरी जिला, जिला कारमनगर (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबंधन से सम्बन्धित निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच अग्रिम में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 29 मई, 1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2367.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramagundam Divi-

sion IV, P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT : Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.  
Industrial Dispute No. 51 of 1984

#### BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited,  
Ramagundam Division IV, Godavarikhani, Karimnagar.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited,  
Ramagundam Division IV, Godavari Khani,  
Karimnagar Dist.,

#### APPEARANCES :

Sarvasri D. Reddappa Reddy and Mohan Rao, Advocate  
for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kunari  
G. Sudha, Advocate for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation by its Order No. L-22012(30)/84-D.III(D) dated 26th July, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Colliery Company Limited and their Workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division IV, P.O. Godavarikhani, Dist. Karimnagar (A.P.) were justified in dismissing from service with effect from 24-10-83 Sri Jangerla Sunder Raju, Coal Filler G.D.K. 8 Incline ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

This reference was registered as Industrial Dispute No. 51 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. The claims statement filed by the Petitioner requesting that penalty of dismissal imposed upon him was very severe and disproportionate and excessive and that he could not secure alternative employment to his best of ability and prayed that the order be set aside.

3. The same was opposed by the Management stating that the charges are very severe and therefore he was given full opportunity of defend himself in the domestic enquiry and therefore there was nothing much required further to take a lenient view in the matter.

4. A Preliminary point namely whether the domestic enquiry was conducted against the delinquent workman was proper and fair as required under the principles of natural justice or not was decided on merits after contest by an order dated 27-2-1986. It was held that the domestic enquiry was held properly and fairly and the delinquent workman was given fair and reasonable opportunity to represent himself and principles of natural justice have been adhered to and there was no injustice caused to him in the method and manner in the domestic enquiry. This is part of the record. Hence the same is not repeated.

5. The workman examined himself as W.W.1 and marked Exs. W1 to W7 while the Management examined one Witness as M.W.1 and marked Exs. M1 to M7. This was marked in the preliminary enquiry in M.P. No. 104/85. It is the same evidence that has to be considered in the present dispute also.

6. The only limited point that is left over is whether the punishment of dismissal is too severe for the misconduct

It is a peculiar case where the workman's wife was admitted in the hospital with acute pain and bleeding and the workman was anxious about the health condition of his wife and when the Nurse and other Doctor were little bit unattentive towards his wife as felt by him, he had occasion to lose temper and shouted at them and he created some disturbances to the patients and also abused them. The fact remains that the said workman was beaten by the Police at the instance of the complaint given by the Hospital authorities and the workman was released on 22-8-1982 and he came to know that his wife was discharged from Hospital after she was attended to. But when the workers including the workman insisted that she was not properly treated she was again admitted on 23-8-1982. The workman's wife again admitted in the hospital and she was given treatment. Of course the complaint filed by the Respondent against the Petitioner in C.C. No. 70/82 was pending before the First Class Magistrate and awaiting verdict of the Court. Now the fact is that the wife of the workman was bleeding on 22-8-1982 and she was taken to the hospital at 7.00 P.M. to the G.D.K. Area Hospital is not disputed. Of course it is the case of the workman that on 21-2-1982 after he worked in the mid-night shift went to his house and cooked the food and took the food to his wife at about 6.45 P.M. and he was not allowed to go inside though visitors are allowed to go to patients normally after 7.00 P.M. and ultimately when the Doctor permitted him the Ayah did not allow him to go inside and she complained to the Lady Doctor that he abused her in filthy language and thus while they were talking like that four constables came and he was taken forcibly to the Police Station and therefore with the Welfare Officers help and other Union leaders again he got his wife who was unwell admitted on 23-8-1982 and after three days on 26-8-1982 a charge sheet was given to him stating that he abused them, and that he misconducted himself under 16(5) under Standing Orders and that he was dismissed after the enquiry. The question to be seen is in Rama Kant Mishra v. State of Uttar Pradesh (AIR 1982 S.C. page 1552) It is held that by insertion of Section 11-A it is now crystal clear that the Labour Court has the jurisdiction and power to substitute measure of punishment in place of the managerial wisdom once it is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified in the facts and circumstances of the case. Under Section 11-A even though misconduct is proved and a penalty has to be imposed the extreme penalty of dismissal or discharge was not justified in the facts and circumstances of the case meaning thereby that the punishment was either disproportionately heavy or excessive. It is well recognised principles of jurisprudence which permits penalty to be imposed for misconduct that the penalty must be commensurate with the gravity of the offence charged. First of all none of the Doctors and Ayahs who were abused by filthy languages were examined though the domestic enquiry is conducted fairly. Even in the domestic enquiry conducted the statement of Radhakrishna and Dr. Vasantha Kumari and Dr. Guraraja Rao and others did not make such serious misconduct against the workman, that they were abused in filthy language. The situation thus, it is a case where the petitioners wife was admitted on 21-8-1982 with bleeding and the mental tension of the petitioner can be imagined for quick and immediate relief to his wife to be given by the Doctors. It was a case where the whole night no food or tiffin was served to her and there was some kind of arrogant replies by the Ayas and Ward Boys, stating that it was not their duty to give tiffin or coffee to the patients, and the workman when he went to see his wife after working hours when he wanted to take food there was a delay of 15 minutes in visiting hours time to reach the ward and the Doctor did not allow him and when he ultimately took the permission of the Doctor the Ayah inside the ladies ward tried to obstruct him and tension was thus created on his mind to see his wife can be imagined in a dispassionate way with more human approach and even if he lost temper and abused using some words in excessive of his subordination and also which are not really warranted on the other. It is a fit case where Section 11-A of the I.D. Act should be applied. It is not a case of misconduct arising out of his duties. It is a kind of misconduct arising out of mental tension created on the workman for which the Hospital authorities as well as Ayahs and the Doctors were also parties. Therefore on the ground that the employee used indiscreet language or that threatened the Doctors by going in front of this house

that he would do away with them must be understood in a naked and frank manner and it is a lit case where extreme penalty of dismissal imposed for the said words even if used must be held as disproportionately heavy and excessive. Even in *M/s. G.E.C. (P) Ltd. v. Labour Court, Allahabad* (1969 1 F.L.R. page 159) It is pointed out that though the punishment is a managerial function and when the management had taken into account the previous misconduct of the workman for having gone on the first strike and the punishment of warning that was given for the past conduct while imposing punishment of dismissal for the second enquiry, it was held that the same was not bona fide and vindictive and the orders of dismissal was set aside. In the instant case also the order of dismissal is not warranted on the specific allegations as none of the grounds of dismissal or for the direct misconduct to the workman in his official duties. It was only a sudden provocative loss of temper when his kith and kin were seriously ill and the hospital authorities took it light as per him and tried to prevent from seeing her and giving food to her. The doctor as well as the Management authority also should see that it was not their case that workman wife was not ill or that she was not an inpatient in the hospital during the relevant period and the draw backs in the treatment aspect are only exposed and the management also should see that the aspects pointed out by the workman should not be brushed aside in the light manner. In *Ved Prakash v. M/s. Delton Cable India (P) Ltd.*, (AIR 1984 S.C. Page 914). It was held that when there was nothing on record to show that there was any previous record against the workman taken into consideration by the management for awarding extreme penalty of dismissal from service even if he had in fact abused in filthy language, the Supreme Court expressed opinion the punishment awarded to the applicant is shockingly disproportionate regard being had to the charge framed against him. The Management on the other hand relied upon the decision reported in *Lalla Ram v. D.C.M. Chemical Works Ltd.*, (1978 SC Cases page 1) it was held that private quarrel between two employees and conduct of one employee which is subversive of discipline, it is sufficient that the victim and the delinquent workman are both employees of the same concern and the misconduct is directed against the former while he is acting in the discharge of the duties imposed on him by virtue of his office in such cases the jurisdiction of the Industrial Tribunal being limited one it will not be justified in withdrawing its approval. It is a misconduct in the sense that the workman was discharging his duties. He was coming to the hospital as his wife was unwell and admitted in the hospital with mental tension and the brawl or exchange of words resulting into abusive words are only momentary, the duty Doctors or Ayah who were responsible for permitting him to go inside the hospital or for permitting him after the visiting hours should not have been taken, the matters to such serious level as if the workman acted in violation of his duties or they were prevented from discharging their duties. The actual Doctors who were involved, or supposed to be threatened at their houses was not in the hospital and there is no direct evidence of any Doctor that they were threatened and prevented from discharging their duties in the hospital. So these facts will not apply. The Management relied upon the decision reported in *Gujarat Mineral Development Corporation v. P. H. Brahmhatt* (AIR 1974 S.C. Page 136). It is held that the order in question was one of discharge simpliciter and was bona fide one and as such award of reinstatement should be set aside on the facts given therein. In that case the Respondent—workman was appointed by the Gujarat Mineral Development Corporation as a temporary assistant on the conditions set out and the Respondent services continued to be temporary as no order of appointing him on probation was past and on the date when his services were terminated by the order he was in temporary service. Therefore it was held that it was only a discharge simpliciter but in the instant case it was not so. He is a permanent employee and it is not the case of the management that the workers misbehaved while discharging his duties or is there any clear tangible evidence to show that particular Doctor while discharging his duty in the ward or obstructed or prevented by the workmen which amount to misconduct requiring serious punishment of dismissal. Therefore it had no application. The Management relied upon *Anand Bazar Patrika v. Their Employees* (1963 (II) I.L.J page 429). It was a case where the domestic enquiry was held to be improper and

not fair and it was a case where the enquiry officer refused permission to the concerned workman to examine such witness. In that context it was held that the award of the Labour Court was liable to be set aside. It was pointed out where there is evidence to justify finding of mala fide or victimisation only the Tribunal should try to come to rescue the workman. First of all this citation had nothing to do with Section 11-A. Section 11-A has come into force by an amendment brought out in 1971 (Act 45 of 1971). Therefore the citation relied upon by the Management of which is 1963 I.L.J Vol. II page 429 with reference to power of the Tribunal to apply Section 11-A to give appropriate relief. In case of discharge or dismissal of a workman will not affect and this tribunal is competent by virtue of Section 11-A to award lesser punishment in fitting cases.

7. Thus I hold that the order of dismissal is not proper punishment for the alleged misconduct and the petitioner has put in long service, the Respondent-Management had not shown that there was any blameworthy conduct of the workman during the period of his service rendered prior to the date of misconduct. The misconduct consist of indiscreet language and also improper acts of threatening posture. In the given circumstances when his wife was seriously ill according to him and it is an admitted fact that she was admitted twice in the hospital and that there was also refusal or delay in allowing him to see her. There must be a human approach and it must be held that the extreme penalty of dismissal is not warranted as it is disproportionately heavy and excessive. In a given situation like this, I think that withdrawing of two increments with future effect will be more than an adequate punishment for such low paid employee as is done in the case before the Supreme Court. Therefore he is directed to be reinstated exercising power under Section 11A of the I.D. Act, this Tribunal holds that the extreme penalty of dismissal is unwarranted and the Management can withhold two increments with future effect to the workman and the management is directed to reinstate the workman forthwith and that he is entitled to the wages from the date of dismissal with consequential benefits and attendant benefits. The Management is directed to withhold only two increments with future effect.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of April, 1986.

Sd/- illegible  
Presiding Officer

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witness Examined for the Management:	Witnesses Examined for the Workmen:
M.W1 E. V. Purshotham	W.W1 J. Sunder Raj

#### DOCUMENTS MARKED FOR THE MANAGEMENT

- Ex. M1—Charge Sheet dt. 13-9-82 issued to J. Sunder Raju by the Superintendent of Mines, G.D.K. No. 8 Incline.
- Ex. M2—Acknowledgement dt. 13-9-82 from J. Sunder Raju.
- Ex. M3—Reply to the charge sheet dt. 14-9-82 submitted by J. Sunder Raju to the Superintendent of Mines.
- Ex. M4—Enquiry Notice dt. 3-11-82 issued by the Colliery Manager to J. Sunder Raju.
- Ex. M5—Enquiry Notice dt. 13-11-82 issued by the Colliery Manager to J. Sunder Raju.
- Ex. M6—Enquiry Notice dt. 6-5-82 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager.
- Ex. M7—Domestic enquiry file pertaining to J. Sunder Raju.

#### DOCUMENTS MARKED FOR THE WORKMEN

- Ex. W1—True copy of the Judgement in C.C. No. 70/83, dt. 22-2-85 on the file of court of the Judicial Magistrate of F.C. at Sultanabad.
- Ex. W2—Charge sheet dt. 26-8-82 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager G.D.K. No. 8 Incline.
- Ex. W3—Explanation dt. 23-8-82 submitted by J. Sunder Raju to the Superintendent Area Hospital, Ramagudam.
- Ex. W4—Letter addressed by J. Sunder Raju to the Superintendent of Mines, G.D.K. No. 8 Incline with regard to cancellation of charge sheet.
- Ex. W5—Letter dt. 19-10-82 addressed by J. Sunder Raju to the Senior Personnel Officer, Ramagundam with regard to supply of enquiry proceedings.
- Ex. W6—Enquiry notice dt. 27-4-83 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager, G.D.K. 8 Incline, S.C. Co. Ltd.
- Ex. W7—Letter dt. 21-12-83 addressed by J. Sunder Raju to the Senior Personnel Officer, S.C. Company Limited, Godavarikhani with regard to supply of enquiry proceedings.

Sd/- Industrial Tribunal

[No. 22612/30/84-D.III(B)]

का.प्र. 22612/30/84-डी.आई.बी, 1987 (1947 का. 14) का धारा 17 के अन्वये, केन्द्रिय सरकार, सिरमौर कलरीज कम्पनी लिमिटेड, बेलापल्ली के प्रबंधन से सम्बन्धित निम्नलिखित शीर्षक वाले कार्य के संबंध में निम्नलिखित प्रमाणिक विवाद में प्रमाणिक अन्वये, हृदयबल के पंचाद का प्रमाणिक कार्य है, जो केन्द्रिय सरकार का 29 मई, 1986 का प्रमाणिक कार्य है।

S.O. 23.8.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Co. Limited Bellampalli and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,  
Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 14 of 1985

#### BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, District, Adilabad, (Andhra Pradesh)

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, District Adilabad (Andhra Pradesh).

#### APPEARANCES :

Sarvasri K. G. Kannabiran and G. Omkar Murthy,  
Advocate for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kum. G. Sudha, Advocate for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/69/84-D. III(B) dated 4-3-1985 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli and their workmen to this Tri-

bunal for adjudication.

"Whether having regard to the past record of service of Shri C. Ramulu, Overman and the alleged offence, the penalty or dismissal from service with effect from 28-7-84 imposed on him by the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 14 of 1985 and notices were issued to the parties.

2. This is a claims statement filed by Sri K. Balaiah who is the Vice President of Mining Technical Staff Association, Kamakshinapur against the order of dismissal imposed on Ch. Ramulu, workman with effect from 28-7-1984 by the management of Singareni Collieries Company Limited, contending that the same is not justified. According to him Ch. Ramulu was appointed as Overman under the management of the Respondent Company on 14-5-1971 and the said Ramulu worked as Overman for a long time without any complaint whatsoever but the Management issued a charge sheet on 10-11-1983 charging him with misconduct under the Company's Standing Order 16(2) and 16(9) for the alleged inclusion of the name of A. Ramaswaroop, Coal Filler in the acting person list in the shift report book on April, 1983. The said Ramulu offered his explanation on 14-11-1983 but the Management did not accept the explanation and imposed maximum punishment of dismissal. It is said that the domestic enquiry was not conducted properly and he was denied opportunity of cross examining the so called beneficiary Ramaswaroop and that the Management failed to produce 'C' Register wherein the attendance of Ramaswaroop was marked at 7.00 on 27-8-1982 the overman report book and pay sheet. According to him Pit Office Assistant and the Manager are also equally responsible and the Manway Clerk K. Panna Babu and pay sheet Clerk Sri B. V. Ramana Rao, are also equally responsible. It is mentioned that he is unemployed since dismissal and unable to seek alternative employment and the punishment imposed is excess of the offence.

3. In the counter filed by the Management, it is said that Ch. Ramulu was appointed on 14-5-1971 and since 16-6-80 he was working as Overman at Srirampur No. 1 Incline. According to them there were previous complaints also against him. According to the management the intentionally included the name of A. Ramaswaroop, Coal Filler in the acting list of the Shift Report book after a lapse of considerable time showing as if the workman had worked on 27-8-1982 though Sri R. Ramaswaroop has actually not work on 27-8-1982. So it is contended that he made the entries with an ulterior motive and altered the material records of the Company and he colluded with the said A. Ramaswaroop to enable him to have Earned Leave with pay and other benefits for the year 1982 would come to a total sum of Rs. 2,836.00. The Enquiry Officer conducted the enquiry and gave him all reasonable opportunity. The domestic enquiry was conducted as per the rules and principles of natural justice and at every stage full opportunity was given to him and the delinquent also cross examined the witness of the management. It is incorrect to allege that the delinquent employee called for 'C' Register Overmen Report Book and Pay Sheet to be produced and this is an after thought. The management in fact produced the Overmen Report Book to prove the allegations. According to the management three people are concerned for this fraud of paying Rs. 2,836.00 as Earned Leave with pay and other benefits to A. Ramaswaroop. One is Sri Ramulu who is the Petitioner, the others are B. V. Ramana Rao, Clerk and Rattan Babu, Manway Clerk. These three persons were given independent charges and domestic enquiries were conducted independently and the management took all these decisions independently for all the domestic enquiries. The management denied that he did not commit misconducts and he was dismissed from service of the Company. The management after going through the Enquiry Officer findings and also the relevant records necessary dismissed the employee concerned.

4 In the instant case a preliminary issue whether the domestic enquiry was conducted properly or not was taken up for consideration and the management examined



M.W.1 and marked Ex. M1 to M6. The workman did not examine any witness and after completing the arguments it was held that the order was pronounced on 20th September 1985 holding that the domestic enquiry was conducted by the Management was proper and fair, the said order is part of the record. The matter was posted finally for hearing the Counsels regarding the quantum of punishment. No further evidence was adduced thereafterwards by both sides. The advocate for the workman attacked the findings of the Management.

5. At the outset when application is made by the management to decide whether they conducted the domestic enquiry properly and fairly by giving reasonable opportunity as a preliminary issue observing the principles of natural justice. Thus Court had occasion to decide on the evidence of M.W.1 and Exs. M1 to M6 for the management and no evidence produced on behalf of the workman. It is held that the enquiry was reasonable and fair and these delinquent workman was given fair opportunity to defend himself in the domestic enquiry and the issue was answered in favour of the management and against the workman by this Tribunal Order dt. 28th September 1985 the same is part of the record.

6. Subsequently no further evidence is adduced on either side and it is argued by Sri Kannabiran for the Workmen that it was a fit case where on the available circumstances, the quantum of punishment of dismissal is excessive and not warranted and the same is opposed to law and facts. According to him it is a fit case where Section 11-A could be applied and this Tribunal should award lesser punishment other than dismissal at any rate.

7. The charge is that he misconducted by intentionally including the name of A. Ramaswaroop Coal Filler in the acting person list in the shift report book of August, 1982 after lapse of considerable time as if he worked on 27-7-1982. Though he in fact did not work on that day, in order to help the workman, wrongfully earned leave pay that the pay for the year 1982 and other attendant benefits to the extent of Rs. 2,836.00. Now Ratna Babu is a Manway Clerk handling muster rolls at that time. The muster rolls were in the handwriting of the Manway Clerk. The management examined Madhava Reddy, Colliery Manager and workman Ramulu was the Overman at the relevant time and it is admitted fact that while paying the wages must roll register which is otherwise known as 'C' Register is one of the registers to be looked into. Similarly the other records to be verified or Tub Account Book or Overman Register Book to see whether a particular coal filler acted on the page on a particular day as Coal fillers or not. A Ramaswaroop was the coal filler and admittedly his name is not found in the Overman Register and Wage Register and if he is working as Coal Filler, his name should be found in the Tub Man account. When verified Overman report at the time of enquiry it is found that there was no record to show that he worked. Though overman job is supervisory job is bound to see and supervise the work of those who work underground such as rope splicer, trammer, helpers, fitter and charge hand. When the Overman Book is produced and it is referred by the Colliery Manager Madhava Reddy it is not mentioned that the coal filler worked on that day on 27-8-1982 and the Overman report book was also filed in the enquiry connected with Ratna Babu, Manway clerk as well as Overman. It is argued that the actual culprit A. Ramaswaroop who had been on leave with pay for the year 1982 was let off and he enjoyed, Rs. 2,836.00. But the point to be seen is whether this entry in the shift report book of August 1982 was made intentionally "after lapse of considerable time in order to help the workmen to have wrongfull gain or not". It is not a case that mistake was done by oversight. The charge is that he "intentionally included the name of Ramaswaroop Coal Filler in the shift report book, of August 1982 after lapse of considerable time." Further enquiry would show that he admitted having made the entries as could be seen under Ex. M5 at page 10. Now the question is whether it is a fit case where Section 11A should be exercised. In Rama Kant Mishra v. State of Uttar Pradesh (1982 LIC page 1790) when an employee used indiscreet in disclosing threatening postures the Supreme Court was pleased to reduce the punishment of dismissal to that of withholding two increments with future effects holding that the penalty must be commensurate with the gravity of the offence

charge. It is no doubt true that even though misconduct is proved and a penalty has to be imposed the extreme penalty of dismissal or discharge was not justified in the facts and circumstances of the case meaning thereby that the punishment was disproportionately heavy or excessive and that penalty must be commensurate with the gravity of the offence. If it is the case of the workmen that he committed a mistake for the first time in life and that it was not done want only but it was only by oversight it will be true to exercise discretion under section 11-A but in the instant case when he want only made fudged records after a lapse of time and intentionally included A. Ramaswaroop in the shift report of book August 1982 in order to help the workmen wrongfully earn his leave with pay and if this kind of misbehaviour is not taken as serious misconduct I think there will be no sanctity for the rule of law and any amount of discretion shown for such culprits will not be proportionate to the wanton mischief done by them. The punishment is not disproportionate when it is dismissal for wanton mischief done. Therefore Section 11A has no application for given case like this. Incidentally in I.D. No. 110 of 1984 B. V. Rama Rao Pay Sheet Clerk was dismissed after the enquiry was conducted independently as he was party for the said wrong payment of A. Ramaswaroop, Coal Filler by colluding in the payment of leave with pay to A. Ramaswaroop. Therefore the delinquent workman made admission of such a series charge and when the offence is clearly proved beyond reasonable doubt. It is unworthy to keep such persons who forge the records of the employer in the interest of the management. So any lesser punishment given to such a person would only land the employer into further troubles and penalty will not commensurate with the gravity of the offence charge. Of course the management also alleged that for the last 13 years there were many allegations of misconduct and the same will also discussed in the enquiry report. Therefore on a careful consideration, I hold that the punishment of dismissal awarded Overman Sri C. Ramulu with effect from 28-7-1984 by the management is justified and he is not entitled for any relief.

Award is passed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 2nd day of May, 1986.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

#### Appendix of Evidence

##### Witnesses Examined

for the Management

M.W1 P. Ramakrishna

##### Documents marked for the Management :

- Ex. M1—Charge Sheet dt. 10-11-83 issued by the Colliery Manager, SRP I Incline S.C. Co. Ltd., to Ch. Ramulu, Overman.
- Ex. M2—Acknowledgement dt. 11-11-83 from Ch. Ramulu to the Colliery Manager, SRP I Incline, S.C. Co. Ltd.
- Ex. M2—Explanation dated 14-11-83 given by Ch. Ramulu to the Colliery Manager, SRP I, S.C. Co. Ltd.
- Ex. M4—Enquiry Notice dt. 29-11-83 issued by the Colliery Manager, SRP I, S.C. Co. Ltd., to C. H. Ramulu
- Ex. M5—Enquiry proceedings pertaining to C. H. Ramulu.
- Ex. M6—Enquiry Report pertaining to C. H. Ramulu.

##### Documents marked for the Workmen :

NIL

Sd/- INDUSTRIAL TRIBUNAL

[F. No. 22012/69/84 D.III (B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 जून, 1986

का.प्र. 2369:—केंद्रीय सरकार, उत्प्रेवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रिय मन्त्रालय, श्रम मन्त्रालय के अनुभाग अधिकारी श्री एम एस. टांगरी को 6 जून, 1986 (अनुराहुन) से अगले प्रादेशिक जारो होने तक उत्प्रेवासों संस्था, दिल्ली के समस्त कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

[सं. 22012/1/86-उत्प्रेवास-II]

अमित दास गुप्ता अवर सचिव

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2369.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri M. S. Tangry, Section Officer, Ministry of Labour to perform all functions of Protector of Emigrants, Delhi with effect from the afternoon of 6th June, 1986 till further orders.

[No. A-22012(1)86-Emig.II]

AMIT DASGUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जून, 1986

का. प्र. 2370:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एनू इंडिया इन्सुरेंस कं. लि. के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है,

New Delhi, the 12th June, 1986

S.O. 2370.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the New India Insurance Co. and their workmen.

BEFORE SHRI G.S. BAROT, INDUSTRIAL TRIBUNAL  
(CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 22 of 1985

Adjudication :

BETWEEN

The New India Insurance Co. Ltd., Bhavnagar.

AND

Their workmen

In the matter of termination of the services of Shri Mansukhlal Ratilal Soni.

APPEARANCES :

Shri M. J. Sheth for the New India Insurance Co. Ltd.

Shri Manilal G. Gandhi for the workman concerned.

AWARD

The Central Government, vide its Order No. L-17012/3/84/D-IV(A) dated 3rd August, 1984, constituted an Industrial Tribunal with myself as its Presiding Officer, and referred for my adjudication an industrial dispute between the employer in relation to the management of the New India Insurance Company Ltd., Bhavnagar ("the Employer" to be brief) and his workmen, in regard to the matter specified in the Schedule annexed to the said order, viz :—

"Whether the action of the management of New India Insurance Company Limited, Bhavnagar in terminating the services of Shri Mansukhlal Ratilal Soni, Ex-sweeper, with effect from 11-6-83 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The facts of the case may be briefly stated. Shri Mansukhlal Ratilal Soni ("the workman concerned" to be brief) was engaged, on a part-time basis, as a sweeper for sweeping and cleaning the office premises of the Employer. He was working as such from the year 1970. However, his services

were terminated with effect from 12-6-1983. The case of the workman concerned is that the termination of his services was illegal and improper in as much as he was neither given any notice nor any opportunity to defend himself nor any compensation. In view of this, it is contended by the workman concerned, that he should be directed to be reinstated in service with payment of full back wages. In the written statement filed by the Employer, it is admitted that he was employed for part-time work for four hours daily. It is however stated that the work of sweeping and cleaning assigned to the workman concerned was not attended to by him properly; that he was shirking work and it was also observed that he was irregular in his attendance; and that in view of all these, it was decided to dispense with his service and accordingly he was relieved of his duties with effect from 12-6-1983.

3. Some oral evidence has been led by both the sides. The workman concerned has examined himself at Ex. 7. Apart from reiterating the contents of his statement of claim, he has stated that his working hours were from 7 A.M. to 1 P.M.; that while terminating his services, he has not been paid either notice pay or any compensation. He has also not been paid even his dues for part of the month of June, 1983. He has further stated that after his termination, another person is doing the work of sweeping and cleaning which he was doing. He has further stated that at the time of his termination, he received a consolidated salary of Rs. 260/- per month; that when he was engaged in this part time work with the Employer, he was doing another work from 3 P.M. to 7 P.M. which he still continues to do. In his cross-examination, he has admitted that the timings in regard to his coming for duty and his leaving at the end of his duty hours, were not being recorded. However, there was no cross-examination on the other points made in his examination-in-chief, mentioned above. The Employer has examined his Branch Manager at Ex. 9. He has admitted that the workman concerned worked for four hours in a day. This witness has however alleged that instead of doing the work himself, the workman concerned used to get the work done by one Harshaben and he was only supervising the same; that the workman concerned was reprimanded for this; that in regard to his work also he was repeatedly rebuked and still there was no improvement in his work. In his cross-examination, this witness has admitted that he did not receive any written complaint in regard to the workman concerned nor had he given any written order to the workman concerned. He has then clearly admitted that the workman concerned worked from 9 A.M. to 1 P.M. in his office and then only he went for other work in the grocer's shop. The witness has also admitted that the work taken from Harshaben by the workman concerned, mentioned by the witness, was so taken for 20 to 30 days.

4. From the above evidence, it is very clear that the workman concerned was working as part-time workman with the Employer for about 13 years, and his service were terminated by an oral order, with effect from 12-6-1983. There is no dispute that no notice or wages in lieu of notice were paid to him. It is by now well settled that termination in any form, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, would constitute "retrenchment" as contemplated under Sec. 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947, and the conditions precedent to a valid retrenchment have been laid down in Sec. 25F of the said Act. These conditions are :

- (a) the workman should have been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice;
- (b) the workman should have been paid at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days, average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of six months; and
- (c) notice in the prescribed form should have been served on the appropriate Government or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the Official Gazette.



In the present case, admittedly, none of the foregoing conditions have been fulfilled. Retrenchment of the workman concerned would, therefore, be bad and must be set aside.

5. However, an attempt has been made in the present case to show that the services of the workman concerned were terminated as his work was not satisfactory and he was irregular. This would mean that it was a penal action which was taken on account of his alleged unsatisfactory work and irregularity, etc. However, admittedly, no enquiry whatsoever has been held. No opportunity whatsoever has been given to him to defend himself. Even before this Tribunal, no evidence has been adduced to prove his unsatisfactory work and irregularity, etc. Thus, even if it be a penal action, the principles of natural justice have not been complied with and the termination would be bad on that count also.

6. When the termination of the services of a workman is held to be bad, the relief to be granted would be reinstatement with full back wages. Now, so far as back wages are concerned, it is contended on behalf of the employer that even after his termination, he was earning Rs. 300/- P.M. as admitted by him and therefore no back wages should be directed to be paid. I do not think this is relevant in the

present case in as much as while working with the Employer also the workman concerned was working elsewhere during the remaining period and he continued to work there even after his termination by the Employer. It has not been proved that after his termination he worked somewhere during the hours for which he worked with the Employer. In view of this, the workman concerned would be entitled to full back wages.

7. In the result, it is directed that the workman concerned shall be reinstated in service by the Employer on his original post, with continuity of service, within one month from the date this Award becomes enforceable. The workman concerned shall also be paid by the Employer an amount equal to the salary which he would have got from the date of his termination till the date of his reinstatement. The workman concerned shall also be paid by the Employer Rs. 200/- by way of costs.

G. S. BAROT, Presiding Officer

Ahmedabad 4-4-1986.

[No. L-17012(3)/84-D.IV (A)]  
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

